Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 12 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 294 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अवकाश की सूचना

दीपावली के अवसर पर 12 नवंबर को **द फोटोन न्यून** कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 14 नवंबर को बाजार में आएगा। पाठकों, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदाताओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस दौरान देश-दुनिया की खबरों में अपडेट रहने लिए बने रहें thephotonnews.com पर

SHARE

सेंसेक्स	:	64,904.68
निफ्टी	:	19,425.35

SARAFA

सोना	:	5,715
चांदी	:	76.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

केंद्र ने जारी किया मनरेगा मजदूरी का 620 करोड़ रुपये

RANCHI : राज्य के मनरेगा मजदूरों का बकाया मजदूरी का भुगतान संभव हो सकेगा। केंद्र सरकार नें मजदूरी मद में 620 करोड़ जारी किया है। राज्य के मनरेगा मजदूरों का पिछले चार-पांच माह से मजदूरी बकाया था। जिससे मनरेगा का काम प्रभावित हो रहा था। जारी किए गए 620 करोड़ रुपये से मनरेगा मजदूरों को दूसरी किस्त में एससी कोटा के मजदूरों के लिए 40,92,16,67 रुपये, एसटी कोटा में 72,68,76,389 रुपये और सर्वाधिक अन्य कोटा में 138,66,60,033 रुपये जारी किये गये हैं। इसी तरह तीसरी किस्त में भी एससी कोटे में 52,07,33,590 रुपये, एसटी कोटे में 99,44,60,853 रुपये व सर्वाधिक अन्य कैटेगरी में 216,84,13,666 रुपये दिए गये हैं।

दीपावली पर पाक ने रिहा किए 80 भारतीय मछुआरे

NEW DELHI : पाकिस्तान ने दीपावली के अवसर पर 80 भारतीय मछुआरों को रिहा किया है। ये मछुआरे अटारी-बाघा सीमा के रास्ते शुक्रवार देर रात भारतीय सीमा में दाखिल हुए। बीएसएफ टीम द्वारा सभी मछुआरों की जांच की जा रही है। वर्ष 2019 में ये मछुआरे गलती से भारतीय सीमा पार कर पाकिस्तान में प्रवेश कर गए थे। जहां पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इनमें से ज्यादातर मछुआरे गुजरात के रहने वाले हैं।

बीआरएस दलित विरोधी पार्टी : नरेंद्र मोदी

HYDERABAD : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 11 नवंबर को हैदराबाद पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा में मौजूदा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार और कांग्रेस पर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि बीआरएस दलित विरोधी है और कांग्रेस भी उसी के जैसी है। बीआरएस ने नए संविधान की मांग कर बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान किया है। कांग्रेस का भी ऐसा ही इतिहास रहा है। उन्होंने बाबा साहेब को दो बार चुनाव नहीं जीतने दिया।

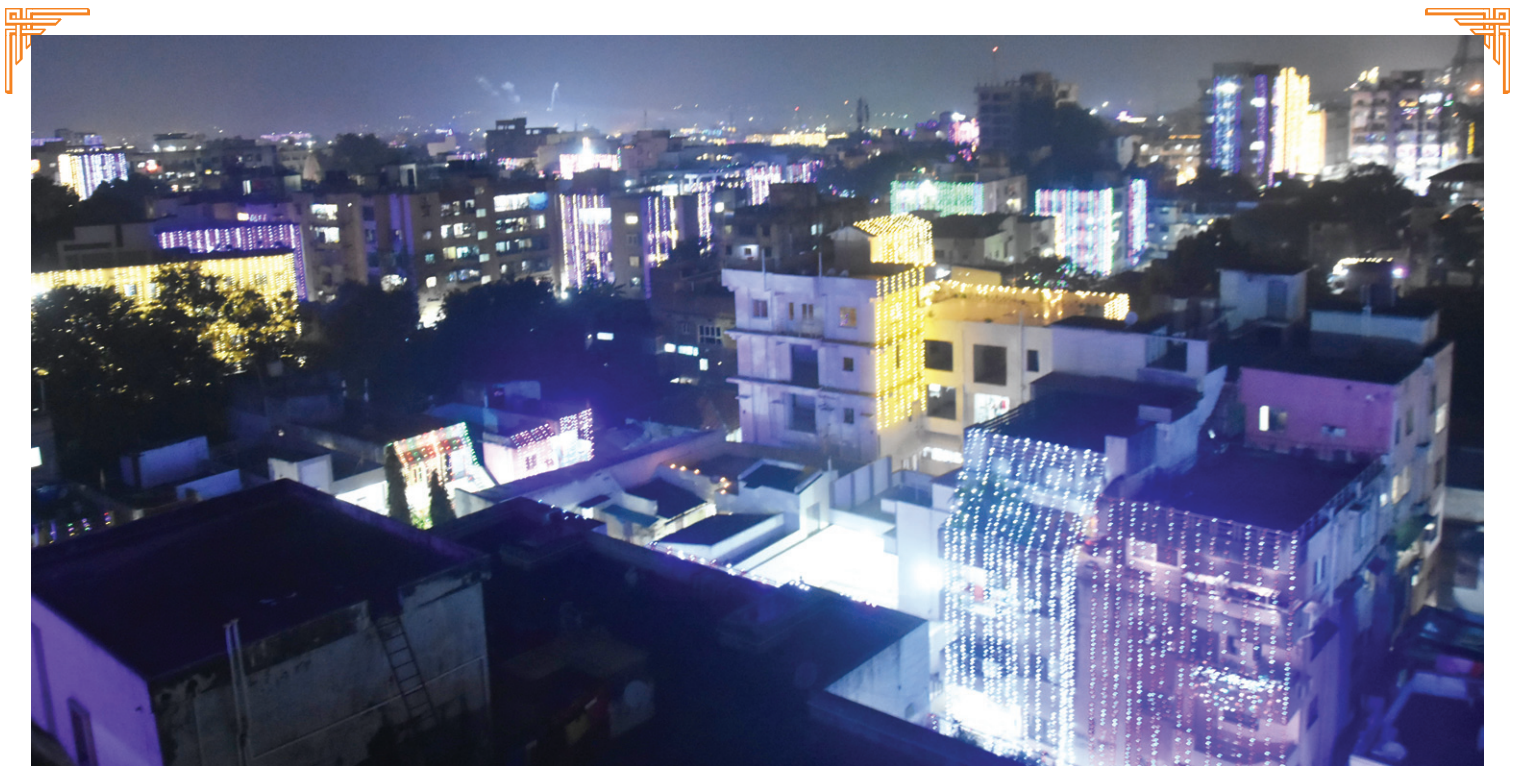

आज पूरी रांची दीपों से होगी जगमग : आज दीपावली है। दीपों की रात। कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अमावस। घनघोर अंधेरा। इस अंधेरे से एक नन्हा दीपक लड़ता है। एक पर्व और अनेक मान्यताएं-कथाएं। जैसे असंख्य दीप जलते हैं, उसी तरह अनेक कथाएं भी इस पर्व से जुड़ जाती हैं। आज पूरी रांची जगमग होगी। कहीं दीपों की माला तो कहीं झालरों की जगमगाहट। चारों तरफ पर प्रकाश ही प्रकाश। जैसे उपनिषद का अमर संदेश धरती पर पसर रहा हो, अंधकार से प्रकाश की ओर चलो। जैसे बुद्ध किसी वट के नीचे अपने शिष्यों से कह रहे हों, अप्प दीपो भव:। यह ऐसा ही पर्व है। कहते हैं, इसी दिन भगवान राम 14 साल का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे और इनके स्वागत में अयोध्या में उस दिन असंख्य दीप जल उठे थे। तब से दीपावली मनाई जाती है। इसी अमावस को मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं, सो, गणेश-लक्ष्मी की पूजा का विधान भी जुड़ गया। कहते हैं, इसी दिन महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ था। जैन धर्म के लिए इस रात का अलग ही महत्व है।

22 लाख 23 हजार दीयों से जगमग हुई रामनगरी

84 लाख के ग्रीन पटाखों से आतिशबाजी

AGENCY AYODHYA : अयोध्या राममय है। 11 नवंबर को 7वें दीपोत्सव पर सरयू नदी के किनारे 51 घाटों पर 24 लाख दीप जलाए गए। 22 लाख 23 हजार दीप जलाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। होलोग्राफिक लाइट के जरिए महर्षि वाल्मीकि की राम की कथा सुनाई गई। लेजर शो के बाद 23 मिनट आतिशबाजी की गई। 84 लाख रुपए की कीमत के ग्रीन पटाखे जलाए गए। 24 लाख दीपों को जलाने के लिए 1 लाख 5 हजार लीटर सरसों तेल का इस्तेमाल किया गया है। 54 देशों के राजदूत भी दीपोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे हैं। दीपों की गिनती के लिए 2 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। पिछली बार सरयू तट पर 15 लाख 76 हजार दीप जलाने का कीर्तिमान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आयी ट्रेन

दो की मौत, पुरी से दिल्ली जा रही थी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस

PHOTON NEWS KODERMA : **परसाबाद स्टेशन** के पास शनिवार को धनबाद गया रेलखंड पर ओवरहेड तार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। मृतकों में गया निवासी यात्री संजय मांझी और मुर्शिदाबाद विनासी मजदूर छवि शेख शामिल हैं। घटना उस वक्त हुई जब 12801 अप पुरुषोत्तम एक्सप्रेस पुरी से नई दिल्ली जा रही थी। तभी कोडरमा के परसाबाद स्टेशन के पास रेलवे की ओवरहेड तार पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के ऊपर गिर गई। घटना के दौरान रेलवे के पोल का एक हिस्सा पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के जनरल बोगी में सफर कर रहे एक यात्री को लगा, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं परसाबाद स्टेशन पर काम कर रहे तीन-चार मजदूरों को भी झटके लगे। इसमें मजदूर छवि शेख की गंभीर स्थिति देखते हुए उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रेल इंजन को ओवरहेड तार से जोड़ने वाले उपकरण में कुछ खराबी के कारण तार उसमें फंस गया, जो पुरूषोत्तम एक्सप्रेस के ऊपर गिर गया। घटना के कारण पुरुषोत्तम एक्सप्रेस परसाबाद स्टेशन पर ही खड़ी रही।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में हादसे के बाद घटनास्थल में जुटी भीड़।

- गया निवासी यात्री संजय मांझी और मुर्शिदाबाद के मजदूर छवि शेख की गई जान
- ओवरहेड तार से जोड़ने वाले उपकरण में कुछ खराबी के कारण तार फंसने से हुआ हादसा

रेलवे प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

घटना के चश्मदीद एक यात्री सौरव कुमार (आजमगढ़) के अनुसार उन्होंने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी और बड़ा हादसा होते-होते बच गया। कुछ यात्री घबरा कर ट्रेन से कूदने लगे थे। यात्री ने रेलवे प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। घायल यात्री का इलाज सदर अस्पताल कोडरमा में चल रहा है। घटना के बाद घटना स्थल से स्टेशन तक अफरा-तफरी मची रही। लोगों की काफी भीड़ लग गयी। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक पुरुषोतम एक्सप्रेस घटना स्थल के पास खड़ी रही। किसी तरह पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को रवाना कर दिया गया। दूसरी ओर हादसे के बाद अप व डाउन लाइन का परिचालन पूरी तरह बंद हो गया। यह करीब तीन घंटे तक रहा। इस कारण रेलवे को विभिन्न ट्रेनों को जहां-तहां रोकना पड़ा। 12260 डाउन दुरंतो एक्सप्रेस करीब दो घंटे तक कोडरमा स्टेशन पर रुकी रही। रेलवे ने युद्ध स्तर पर काम करा ट्रेनों का परिचालन शुरू कराया।

डीआरएम ने दिया जांच का आदेश

सूचना मिलते ही हाजीपुर जोन के जीएम, धनबाद रेल मंडल के डीआरएम, आरपीएफ के आईजी, कमांडेंट व अन्य रेलवे के अन्य अधिकारी पहुंचे। डीआरएम के अनुसार घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रथम दृष्टया पुरुषोतम एक्सप्रेस का पेंटो व ओवर हेड तार के आपस में उलझ जाने से हादसा हुआ। पुरुषोतम एक्सप्रेस हजारीबाग रोड स्टेशन पर रुकने के बाद कोडरमा के लिए खुली, पर परसाबाद पहुंचने से पहले ही हादसा हो गया।

सूरत रेलवे स्टेशन में भगदड़ से एक की मौत

SURAT : गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। स्टेशन पर भारी भीड़ के चलते भगदड़ मच गई, जिसमें चार-पांच लोग बेहोश हो गए। घायलों को पास के ही एक निजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। भगदड़ में जान गंवाने वाले मृतक की पहचान वीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वीरेंद्र बिहार के छपरा के रहने वाले हैं और सूरत में नौकरी कर रहे थे। वीरेंद्र के साथ ही एक महिला समेत अन्य तीन लोग भी भीड़ में फंसकर बेहोश हो गए थे। रेलवे पुलिस ने सभी को सीपीआर देकर 108 एंबुलेंस से पास के ही एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने वीरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। दिवाली और छठ पूजा के चलते बिहार जाने वाले यात्रियों की गुजरात के सभी रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ है। यहां से उत्तर भारत जाने वाली सभी ट्रेनें फुल हो चुकी हैं और वेटिंग लिस्ट भी 300 के पार है। इसी के चलते अब यात्री जनरल डिब्बों में चढ़ने की जद्दोजहद कर रहे हैं। बिहार-यूपी जाने वाली ट्रेनें इस समय खचाखच भरी हुई हैं।

आपसी विवाद में रातू में महिला को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला

शुक्रवार देर रात की घटना, आरोपियों की धर-पकड़ में जुटी पुलिस

CRIME REPORTER RANCHI : **राजधानी** स्थित के रातू थाना क्षेत्र के हुरहुरी स्थित बाड़ी टोला में एक महिला की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। यह घटना शुक्रवार देर रात की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार, किसी बात को लेकर महिला का उसके परिजनों के साथ विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि परिजनों ने महिला को लाठी डंडे से बेहरमी से पीटा। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की धर पकड़ में जुटी हुई है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं।

- घर के बाहर हल्ला करने से मना करने पर आरोपियों ने लाठी से किया हमला
- गंभीर हालत में कराया गया था भर्ती, इलाज के दौरान गई जान

बेटे को बचाने आई मां के सिर पर लगी चोट

हुरहुरी बाड़ीटोला में आपसी विवाद को लेकर देवर टुन्नु उरांव और भतीजा पंकज उरांव ने लकड़ी की बेंत और लात-घूसे मार-मारकर अपनी चाची बिरसी उरांव (65 वर्ष, पति बिदई उरांव) की जान ले ली। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात 11 बजे भतीजा पंकज उरांव ने शराब के नशे में अपनी चाची बिरसी उरांव के घर सामने आकर गाली-गलौज कर संतोष उरांव को जान से मारने की धमकी दे रहा था। तभी संतोष उरांव घर से बाहर निकला और उसको हल्ला करने से मना किया। इसी बीच संतोष की मां बिरसी उरांव भी बाहर निकली। तब पंकज के परिवार के टुन्नू उरांव, पैलूस उरांव और धनिया देवी वहां आ गये और संतोष के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद पंकज उरांव ने लकड़ी की बेंत से संतोष पर वार किया। पुत्र संतोष को बचाने लिए बिरसी उरांव बीच में आ गयी। जोरदार वार से बिरसी के सिर पर चोट लगी और खून बहने लगा। इससे घबराकर सभी हमलावर वहां से भाग निकले।

कॉन्स्टेबल की बेटी से एसआई ने किया रेप

राजस्थान का मामला, मां ने आरोपी को जूते से पीटा, गुस्साए लोगों ने थाना घेरा

AGENCY DAUSA : राजस्थान के दौसा में 5 साल की बच्ची से सब इंस्पेक्टर के रेप के बाद हालात तनावपूर्ण है। आरोपी सब इंस्पेक्टर भूपेंद्र सिंह को शनिवार दोपहर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे सस्पेंड भी कर दिया है। इस घटना के बाद इलाके में पुलिस के खिलाफ आक्रोश फैल गया। करीब 5 घंटे तक ग्रामीणों ने थाने को घेरे रखा। लोग थाने की छत पर चढ़ गए। इस दौरान पीड़ित बच्ची की मां ने आरोपी एसआई को चप्पल से पीटा। इस घटना के बाद इलाके में पुलिस के खिलाफ आक्रोश फैल गया। करीब 5 घंटे तक ग्रामीणों ने थाने को घेरे रखा।

थाने का घेराव करने पहुंचे लोग।

आरोपी एसआई को थाने की खिड़की तोड़कर निकाला और चौराहे तक घसीटते ले गए

वारदात का खुलासा होते ही लोगों ने थाने में जमकर हंगामा किया और तोड़फोड़ की। दरअसल, आरोपी ने थाने में ही खुद को एक कमरे में बंद कर लिया था, लेकिन नाराज लोगों ने थाने का घेराव किया। आरोपी को थाने की खिड़की तोड़कर बाहर निकाला और थाने से चौराहे तक घसीटते, पीटते ले गए।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- अब बातें नहीं, एक्शन जरूरी, इजराइल पर बमबारी रोकने का दबाव

गाजा में हर 10 मिनट में एक बच्चे की जा रही जान

AGENY TEL AVIV : गाजा में इजराइल का जमीनी ऑपरेशन जारी है। इस बीच वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन यानी डब्ल्यूएचओ के चीफ ने यूएसएससी को बताया है कि इजराइली बमबारी से गाजा में हर दस मिनट में एक बच्चे की मौत हो रही है। जंग में अब तक गाजा के 11 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई है। मरने वालों में 4506 बच्चे हैं। वहीं, इजराइल ने 7 अक्टूबर को हमास के हमले में मरने वाले लोगों की संख्या घटा दी है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि पहले 1400 लोगों के मारे जाने की जानकारी थी, लेकिन ये संख्या 1200 है। गाजा में इजराइली बमबारी से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत, अमेरिका समेत कई देश इजराइल पर गाजा में बमबारी रोकने का दबाव बना रहे हैं।

फ्रांस की भी सीजफायर के लिए अपील

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइल से सीज फायर की अपील की है। बीबसी को दिए इंटरव्यू में मैक्रों ने कहा है कि गाजा में औरतों और बच्चों को मारना अब बंद किया जाना चाहिए। हालांकि मैक्रों ने ये भी कहा है कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मैक्रों के बयान पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि गाजा में हो रही मौतों के जिम्मेदार हम नहीं, आईएसआईएस और हमास है। दुनिया को हमारी नहीं, इनकी आलोचना करनी चाहिए। नेतन्याहू ने दुनिया को चेतावनी देते हुए कहा- हमास ने गाजा में जो अपराध किए हैं वो पेरिस, न्यूयॉर्क और पूरी दुनियाभर में हो सकते हैं। इजराइली सेना की तरफ से 8 नवंबर से उत्तरी गाजा के लोगों को दक्षिणी हिस्से में जाने के लिए 4 घंटे का वक्त दिया जा रहा है।

इजराइली सेना ने गाजा के 3 अस्पतालों को घेरा

इजराइली सेना ने पहले तो गाजा के अल शिफा अस्पताल के पास स्ट्राइक की। इसके बाद 3 अस्पतालों को चारों तरफ से घेर लिया है। मरीज और स्टाफ अस्पताल में बंद हैं, जबकि बाहर इजराइल और हमास लड़ाकों के बीच मुठभेड़ हो रही है। अल शिफा अस्पताल के पास हुए धमाके में 13 लोगों की जान चली गई। इइउ की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने जिन 3 अस्पतालों को घेरा है उनमें अल शिफा, अल कुद्स और इंडोनेशिया हॉस्पिटल शामिल हैं। इजराइल की डिफेंस फोर्सेज ने दावा किया है कि इन अस्पतालों के नीचे हमास के कमांड सेंटर हैं। इजराइल ने कहा है कि अल शिफा अस्पताल के नीचे हमास इंटेलिजेंस का मेन क्वार्टर है। वो इसी पर बमबारी कर रहे हैं। वहीं, हमास ने इजराइल पर बेगुनाह लोगों की जान लेने का आरोप लगाया है। सऊदी अरब अरब देशों के साथ एक समिट करने जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के राष्ट्रपति रईसी भी इस समिट में शामिल हो सकते हैं। ईरान-सऊदी के बीच सात साल तक चली दुश्मनी के बाद चीन की मध्यस्थता से समझौता हुआ।

पाक वर्ल्ड कप से बाहर आखिरी मैच में इंग्लैंड ने 93 रन से हराया

NEW DELHI : पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप 2023 से बाहर हो गई है। टीम को इंग्लैंड ने आखिरी लीग मुकाबले में 93 रन से हरा दिया। कोलकाता में शनिवार को इंग्लैंड ने 337 रन बनाए। पाकिस्तान 43.3 ओवर में 244 रन पर ही ऑलआउट हो गया। सलमान अली आगा (51 रन) ने अर्धशतक जमाया। वहीं इंग्लैंड से डेविड विली ने 3 विकेट लिए, जबकि आदिल रशीद, मोइन अली और गस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने 59, जो रूट ने 60 और बेन स्टोक्स ने 84 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। कप्तान जोस बटलर ने 27 और हैरी ब्रूक ने 30 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। इफ्तिखार अहमद के हिस्से भी एक सफलता आई। पाकिस्तान की टीम इस हार से पहले ही सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी थी।

नक्सली आकाश को पुलिस ने रांची रेलवे स्टेशन से दबोचा

रविंद्र गंझू दस्ते का है सक्रिय सदस्य

CRIME REPORTER RANCHI : लोहरदगा पुलिस ने भाकपा माओवादी संगठन के रीजनल कमांडर और 15 लाख के इनामी रविंद्र गंझू दस्ते के सक्रिय सदस्य आकाश नगेसिया उर्फ समेश्वर नगेसिया को रांची रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में उगले कई राज

लोहरदगा एसपी हरीश बिन जमां ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली आकाश नगेसिया ने पूछताछ में कई जानकारियां दी है। इसके अलावा कई मामलों में संलिप्ता को भी स्वीकार किया है। नगेसिया ने 26 मार्च को सेरेंगदाग स्थित बड़का नदी पर पुल निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदार के लेवी देने से मना करने पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया था।

कई घटनाओं में था शामिल

इसके अलावा 22 मई को लेवी न देने पर हत्या करने की नियत से मुंशी पर गोलीबारी की थी। हालांकि, वह बच निकला था। आकाश नगेसिया ने 11 दिसंबर, 2022 को अपने सहयोगियों के साथ मिलकर स्वराज के ट्रैक्टर और रोटावेटर को उसके घर के बाहर से चोरी कर ली थी। इसके खिलाफ नक्सली घटनाएं, गोली चलाने, आगजनी करने, अवैध लेवी वसूलने, चोरी के कई मामलों में उसकी तलाश थी। इसके खिलाफ लोहरदगा में पांच मामले दर्ज हैं। छापेमारी टीम में पेशरार थाना प्रभारी मो. अख्तर अल, रामदेव कुमार राय, रुपेश कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

कला-साहित्य

शुभ दीपावली

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

कहानी

अंधेरे के पलाश

रश्मि शर्मा
रांची

वो ढलती शाम थी। गर्म रेत सांझ का स्पर्श पाकर ठंढ़ी हो चली थी। लड़की की निगाहें ढलते सूरज पर टिकी थी। सूरज हर पल रंग बदल रहा था और लड़की का चेहरा भी। एक अनकही खामोशी पसरी थी दोनों के बीच। लड़का हथेलियों में रेत भरकर मुट्ठियों से धीरे-धीरे छोड़ रहा था। हवा के साथ मिलकर रेत उड़ी जा रही थी।

लड़का चुप था.... जैसे उसके पास भी सारे शब्द चुक गए हों।

ये वो मौसम था जब सर्दि?यां उतर चुकी थी और गर्मी ने अपनी गिरफ़्त में नहीं लिया था। हां, इसे बसंत का मौसम कहा जा सकता है, पर गिरते सूखे पत्तों से पतझड़ का आभास होता है। किसी-किसी दोपहर सूखी हवा चलती है। याद आया लड़की को, ये टेसू के खिलने का वक्त है, सेमल के सवंरने का वक्त है। गुजरी याद ने उसके होठों पर हल्की मुस्कान ला दी।

'तुम्हें याद है, ये वही दिन थे जब तुम मेरे पास आ रहे थे!'

लड़का अपुष्ट से अंधेरे में उसे अपलक देखने लगा, जैसे सिनेमा हॉल के अंधेरे में आंखें फाड़ कर कोई देख रहा हो...

'हां, कॉलेज के आखिरी से पहले साल की बात है ये। मुझे याद है सब।' सूखे हुए होठों से बोल फूटे। मगर लड़की ने सुना नहीं शायद... वो आसमान की ओर निगाह उठाये बोलती ही रही, जैसे किसी क्षोभमंडल पर लिखी इबारत पढ़ रही हो कोई।

'हम मिले जब टेसू के जंगल में सूखी पत्तियों पर लाल लाल पाँतें बिछी होती थीं फूलों की .... आसमान जरा बैंगनी हुआ करता था और फागुनी बयार से मन झूमता होता था। तुम कितने सारे रंग लेकर मेरे पास आया करते थे। तब रोज इंद्रधनुष उगता था न आकाश में हमारे लिए?'

लड़के को वो सब याद था। कॉलेज की साहित्य-परिषद का अध्यक्ष था वो और उसी साल पास के एक महानगर से लड़की, संस्कृति ने कॉलेज में दाखिला लिया था। अपनी साहित्यिक अभिरुचि के चलते जल्दी ही वो उदास सी, मगर बेहद खूबसूरत लड़की कॉलेज के हरेक कल्चरल प्रोग्राम का हिस्सा हो गई थी। लड़का डिबेट्स अच्छा बोलता था और कविता भी लिखता था। उन्हीं दिनों कॉलेज की एक स्मारिका के प्रकाशन की जिम्मेदारी डीन सर ने इन दोनों को दी थी और यहीं से अकेले मिलने का सिलसिला शुरू हुआ था।

अब लड़के के होंठो पर भी मुस्कान आई। आवाज में विश्वास भर कर बोला वो 'हां, याद है मुझे। तुम्हें पलाश के फूल बेहद पसंद थे। इसलिए मैं तुम्हें 'टेसू' कहने लगा था।'

'हां... तुम्हें नाम देने की आदत है। अच्छा लगता है किसी को भी क्योंकि एक नया नाम मिलने से अहसास होता है कि कोई मेरे बेहद करीब है, तभी तो वो एक नया नाम दे रहा है मुझे।'

'वैसे भी मुझे टेसू के फूल बहुत अच्छे लगते हैं' बोलते हुए मुस्कुरा पड़ी संस्कृति, सहज होने लगी जैसे।

'हां... टेसू... मैं वाकई टेसू बन गई थी। तुम्हारे प्यार में आपादमस्त लाल-नारंगी रंगी हुई। प्रेम कर रंग लाल ही होता है न, तुम्हीं कहते थे ना कि 'क्रोमेटोलोजी' यानी वर्ण विज्ञान जानता हूं मैं।' लड़का, जिसका नाम आकाश था... मुस्करा के हामी भरी उसने।

'कितना झूठ बोलते थे तुम उन दिनों, क्या अब भी....? होंठों पर स्मित मुस्कान भर पूछ रही थी संस्कृति।

अस्फुट सा बोलने की कोशिश करता है

"सुनो टेसू!"

लड़की की बड़ी- बड़ी आंखें उसकी ओर उठती है, कुछ सवाल, कुछ अचरज लिए।

अब लड़की के आंखों का रंग लाल था... पलाश ने अपना रंग छोड़ दिया हो उसकी आंखों में। लड़की ने आंखें नीची कर लीं, जैसे छुपाना चाहती हो लड़के से जो छलक आया है अनचाहे ही। पलकें मूंद ली उसने। बूंदे गिरीं और रेत में जज्ब हो गई। वो कमजोर नहीं होना चाहती थी। कम से कम उसे दिखना नहीं चाहती थी।

गए दिन की यादों ने एकदम से घेर लिया। जब वो मिले थे तो कायनात बहुत खूबसूरत थी, या हो गई थी। फागुन उनकी देह में उतरा आया था। सेमल का यौवन उफान पर था और उनके अरमानों के पंख को थकान नहीं होती थी कभी। प्रेम में डूबे वो, बाहों के गुंजलक से नहीं निकलना चाहते थे, कभी भी। जिंदगी इतनी हसीन कभी नहीं लगी थी इससे पहले।

चांद निकल आया था अब जरा सा, मगर डूबते सूरज की लालिमा बाकी थी। लड़के को देख ऐसा लगता जैसे वो किसी अपराधबोध से घिरा है। वो उबरना चाहता है। चाहता है पहले की तरह थाम ले उस लड़की को। इतना करीब हो जाए कि उसके कांधे पर सर रख रो ले। जानता है वो भी... जमे आंसू पत्थर से होते हैं जो सीने में इस कदर भारी हो जाते हैं कि न दुख बाहर आ पाता है न खुशी, न प्यार, न माफी। पर वो यकीन खो चुका है, कि हाथ बढ़ाने पर झटक नहीं दि?या जाएगा। चाहता तो है उसकी हथेलियों को फि?र से कसना, पर कुछ है जो रोकता है उसे।

फिर कहती है.... 'हां यही दिन थे, जब तुम आए थे मेरे पास। यही मार्च का महीना। फागुनी बयार। कितना भर दिया था तुमने मुझे। मैं तुम्हारे अलावा कुछ और सोच नहीं पाती थी। दिन दोपहर, शाम, रात। बस तुमसे बातें और तुम्हारी बातें। देखो न हमारी किस्मत..... यही वो दिन है जब तुम जा रहे हो। प्रेम का मौसम बिछुड़न के मौसम में तब्दील हो गया है। कितनी अजीब बात है...अब आगे की जिंदगी में जब भी फागुन आएगा.... कभी मैं तुम्हारे प्रेम की यादों में गोते लगाऊंगी, कभी दर्द की लहरों पर सवार होकर वक्त के थपेड़े सहूंगी।"

आवाज की तरलता छूने लगी थी आकाश को। वह रोकना चाहता था उसे...कुछ बोलने से। मगर वह बोलती ही जा रही थी....

"मेरी किस्मत भी इन रेत के टिब्बों की तरह हो गई है। आवारा हवाओं को भी अब ये अख्तियार है कि मुझे अपनी मर्जी से मोड़ ले, और कभी वो दिन भी थे कि जब किसी कोई अपनी जबान से मेरा नाम भी ले ये गवारा नहीं था तुम्हें"

लड़का खामोश, उदास बैठा रहा, सोचता ही रहा। रेत पर धसी है उसकी हथेली, जैसे वो ढूंढ रहा हो अपनी बेगुनाही साबित करने को बातों का कोई सिरा।

अचानक बोल उठा - "आखिर मैंने किया क्या है, क्यों दूर हो रहे हम?"

लड़की सीधे उसकी आंखों में देखते हुए बोली-

'कुछ दुख ऐसे होते हैं जिन्हें किसी को नहीं बता सकते हम। कई बार जब हम दुखी होते हैं, सदमा लगता है, तो उससे उबरने की कोशिश में हम लड़ते-झगड़ते हैं। आरोप लगाते हैं... रोते हैं। उबर भी आते हैं। पर रिश्तों में कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आप इतना समझ जाते हैं, इतना दुख पी लेते हैं कि आगे मिलने वाला दुख बेअसर हो जाता है। फिर आप चलते नहीं...वहीं रूक जाते हैं। माजी की खूबसूरत यादों को दुहराते हैं। प्रेम में जीते हैं.. हंसते रोते हैं..

मगर वो अतीत होता है। वर्तमान मर चुका होता है , भविष्य की कोई गुंजाइश ही नहीं रहती।

इतना नहीं बोलती थी कभी संस्कृति... आज जाने क्या हुआ है इसे.. कितनी बातें हैं इसके पास।

आंखों में दुःख और अचरज भरकर देखता है....

"तुम प्यार करती हो न मुझसे.. आज भी?"

लड़की बेलौस मगर पूरे विश्वास के साथ बोलती है... 'हां... करती हूं, बहुत करती हूं। सिर्फ तुमको ही किया है, तुम्हें ही करूंगी....आजन्म।"

'तो क्यों कहा, ये बिछुड़ने का वक्त है, कि मैं जा रहा हूं। मैं कहाँ जा रहा हूं, तुम कहां जा रही हो... बोलो?'

लड़की उदास आंखों और भरपूर नजर से देखती है उसे। लड़के की आंखों में असमंजस है। लड़की की नजर आसमान की ओर उठती है। अंधेरा होने को है। चांद निकला है मगर उसकी रौशनी इतनी नहीं कि सब कुछ साफ नजर आए। जल्दी ही दोनों अंधकार की गिरफ्त में होंगे।

कह रही है संस्कृति - 'चलो अब रात हुई, अब अंधेरे के सिवा कुछ नहीं। किसी का जाना तोड़ता है, पर जाना ही पड़ेगा अब। फागुन के रंग बड़े फीके होंगे। तुम अपना ख्याल रखना।'

वह अवाक सा बैठा बस सुन रहा है। हालांकि उसे पहले से पता था वक़्त के इस दौर में इससे ज्यादा कुछ नहीं उस के हिस्से में, मगर फिर भी कोई हौल सा उसके सीने में पैठ रहा है। चेतना साथ छोड़ रही हो जैसे धीरे- धीरे उसी लड़की की तरह...

'सुनो....' लड़की उसे टहोकते हुए उठकर कपड़ों से रेत झाड़ती हुई बोल रही...' जब टेसू दहकेगा तो मुझे याद करोगे न!

यादों के जंगल में हर बरस टेसू फूलेंगे, सेमल से रूई के फाहे उड़ेंगे, तब मैं आऊंगी न याद तुमको... या कोई और फूल तुम्हें अच्छा लगने लगेगा?'

विहंस उठी हो जैसे आखिरी बात बोलते हुए लड़की... मगर नहीं... आकाश स्पष्ट देख पा रहा है भीगी है लड़की दोनों बड़ी - बड़ी आंखें।

लड़का एक आह भरकर ढह जाता है रेत के समंदर में।

लड़की बिना जवाब सुने आगे बढ़ने लगी.... उसके पैर रेत में धंसे जा रहे हैं... अंधेरा घना होने लगा था। धीरे-धीरे लड़की ओझल हो जाती है उसकी निगाहों से।

दूर पलाश की टहनी पर चाँद अटका है.... टेसू के जंगल में आग लगी है..... धू-धू जल रहा सारा जंगल... लगता है फागुन फिर आया है।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'सबसे बड़ा है पईसा पीर'

दिलीप कुमार

मुंबई के मलाड वेस्ट में मालवणी के गेट नम्बर सात पर मन्नू माइकलकी मार्ट पर रेग्युलर अड्डेबाज जुटे। मुम्बई भी अजब है यहां बंदर विहीन बांद्रा है ,चर्च गेट स्टेशन पर कहीं चर्च नहीं है उसी तरह मालवणी में आठ नंबर गेट नाम के बस स्टॉप हैं लेकिन गेट कहीं नहीं है ।

अ ने कहा-

'ई जो ऋषि बाबू इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बने हैं जब से, यह हमारी छाती 62 इंच की हो गयी है।'

ब ने पूछा-

'लेकिन पहले तो तुम्हारी छाती 56 इंच की ही हुआ करती थी तुम्हारे प्रधानमंत्री के नाम पर अब 6 इंच काहे बढ़ाए लिहेव।'

अ ने ऐंठते हुए कहा-

'देखो भैया, हम हैं यूपी के, डबल इंजन की सरकार हमारी चल ही रही थी, अब उसमें भौंपू भी लग गया। अब हमारा झंडा लंदन तक बुलंद हो गया'।

स ने डपटते हुए कहा ह्य काय सांगते तू । तू महाराष्ट्र में पैदा हुआ और खुद को यूपी का बताता है, अबे तेरी तो, ये कहते हुये दांत पीसते हुए उसने आंखे तरेरी।

अ सकपकाते हुए बोला-

'अरे भाऊ, मी शम्बर टक्का मराठी मानुष आहे। वो तो मैं ऐसे ही बोल रहा था। जैसे इंडिया के लोग ब्रिटेन के ऋषि सुनक को इंडियन बोल रहे हैं, वैसे ही मैने भी खुद को यूपी का कहा है।'

स बोला'

'मी कायसांगतो। ये जो ऋषि जी तुम्हारा इंग्लैंड का पंत प्रधान बना है। तुम आज उछल रहे हो। सबसे पहले एक मराठी मानुस उधर की पार्लियामेंट में पहुंचा था एक सौ तीस बरस पहले। हमारा बम्बई, नहीं नहीं मुम्बई के दादा भाई नौरोजी उधर के पार्लियामेंट में जीतकर आया था। समझा क्या जिधर तुम अभी पहुंचे उधर हमारे लोग पहले ही झंडा गाड़ चुके थे।'

अब तक अ, ब, स अपने अमल का सामान पान, तम्बाकू, सिगरेट ले चुके थे और उसका लुत्फ भी लेना शुरू कर दिया था।

तब तक कामरेड सुंदर त्रिपाठी आ गए।

उन्होंने रुद्राक्ष की माला पहन रखी थी। जो कि वो पहले से पहनते थे ये और बात थी कि उसे कुर्ते के नीचे ही रखते थे । लेकिन मुम्बई में जबसे टेक्सटाइल मिलें बंद हो गईं तब से माला कुर्ते के ऊपर रहा करती है।

'मन्नू माइकल ने उनसे कहा-

'लाल सलाम। बहुत टाइम दिखे कामरेड। आपकी सिगरेट दें।'

'तू कामरेड नहीं है तो लाल सलाम क्यों बोलता है। नमस्ते किया कर। कामरेड नहीं, त्रिपाठीजी बोला कर बे, या फिरपैलगी किया कर, आशीर्वाद देंगे तो पुण्य मिलेगा। पैलगी जानता है ना, यानी जुबां से बोलकर पांव छूने को पैलगी कहा जाता है । फिलहालबाहर का पान -पत्ता नहीं खाता अब मैं। साफ -सफाई नहीं रखते उसी हाथ से देते रहते हो सबको। मेरा धर्म भ्रष्ट कर दोगे।'

'अफीम कब से भ्रष्ट होने लगी कामरेड। अफीम कभी खराब नहीं होती।' मुन्नू माइकल ने कहा ।

'शिव, शिव, क्या बकता रहता है रे। धर्म को अफीम बोलता है। मैं समझ गया' तिलमिलाते हुए कामरेड ने कहा।

तब तक एक और रेगुलर अड्डेबाज द बोला-

'देखो जो ये जो ऋषि जी सुनक पीयम बने हैं, ये हैं पंजाबी खत्री। हम लोग के ही आपस के हैं जो क्षत्रिय लोग हैं ना उन्हीं में से कोई पंजाब गया होगा और वही लोग पंजाब में जाकर खत्री बन गया होगा, कायदे से तो हमको अपना सीना 56 नहीं 66 इंच का कर लेना चाहिये।' ये कहते हुए उसने अपना सीना फुलाया।

अन्ना कैसे पीछे रहते वो द की तरफ देखते हुए बोले-

'तुम बंडल मारता है।'

फिर थोड़ा ठहरकर बोले-

'देखो तुम लोग फर्जी में क्रेडिट लेने को ट्राई करता, अपना डेबिट नहीं देखता। वो हमारा साउथ इंडिया के नारायण मूर्ति जी का दामाद है, रुपया ही रुपया का बात है। नारायण मूर्ति जी उसको बोला कारपोरेट से पालिटिक्स में जाने का। वही ऋषि को रुपया -पैसा के बारे में सिखाया तो वो पहले उधर का फाइनेंस मिनिस्टर बना, अभी उधर का प्राइम मिनिस्टर भी बन रहा है। ये क्रेडिट हम साउथ लोगों का और उनकी एंटरप्रेन्योरशिप को मिलना मांगता है।'

तब तक दिग्गज फेमिनिस्ट बोलीं-

'वही तो, अन्ना बात को बिल्कुल सही पकड़े हैं। औरत न होती तो मिस्टर ऋषि कैसे बड़े आदमी के घर शादी करते और कैसे पीयम बनते। ये सब तरक्की लेडीज की वजह से ही है। लेडीज ना होती तो कुछ भी न होता।' ये कहते हुए मार्ट के एक डिब्बे से उन्होंने पांच चाकलेट निकाले और एक का रैपर फाड़कर खाने लगीं।

सरदार जी कहां पीछे हटते? वो हंसते हुए बोले-

'सारा लंदन ते इंग्लैंड बिच पंजाबियों दा ही बोलबाला। ओ ऋषि अपना प्रा है। पंजाबियों दी शान बल्ले-बल्ले। ए साडे पंजाब और पंजाबियत दी जीत है। पंजाबियों दी इस जीत की खुशी मैं सबको लस्सी पिलावंगा किसी दिन।

असी, तुसी औ लस्सी।'

ये कहकर वो हो- हो करके हंसे।

बड़ी देर से ये सब सुन - सुनकर उकता चुके एक सज्जन उठे। उन्होंने अपना गला खंखार कर साफ किया और फिर बोले झ

'देखें हजरात, खातिर जमा रखें । बेशक मैं हिंदुस्तान का नहीं हूं लेकिन' उनके इतना कहते ही सबकी नजरें उनकी तरफ ही उठ गयीं।

अपने को घूरता हुआ देख कर उन्होंने कहा-

'मेरा नाम उमर गजनवी है । मैं गुजरांवाला पाकिस्तान का हूँ। यहां के टाटा हॉस्पिटल में कैंसर का इलाज करवाने आया हूं। वल्लाह तुम्हारा मुल्क बहुत अच्छा है , इधर हमारे पास पैसा नहीं है ,फिर भी हॉस्पिटल में हमारा इलाज हो रहा है। हमारा पास पैसा नहीं है फिर भी।'

'आगे बोलो मियां, ये तो चांद सितारों को भी पता है कि जहां - जहां चांद- सितारों का झंडा पकड़े पाकिस्तानी बंदा है उसके पास पैसा नहीं है । और वो पैसा मांगने के लिये कुछ भी सुन -सह सकता है और किसी से भी रिश्ता जोड़ सकता है। खैर ऋषि पीयम से कुछ आपका भी रिश्ता है क्या' अ ने पूछा।

ये सुनकर उमर गजनवी हो-हो कर के हंसा। फिर ठहर कर बोला-

'देखो मियां, हमको तुम्हारी किसी बात का बुरा नहीं लगता । ये हम पाकिस्तान के लोगों का बच्चा-बच्चा बचपन में ही सीख जाता है कि जिसका पैसा तुम पर खर्च हो रहा है, उसकी बात का कभी भी बुरा नहीं मानना चाहिये। वैसे बिरादर एक बात बताओ हमारा पकिस्तान में तो पैसा का लेन-देन में मारामारी हो जाता है। लेकिन इधर इंडिया में हम चाहे होटल में खाता या फिर बस - ऑटो में भी मजाक में कह देता कि पैसा नहीं है हमारा पास , तो लोग मारता नहीं है, बस दो -चार लफ्ज बोलकर रह जाता है । बहुत अच्छा पड़ोसी है तुम लोग , मेहमान से पैसा नहीं लेता, हम तो अपने घर में भी और मुल्क में आये लोगों से पैसा ले लेता । हम दूसरों के घर जाकर भी पैसा मांगता जो हमारे घर आता उससे भी मांगता। मगर तुम्हारे इधर का लोग हमसे सख्ती से पैसा नहीं मांगता।'

'हम बताता है आपको , जैसे इंटरनेशनल सिम कार्ड की बात चल रही है, वैसे ही अगर कोई पकिस्तानी कह दे कि उसके पास पैसा नहीं है तो लोग उसको 'इंटरनेशनल भिखारी' मान ही लेते हैं। ये लीजिये अपना पान और हां मियां आपको इसके पैसे नहीं देने और आप हमारे मुल्क में हैं तो यहां आपको ये भी नहीं कहना है कि मेरे पास पैसे नहीं हैं।' ये कहकर सब हो -हो करके हँसने लगे।

उमर गजनवी ने मुफ्त का पान लिया, उसे मुंह में रखा और फिर सबकी खिलखिलाहट में शामिल हो गए।

सभी के ठहाकों की रफ्तार कम हुई तो उमर गजनवी ने कहा-

'देखें इसे मेरे जाती कर्जे और जाती फायदे के नजरिये न देखें , मुल्क-मुल्क की बात है तो सबसे ज्यादा हक तो हमारा जनाब ऋषि साहब पर बनता है। उनके पुरखे गुजरांवाला, पकिस्तान के थे, तो इसकी बिला पर तो वो हमारे हुए,गालिबन उनका वास्ता सर जमीने पाक से भी रहा है, तो ऐसे में वो पहले पाकिस्तानी हैं जो इंग्लैंड के पीयम बने हैं । टेक्निकली हक तो हमारा भी उन पर उतना ही है।'

ये बात सुनकर वहां कुछ पलों के लिये सन्नाटा छा गया।

'तुम पाकिस्तानियों की कामयाब आदमी से चिपकने की आदत कब जाएगी। तुम तो राजकपूर और दिलीप कुमार को भी पकिस्तानी ही कहते हो, जबकि वो भारत के कोहिनूर रहे हैं। ऋषि सुनक हमारे हैं और हमारे ही रहेंगे' अ की ये बात सुनकर सभी नेसहमति में सिर हिलाया।

'लेकिन ये मार्ट मेरा है और खाली-फुकट के उधारियों का अड्डा नहीं है। चलो अब अपनी - अपनी उधारी चुकता करो और उमर गजनवी तुम भी। इंडिया में इलाज फ्री हो सकता है, पान सिगरेट का पैसा लगता है। और तुम सब ऋषि सुनक के रिश्तेदारों, आज उधारी पूरी चुका दो अब तो तुम्हारे घर का आदमी विलायत का पीयम है। तो लाओ करो मेरे उधार का पेमेंट।'

ये सुनते ही सब वहां से खिसक लिए, नेपथ्य में कहीं एक गीत बज रहा था

'ईशा पीर न मूसा पीर
सबसे बड़ा है पईसा पीर'

कविता

'स्वयं दीप बनना होगा'

जयशंकर प्रसाद सिंह
वाराणसी, उत्तर प्रदेश

यदि होती रोशनी अनल से युद्ध क्षेत्र की ओर चलो।
भय से व्यापित नफरत का अंधियार दिखाई देता है।
पूंजी से होता उजियारा, धनिकों के मंदिर चलिए।
गला काट प्रतिस्पर्धा का स्याह दिखाई देता है।
जो इलाज के सौदागर हैं पीड़ा उनकी ग्राहक है।
उपचारों में कर्षित का चीत्कार सुनाई देता है।
ज्ञान बुद्धि विद्या विवेक से युक्त जनों को भी देखा।
उनमें भी आपसी द्वंद्व का नाद सुनाई देता है।

अंधियारा प्रस्थान करे ऐसा कोई उपचार नहीं।
उजियारा आकर बस जाए वह उत्सव करना होगा।
जब तक ज्योति प्रखर है, तब तक ही अंधियारा हारेगा।
हर एक दिए को नित प्रकाश के लिए सतत जलना होगा।
पंक्तिबद्ध बत्तीस दियों से साहचर्य का भाव जगे।
श्रम की माटी से निर्मित ईश्वर को भी बिकना होगा।
पर दुःख कातरता जब उपजे तभी दीप से दीप जले।
तम भीतर की प्रस्थिति है तो स्वयं दीप बनना होगा।

चित्र प्रदर्शनी

दीपिका सिंह
गोरखपुर

दो वर्षों बाद पटाखों का बाजार हुआ गुलजार, 70 करोड़ रुपये का व्यापार

रांची के बाजारों में उमड़ी भीड़, बच्चों ने ग्रीन पटाखें तो युवाओं ने की स्काई शॉट्स की जमकर खरीदारी

PHOTON NEWS RANCHI : धनतेरस के बाद शहरवासी ने पटाखों की जमकर खरीदारी की है। कोविड काल के दो वर्षों बाद बाजार में पटाखों की खूब बिक्री हुई। दो वर्षों बाद पटाखों का बाजार गुलजार हुआ है और कयास लगाए जा रहे हैं कि इस वर्ष पटाखों के बाजार में करीब 70 करोड़ का व्यपार हुआ है। बच्चों ने जहां ग्रीन पटाखों की खरीदारी की तो वहीं युवाओं ने स्काई शॉट्स की जमकर खरीदारी की। बाजार में प्रदूषणरहित पटाखों का बड़ा रेंज उतारा गया। जिसे खरीदने की होड़ सी मची है। दुकानदारों ने बताया कि आज भी बाजार में पटाखों की बिक्री होगी और यह सिलसिला छठ पूजा तक जारी रहता है। ग्रीन पटाखों को लेकर लोगों के बीच काफी आकर्षण देखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी पटाखा दुकानदारों को जरुरी दिशा निर्देश भी दिया है। प्रत्येक कलस्टर के लिए दुकानों की संख्या तय कर दी गई है। जिला स्कूल में 10, जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 16, हरमू मैदान में 10 से 12 और डोरंडा व चुटिया स्थित मैदान में भी पटाखा दुकान के लिए संख्या निर्धारित कर दी गई है। मोरहाबादी में डीबीडी काक ब्रांड की दुकान चला रहे दीपक कुमार कहते हैं कि पटाखों की खरीदारी छठ पूजा तक होती है। वहीं महावीर फायर वर्क्स के अंकित वर्मा ने कहा कि धनतेरस तक दिनभर में एकाध खरीदार ही पहुंच रहे थे लेकिन शनिवार को बड़ी संख्या में आए खरीदारों ने पटाखों की खरीदारी की है। आज भी खरीदार आएंगे। दुकानदारों का कहना है कि बीते वर्ष की तुलना में सभी पटाखों की कीमत में 20 से 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद भी बड़ी संख्या में पटाखों की खरीदारी हुई है। बता दें कि जिला प्रशासन ने 10 बजे रात तक ही आतिशबाजी करने की अनुमति दी है। इसके लिए पालयशन कंट्रोल बोर्ड ने वायु प्रदूषण, ध्वनि समेत अन्य को नियंत्रित रखने की तैयारी शुरू कर दी है।

बच्चों की पहली पसंद बने ग्रीन पटाखे

एक ओर जहां सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों से बढ़ रहे प्रदूषण के स्तर पर चिंता प्रकट की है तो दूसरी ओर ग्रीन पटाखों की मांग 30 प्रतिशत तक राजधानी में बढ़ी है। राज्य सरकार ने भी ग्रीन पटाखों की बिक्री को लेकर दिशा निर्देश जारी किया था। जिस कारण पिछले वर्ष पटाखा बाजार पर 30 से 40 प्रतिशत तक असर पड़ा था। बच्चे अपने अभिभावकों के साथ विशेष रुप से ग्रीन पटाखों की खरीदारी करने पहुंचे। बता दें कि सामान्य पटाखों के मुकाबले ग्रीन पटाखों में बारूद का कम इस्तेमाल होता है। इस वजह से इसमें धुआं कम और रोशनी अधिक होती है। इको फ्रेंडली या ग्रीन पटाखे जलने के बाद 40 से 50 प्रतिशत तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं। ग्रीन पटाखे 100 रुपये से लेकर 6000 रुपये तक के ग्रीन पटाखे बाजार में उपलब्ध हैं। इनमें सेवन साउंड, अनार, राकेट, जलेबी, गाडजिला बम, तोता बम, रंग-बिरंगी फूलझड़ियां, स्वास्तिक व्हील, हेलिकाप्टर पटाखे, 30 शाट्स, 50 शाट्स, हंटर कलर, कलर्ड अनार आदि शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन ने एहतियातन दीवाली में पटाखा बाजार के लिए 5 कलस्टर बनाए हैं।

ग्रीन पटाखों की कीमत

- फुलझड़ी (प्रति पैकेट छोटा) : 15 से 60 रुपये
- चकरी (प्रति पैकेट बड़ा) : 120 से 390 रुपये
- अनार (प्रति पैकेट बड़ा) : 120 से 490 रुपये
- मिरचाई बम : 60 से 70 रुपये
- छोटा बम : 70 रुपये प्रति पैकेट
- बड़ा बम : 200 से 220 रुपये प्रति पैकेट
- स्काई शॉट राकेट : 140 से 390 रुपये प्रति पैकेट
- स्काई शॉट एरियल आइटम (प्रति पैकेट) : 1290 से 6000 रुपये प्रति पैकेट।

बाजारों में 100 से 150 रुपये में बिक रहे दीये

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची का बाजार मिट्टी के दीये से सज गया है। जिला स्कूल, मेन रोड, कचहरी, चर्च रोड, धुर्वा, हिनू सहित अन्य चौक चौराहों और गली में भी बाजार लगे है। लोग सुबह से ही खरीदारी करते दिख रहे हैं। राजधानी में जगह जगह मिट्टी के दिये बिक रहे है, जो 100 से लेकर 150 रुपये सैकड़ा मिल रहा है। करंज तेल 150 रुपये प्रति लीटर बिक रही है। इसके साथ मिट्टी के खिलौने 10 रुपये प्रति पीस की दर से बिक रहे हैं जबकि हाथी घोड़ा बकरी भैंस शेर तोता समेत अन्य खिलौनों की 50 से 80 रुपये प्रति पीस बिक्री है। बाजार में दीये, खिलौने समेत अन्य चीजों की दर साइज के अनुसार अलग अलग है। इस बार जिला स्कूल में पटाखों की बिक्री हो रही है। ऐसे राजधानी के अन्य हिस्सों में भी पटाखों की बिक्री देखी जा रही है। पिछले साल तक राजधानी के मोरहाबादी मैदान में पटाखों की बिक्री होती थी लेकिन इस बार जिला प्रशासन की ओर से पटाखों की बिक्री के लिए जिला स्कूल में स्थान दिया गया। यहां अलग-अलग फुलझड़ियां मिल रही है, जिनकी कीमत 50 से 200 रुपये तक है। सेवन स्टार 550 रुपये, बीड़ी बम 50 रुपये पैकेटअनार, अनार 350, खिरनी 300, थ्री स्टार 250, मिनी बुलेट 450 से 500 प्रति पैकेट, हाइड्रो बम 600 रुपये में मिल रहा है। दुकानदार उमेश कुंभकार ने कहा कि पहले मिट्टी के खिलौनों का अच्छा कारोबार होता था। गांव के साथ शहर में भी इनकी खूब बिक्री होती थी। बच्चे माता-पिता से जिद कर इन खिलौनों को खरीदते थे लेकिन अब बच्चों में मिट्टी के खिलौनों को लेकर कोई रुचि नहीं है। वह मोबाइल और प्लास्टिक के खिलौनों में व्यस्त हो गए हैं। इससे हम लोगों का कारोबार ठंडा हो गया है। दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा का विशेष महत्व है। अलग-अलग पंचांग की मानें तो लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:40 मिनट से शाम 07:36 मिनट तक है।

BRIEF NEWS

पूर्व मंत्री मन्नान मलिक की तबीयत बिगड़ी, पल्स में भर्ती

RANCHI : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री मन्नान मलिक की तबीयत खराब होने पर उन्हें बरियातू स्थित पल्स अस्पताल में भती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही शनिवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर पल्स अस्पताल पहुंचे और उनसे मुलाकात की। साथ ही जल्द स्वस्थ की ईश्वर से की कामना की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री मन्नान मलिक बीते शुक्रवार को पल्स में भर्ती कराया गया था। नॉर्मल ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। फिलहाल वह ठीक बताए जा रहे है। उनका इलाज चल रहा है।

टेट सफल सहायक अध्यापकों ने घेरा झामुमो कार्यालय

RANCHI : टेट सफल सहायक अध्यापकों ने शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यालय का घेराव किया। हरमू मैदान से जुलूस के शक्ल में जैसे ही वह आगे बढ़े पुलिस ने उन्हें कार्यालय के पहले ही रोक दिया। इस दौरान सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश उपाध्याय ने कहा कि सरकार वादा कर अपने वादे से मुकर रही है। महाधिवक्ता की स्पष्ट वेतनमान की राय के साथ साथ एनसीटीई के सभी गाइड लाइन को पूरा करने के बावजूद भी बीते 81 दिनों से सहायक अध्यापक अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर डटे हुए हैं। इसके बावजूद भी सरकार टेट सफल सहायक अध्यापक के एकमात्र मांग वेतनमान पर कोई पहल नहीं कर रही है। टेट पास सहायक अध्यापकों की ओर से सरकार में शामिल झामुमो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री को ध्यान आकृष्ट कराने के लिये घेराव किया जा रहा है।

कांग्रेसियों ने मनाई अबुल कलाम की जयंती

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस ने शनिवार को स्वतंत्रता आन्दोलन के महान सपूत देश के प्रथम शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती कांग्रेस भवन में मनायी। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय सहित अन्य नेताओ ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। रांची महानगर कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष ने भी रक्तदान किया। इसके साथ दर्जनों लोगों ने भी मौलाना की याद में रक्तदान किया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे उस वक्त मौलाना आजाद के नाम पर तकनीकी शिक्षा प्रारंभ करने के लिए रांची के चिरौंदी में शिलान्यास किया था। उन्होंने कहा कि मौलाना अबुल कलाम का रांची से विशेष लगाव रहा है, वह जब रांची में तकरीर करते थे, तो अल्पसंख्यकों के साथ-साथ अन्य दूसरें समुदाय के लोग भी तकरीर सुनने आते थे, जो मजबूत भारत की एकता को दर्शाता है। उनके व्यक्तित्व से हमारे युवापीढ़ी को सीख लेने की आवश्यकता है।

सिदो-कान्हू पार्क में योग प्रशिक्षण कल से

RANCHI : रांची के सिदो- कान्हू पार्क में नि:शुल्क योग प्रशिक्षण 13 नवंबर से मिलेगा। इस संबंध में झारपार्कस रांची (वन विभाग, झारखंड) के सीइओ के स्तर से सूचना दी गई है। झारपार्कस अंतर्गत इस पार्क में नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने तथा प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित कर जीवन की पद्धति के विकास के लिए नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर 13 नवंबर से शुरू होगा। इसका समय हर दिन सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक रहेगा। मंगलवार को पार्क में साप्ताहिक बंद नहीं होगा। योग के लिए प्रशिक्षक की व्यवस्था झारपार्कस प्रबंधन के स्तर से की गई है। झारपार्कस प्रबंधन ने यह भी कहा है कि फिलहाल योग प्रशिक्षण का समय एक माह (13 दिसम्बर तक) के लिए ही तय किया गया है। अभी जो लोग योग सीखने को सुबह में पार्क आएंगे, उन्हें अपने साथ दरी, मैट या चादर वगैरह स्वयं लाना होगा।

atomy ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

मध्य रात्रि को होगी मां काली की पूजा रांची में कल खुलेंगे सभी पंडालों के पट

शहर में लगभग 40 से अधिक पूजा-पंडालों का किया गया है निर्माण

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में काली पूजा को लेकर पंडाल निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। रविवार की मध्य रात्रि को मां काली की पूजा अर्चना के बाद सोमवार को शहर के पूजा पंडाल श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। इसके साथ ही श्रद्धालु मां काली के दर्शन कर सकेंगे। साथ ही पंडाल में प्रवेश भी कर पाएंगे। शहर में लगभग 40 से अधिक पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है। पर पूजा पंडाल घूमने के शौकिंन लोगों के लिए डोरंडा, चुटिया और सकुर्लर रोड के पूजा पंडाल सबसे अनौखा है। राजधानी में इस साल उतराखंड के मां दुर्गा के मंदिर का प्रारूप शक्ति क्लब न्यू एजी कालोनी कडरू में तैयार किया जा रहा है। डोरंडा के कुसई कालोनी में इंडोनेशिया के मां दुर्गा की मंदिर का प्रारूम देखने को मिलेगा। इसके लोवर चुटिया के नव जागृत संघ काली पूजा समिति में श्रद्धालुओं को इस साल छाऊ नृत्य और झारखंड की कला सांस्कृति की छटा दिखाई देगी। इसके अलावा शहर के अलग-अगल जगह पर मां काली की भव्य मूर्ति भी देखने को मिलेगी। साथ ही कई जगह पर कल्पनिक पूजा पंडाल का निर्माण किया है। शहर में काली पूजा पर विद्युत सज्जा खास किया गया है। बिजली विभाग द्वारा 24 घंटे तक बिजली उपलब्ध कराने की गरांटी दी गई है। इसके साथ-साथ मां भवानी क्लब काली पूजा समिति राग गार्डेन के पूजा पंडाल में भगवान राम की विद्युत सजा पूरे शहर में चर्च का विषय बना हुआ है।

पूजा की तैयारियों के लिए बाजार में खरीदारी करते लोग।

पंडाल घूमने के साथ लें मेले का आनंद

शहर में काली पूजा पर पंडाल घूमने वालों के लिए कई काली पूजा समितियों द्वारा मेले का आयोजन किया गया है। डोरंडा बाजार काली पूजा समिति, कुसई कालोनी काली पूजा समिति और शक्ति क्लब न्यू एजी कालोनी कडरू काली पूजा समिति के पूजा पंडाल परिसर में मेला के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए कई प्रकार के खाने-पीने के स्टाल लगाए गए है। साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला का भी आयोजन किया गया है। जहां श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पूजा पंडाल घूमने का आंनद उठा सकते है। शहर में कई पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है। इस साल समिति द्वारा पूजा पंडाल घूमने आए श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की अगल से व्यवस्था की गई है। प्रत्येक पूजा पंडाल के आसपास पार्किंग के लिए जगह खाली कराया गया है।

किस पंडाल का कब होगा उद्घाटन

- कुसई काली पूजा समिति का रविवार को संध्या 8 बजे उद्घाटन किया जाएगा।
- न्यू काली पूजा समिति काली मंदिर रोड डोरंडा के पूजा पंडाल का उद्घाटन सोमवार को संध्या 7 बजे होगा।
- श्रीश्री काली पूजा समिति अपर बाजार महावीर चौक पूजा पंडाल का उद्घाटन शनिवार को किया गया।
- श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति गांधी मैदान के पूजा पंडाल का उद्घाटन सोमवार को संध्या 6 बजे किया जाएगा।
- नवयुवक काली पूजा समिटी सुंदर विहार तिरिल कोकर के पूजा पंडाल का उद्घाटन सोमवार को किया जाएगा।
- काली पूजा स्वागत समिति द्वारा बुधवार को मां काली की भव्य पूजनोत्सव के अवसर पर भंडोर सह सोमवार को 1001 महलाओं द्वारा महाआरती का किया जाएगा आयोजन।
- विनेक्स क्लब श्री काली पूजा समिति के पूजा पंडाल का उद्घाटन मध्य रात्रि पूजा के साथ विधिवत तरीके से किया जाएगा।

गवर्नर बनने के बाद पहली बार रांची पहुंचे रघुवर दास, हुआ भव्य स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : ओडिशा का राज्यपाल बनने के बाद पहली बार रघुवर दास शनिवार को सेवा विमान से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही भाजपा कार्यकताओं ने उनका ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ओडिशा के राज्यपाल का अभिनंदन करने पहुंचे विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि रघुवर दास भाजपा के बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष से लेकर कई बार विधायक, कई बार मुख्यमंत्री बने और मुख्यमंत्री भी रहे। झारखंड की धरती से ओडिशा का राज्यपाल तय किया गया है। पार्टी के एक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने हमेशा अपनी भूमिका निभाई है। पार्टी ने सम्मान देते हुए उन्हें ओडिशा का गवर्नर बनाया। यह गौरव की बात है। गवर्नर बनने के बाद पहली बार बिरसा मुंडा की धरती पर उनका आगमन हुआ। इससे कार्यकर्ता उत्साहित हैं। उनका मार्गदर्शन हमेशा मिला है और भविष्य में भी उनसे मार्गदर्शन लेते रहेंगे। उनकी बातों से प्रेरणा लेकर अपने कामों पर लगे रहेंगे। समय-समय पर उनसे चर्चा होती रहेगी। फिलहाल वे जमशेदपुर स्थित अपने आवास जाएंगे। मौके पर भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष केके गुप्ता समेत भाजपा के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर राज्यपाल रघुवर दास का स्वागत करते कार्यकर्ता।

टेस्ट में फेल मिठाइयों को किया जा रहा नष्ट

RANCHI : दीपावली को देखते हुए मिठाई और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इस जांच की मुहिम रांची जिले के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन कर रहे हैं। मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्रियों का नमूना लेकर ऑन स्पॉट जांच की जा कर रही है। जिन नमूनों में गड़बडियां मिल रहीं हैं उनको वहीं नष्ट कर दिया जा रहा है। अब तक 100 से अधिक दुकानों से नमूने लिए जा चुके हैं।

लंबित चुनाव याचिका को आठ सप्ताह में करें निष्पादित : HC

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने सैमरोम पॉल टोपनो की याचिका पर सुनवाई करते हुए दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त को आदेश दिया है कि वह सिडमेगा जिला परिषद की उपाध्यक्ष सोनी कुमारी के खिलाफ दायर चुनाव याचिका को आठ सप्ताह में निष्पादित करें। कोर्ट ने यह आदेश देते हुए मामले को निष्पादित कर दिया।

याचिकाकर्ता ने सिडमेगा जिला परिषद की उपाध्यक्ष सोनी कुमारी पेनकारा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त के समक्ष दायर चुनाव याचिका के जल्द निष्पादन का आग्रह कोर्ट से किया है।

झारखंड के 40 लाख से अधिक बच्चों ने विभिन्न खेलों में लिया भाग

29 खेलों का राज्य स्तरीय 'खेलो झारखंड' संपन्न

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में शनिवार को खेल गांव स्थित वीर बुधु भगत स्टेडियम में तैराकी प्रतियोगिता के साथ खेलो झारखंड 2023-24 भी सम्पन्न हो गया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, झारखंड तैराकी संघ के अध्यक्ष बरखा सिन्हा, महासचिव उपेंद्र तिवारी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शैलेंद्र कुमार तिवारी ने विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। खेलो झारखंड कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय स्तर पर जहां 35,000 स्कूलों ने भाग लिया, वहीं राज्य के सभी प्रमंडलों में 40 लाख से अधिक बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लेने के पश्चात जिला एवं राज्य स्तर पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने बताया कि राज्य के सभी जिलों से लगभग 15,000 बच्चों ने राज्य स्तर पर 29 विभिन्न खेलें में बालक एवं बालिका वर्ग के अंडर 14, 17 एवं 19 आयुवर्ग में भाग लिया। कबड्डी, खो-खो एथेलिटिक्स जैसे खेलों में दो हजार से अधिक बच्चों ने राज्य स्तर पर भाग लिया। सभी वर्गों में चयनित बच्चों के लिए 21 दिनों का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित की जा रही है।

वीर बुधु भगत स्टेडियम में तैराकी प्रतियोगिता के दौरान मौजूद अतिथि।

बच्चों ने दिखया दमखम

विदिशा में आयोजित कुश्ती के अंडर 14 एवं 17 फ्री स्टाइल में दो रजत पदक राज्य के खिलाड़ियों ने अपने नाम किया है। श्रीनगर में आयोजित अंडर 19 बालक फुटबॉल में लीग राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने तीनों मैच जीत कर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया, जहां पेनाल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा। अंडर 14 राज्य जूडो टीम जम्मू में 15 से 19 नवंबर तक आयोजित प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए रामगढ़ कैंट से 12 नंबर को रवाना होगी। त्रिपुरा में होने वाले अंडर 17 योगासन के लिए जेसीईआरसी कैंपस में कैंप चल रही है। टीम 19 नवंबर को रवाना होगी। राज्य शिक्षा परियोजना ने विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की तिथि घोषित की है। इसमें आठ नवंबर से फुटबॉल और योगासन, 14 नवंबर से खो-खो, 20 नवंबर से टेनिस और बैडमिंटन, 22 नवंबर से एथेलिटिक्स एवं 01 दिसंबर से वॉलीबाल का प्रशिक्षण शिविर होना है। अन्य खेलों हेतु प्रशिक्षण शिविर एस जी एफ आई द्वारा नेशनल तिथि की पुष्टि करने के बाद आयोजित की जाएगी। खेलों झारखंड कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शिक्षा सचिव के रवि कुमार एवं राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग एवं विभाग के शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद कोषांग के सदस्यों ने को बधाई दी।

दीपावली व छठ को लेकर शहर में चाक-चौबंद सुरक्षा

400 अतिरिक्त बलों को किया गया तैनात

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में दीपावली से लेकर छठ पूजा तक सुरक्षा को ले पुलिस हाईअलर्ट मोड पर है। रांची में कई स्थानों पर हाल के दिनों में हुए आपराधिक वारदातों को देखते हुए पुलि ने सुरक्षा की विशेष तैयारियां की हैं। सभी चौक चौराहे पर जहां चेक नाका तैयार किए गए हैं वहीं हेवी पैट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। शहर के होटलों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। यह सिलसिला छठ पूजा तक जारी रहेगा। गत दिनों रांची एसएसपी चंदन सिन्हा ने डीएसपी और थाना प्रभारियों के साथ शहर का भ्रमण कर चोरी और छिनतई के हाट स्पाट को चिन्हित किया था। इसमें कुल 52 जगहों को िंच्हित कियागया। सभी हाट स्पाट में सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। रांची के कोतवाली, सुखदेवनगर, पंडरा ओपी, लालपुर, लोअर बाजार, सदर, बरियातू, डोरंडा, अरगोड़ा, जगन्नाथपुर, धुर्वा और तुपुदाना ओपी को ज्यादा क्राइम होने वाले स्पाट को शामिल किया गया है। चिह्नित जगहों पर तैनात जवानों को संदिग्ध लोगों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

BRIEF NEWS

बाल भारती पब्लिक स्कूल में मना दीपावली उत्सव

ROURKELA : बाल भारती पब्लिक स्कूल ,एनटीपीसी दर्लिपाली में शनिवार को दीपावली उत्सव मनाया गया। विद्यालय ने इस वर्ष बाल दिवस एवं दीपावली उत्सव के सामूहिक समारोह मनाया। इस अवसर पर नाटक ,नृत्य ,कविता गायन एवं दीप निर्माण जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या नीरजा तिवारी ने अपने संबोधन में बाल दिवस एवं दीपावली त्योहार के महत्त्व तथा विशेषता पर प्रकाश डाला। आमंत्रित छात्रों को उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया। बाल भारती पब्लिक स्कूल अपने विद्यार्थियों के मन में प्रेम ,सद्भावना ,भाईचारा ,सहयोग ,सत्य एवं न्याय जैसे गुणों को विकसित करने के लिए सदैव कटिबद्ध रहता है।

प्रदूषण मुक्त दीवाली मनाने की ली गई शपथ

ROURKELA : स्वच्छ दीपावली, शुभ दीपावली के जागरूकता संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए राउरकेला महानगर निगम की ओर से एक विशेष बैठक का आयोजन शनिवार को हुआ। बैठक में आरएमसी के डिप्टी कमिश्नर सुदांशु भोई और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डीईई इंजी चंद्रशेखर चौहान ने प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने का सुझाव दिया। रसायनों के स्थान पर हरे पटाखा प्रयोग पर जोर दिया गया। बैठक में स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों सहित मार्केट एसोसिएशन, रेजिडेंट वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया और पर्यावरण के अनुकूल और प्रदूषण मुक्त दिन के उजाले का पालन करके इस संदेश को जमीनी स्तर तक ले जाने की शपथ ली।

सिंहपोखरिया स्टेशन के पास ठेका मजदूर क्रेन से गिरा, मौत

CHAIBASA : चाईबासा से पांच किलोमीटर दूर सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक का काम करने के दौरान क्रेन के ऊपर से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गयी। घटना बुधवार दोपहर तीन बजे की है। मजदूर हाटगम्हरिया प्रखंड के इलिगाड़ा के मोरन खंडाईत का रहने वाला है। बताया गया कि क्रेन से रेलवे ट्रैक से स्लैब उठाया जा रहा था। इस दौरान मजदूर क्रेन के ऊपर चढ़ा हुआ था। उसने सेफ्टी बेल्ट भी नहीं लगाया था। काम के दौरान ही वह फिसल कर नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस प्रशासन व रेलवे के अधिकार घटना स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गये। इधर, झारखंड कामगार यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष सह झींकपानी के जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा भी घटना स्थल पर पहुंचे और ठेकेदार के खिलाफ नियम उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को मिला प्रशिक्षण

CHAIBASA : तांतनगर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय उलीडीह में गुरुवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। इसमें विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों और शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान प्रोजेक्टर लगाकर ऑडियो-वीडियो के माध्यम से विद्यालय के विकास और सभी बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक सीआरपी तरुण गोप ने कहा कि सरकार की ओर से हर विद्यालय में 16 सदस्यों की विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। समिति के लोगों को शिक्षित-प्रशिक्षित कर विद्यालय के विकास में भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक माह को सभी विद्यालय में प्रबंधन समिति की बैठक होती है। इसमें सभी सदस्य भाग लें और विद्यालय के विकास में अपना योगदान दें।

हेमंत सोरेन पर अविलंब विधि सम्मत कार्रवाई करे ईडी : बाबूलाल मरांडी

चाईबासा आये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से की बातचीत

PHOTON NEWS CHAIBASA : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ईडी से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अविलंब विधि सम्मत कार्रवाई की मांग की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडी की जन्मस्थली खूंटी के उलीहातु में होने वाले कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में चाईबासा आये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब राज्य का मुख्यमंत्री ही कानून का पालन नहीं करेगा तो फिर आम जनता से कानून पालन करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार के आरोप में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए एक या दो नहीं बल्कि पांच बार सम्मन भेजा है लेकिन मुख्यमंत्री लगातार उसकी अवहेलना कर रहे। ईडी कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब देने से भाग रहे हैं। यह चिंता का विषय है। जब राज्य का मुख्यमंत्री ही कानून का पालन नहीं कर रहा है तो ऐसे में अब आगे और सम्मन भेजने का औचित्य नहीं रह जाता। अब मुख्यमंत्री पर विधि सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए अन्यथा आम जनता का विश्वास कानून पर से उठ जायेगा।

मीडिया को जानकारी देते बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

मधु कोड़ा हमारे संपर्क में नहीं : मरांडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कोड़ा दंपति के भाजपा में शामिल होने की चर्चा से इनकार किया है। शनिवार को पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में मरांडी ने कहा कि हमसे मधु कोड़ा की कोई भेंट नहीं है। पार्टी में भी इसको लेकर किसी तरह की चर्चा नहीं चल रही है। मालूम हो कि पिछले दिनों सांसद गीता कोड़ा ने भी इस तरह की चर्चा को अफवाह बताया था। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा था कि मैं कांग्रेस में थी और कांग्रेस में हूं।

जिला कांग्रेस ने मनायी मौलाना आजाद की जयंती

मौलाना आजाद की जयंती मनाते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती शनिवार को राउरकेला जिला कांग्रेस द्वारा मनाई गई है। कांग्रेस कार्यालय में इन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी तस्वीर में माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष देवब्रत बिहारी , पीसीसी महासचिव बीरेन सेनापति, पीसीसी के पूर्व संपादक गणेश प्रधान और पीसीसी सदस्य रश्मी रंजन पाढ़ी, पूर्व युवा अध्यक्ष नगनेंद्र दास, सेवा दल के बुलु दास, जिला कांग्रेस के दिलीप जेना, राजू प्रसाद, विजय साहू और सोनू साहू ने मौलाना के जीवन, उनकी विरासत और संघर्ष पर प्रकाश डाला। अंत में जिला कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य सहीर हुसैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महिला स्वयं सहायता समूहों को मुक्ता योजना के तहत 113 परियोजनाओं का मिला वर्क ऑर्डर

PHOTON NEWS ROURKELA : ओडिशा सरकार ने शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ श्रमिकों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री कर्म त्वरित अभियान (मुक्ता) योजना लागू की है। राउरकेला में, इस योजना के माध्यम से विभिन्न विकासात्मक परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को शहर निवासियों द्वारा प्रस्तावित 113 परियोजनाएं स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों को दी गई हैं।

'मुक्ता' योजना के समारोह वितरण कार्यक्रम में राज्य सरकार के श्रम एवं कर्मचारी बीमा मंत्री शारदा प्रसाद नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होकर कहा कि राज्य सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने स्थानीय एसएचजी महिलाओं के नेतृत्व कौशल को सुधारने और उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। एसएचजी महिलाओं ने कार्यादेश प्राप्त होने के तुरंत बाद काम शुरू करने और निर्माण के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने की सलाह दी।

राउरकेला शहर के उत्थान के लिए 113 परियोजनाओं पर करीब 13 करोड़ रुपये के खर्च का फंड मंजूर किया गया। इसमें शहर के विभिन्न हिस्सों में नालियों, फुटपाथों का निर्माण और मरम्मत, पेवर ब्लॉक सड़कों का निर्माण, खुले स्थानों में सुधार आदि जैसी सार्वजनिक कल्याण परियोजनाएं शामिल हैं। ये सभी परियोजनाएं सीधे स्थानीय स्वयं सहायता समूह महिला एवं बस्ती विकास संघ के माध्यम से क्रियान्वित की जाएंगी।

आज के कार्यक्रम में राउरकेला के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और नगर निगम डॉ. शुधक महापात्र के साथ-साथ उपायुक्त सुधांशू भोई, रोनित कुमार, कार्यकारी अधिकारी अजय बेहरा, आरएमसी कर्मचारी और एसएचजी महिलाएं उपस्थित थीं।

महिला स्वयं सहायता समूह के साथ अतिथि। ● फोटोन न्यूज

जमशेदपुर पहुंचे ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास सूर्य धाम मंदिर में आयोजित दीपोत्सव में हुए शामिल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : ओड़िशा के राज्यपाल रघुवर दास शनिवार को अपने गृह नगर जमशेदपुर पहुंचे। जहाँ उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दी गई। इस दौरान उनसे मिलने वाले लोगों का ताँता लगा रहा। जिला भाजपा के तमाम पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या मे लोगों से उन्होने मुलाकात की, बातचीत के क्रम मे उन्होंने तमाम देश वासियों कों दीपावली एवं छठ महापर्व की शुभकामनायें दी, साथ ही उन्होंने देश मे लोकल फॉर वोकल कों बल देकर आगे बढ़ाने की अपील भी सभी से की।

वही शाम में अयोध्या धाम के तर्ज पर जमशेदपुर के सूर्य धाम परिसर मे दीपोत्सव मनाया गया। जहां 11 हजार दीयों को प्रज्वलित किया गया। इस दौरान राज्यपाल रघुवर दास भी मौजूद रहे। मौके पर पूरा सूर्य धाम परिसर दीयों के प्रकाश से जगमगा उठा। बता दें सूर्य मंदिर कमिटी हर वर्ष इसका आयोजन अयोध्या धाम के तर्ज पर करती है।

विदित हो कि ओडिशा के राज्यपाल के रूप मे पदभार संभालने के उपरांत वे शनिवार को पहली बार अपने गृह जिला जमशेदपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होने मंदिर पहुंच कर पहले पूजा अर्चना की जिसके बाद उन्होंने परिसर मे लगाए गए दीयों को प्रज्वलित किया।

दीपोत्सव में शामिल रघुवर दास व अन्य। ● फोटोन न्यूज

एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी संस्थान में तीन दिवसीय दिवाली फेस्ट आयोजित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी संस्थान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीवाली मेला का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत कॉलेज की प्राचार्य प्रीता जॉन एवं उप प्राचार्य रमेश राय ने की। इस मेले में विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें रंगोली मेकिंग, दिया मेकिंग, स्वयं निर्मित दिवाली घर, तोरन मेकिंग आदि शामिल हैं। तीन दिवसीय यह फेस्ट 8 से 10 नवंबर तक चला,जिसमे पहले दिन 8 नवंबर को दिया सजावट, तोरण मेकिंग प्रतियोगिता, दूसरे दिन 9 नवंबर को दिवाली घर मेकिंग प्रतियोगिता एवं अंतिम दिन शनिवार को पूजा स्थान सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बीच शिक्षा के साथ संस्कार का भी समावेश करना रहा। कार्यक्रम में स्मृति, दीपक सरकार, मृणमोय, लक्ष्मण सोरेन, पंकज, नकुल, प्रीति, अनिल जवली समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

साइंस पार्क का जल्द होगा उद्घाटन, बनेगा आकर्षण का केंद्र

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला साइंस पार्क और तारामंडल के साथ इस्पात शहर के मुख्य आकर्षणों में से एक बनने जा रहा है। साइंस पार्क का काम लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन तारामंडल का काम पूरा होने में अभी 3 से 4 महीने लगेंगे। 16 करोड़ से अधिक की लागत से बन रहे साइंस पार्क की शुरूआत अप्रैल 2021 में हुई थी। इसे 2022 जुलाई को पूरा होना था। पार्क के निर्माण में वर्षों से देरी हो रही है। पार्क के भीतर एक सुंदर तालाब है। इसके अलावा पार्क में जुरासिक पार्क, विभिन्न प्रकार के विज्ञान उपकरण भी हैं। बताया जा रहा है कि इसी माह काम पूरा हो जाएगा। पार्क शहर में एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण और शैक्षिक केंद्र होगा। दूसरी ओर राउरकेला में यहां एनआईटी, बीपीयूटी जैसे शिक्षण संस्थान हैं। आज लोगों के जीवन जीने के तरीके पर विज्ञान का प्रभाव है। ऐसा माना जा रहा है कि साइंस पार्क की स्थापना से शिक्षकों और छात्रों दोनों को लाभ होगा।

सत्र शुरू होने के 4 महीने बाद भी केयू में आधा दर्जन से अधिक कोर्स में नहीं हो सका दाखिला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सत्र लेट करने में कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) राज्य में सबसे आगे है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान सत्र में 4 महीने से अधिक का समय बीत गया। लेकिन अभी तक केयू में एमए, एमएससी व एमकॉम (स्नातकोत्तर) के साथ ही एलएलबी, एमसीए जैसे कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया शुरू तक नहीं हुई है। जबकि हजारों छात्र इसका इंतजार कर रहे हैं। वहीं बी फार्मा में दाखिले के होने वाले प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया दो महीने पहले शुरू हुई है लेकिन अभी तक प्रवेश परीक्षा तक आयोजित नहीं हो सकता है। अगर विवि ने अभी से भी संबंधित कोर्सों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू की तो एडमिशन पूरा होने में दो महीने तक का समय लगेगा। ऐसे में अब संबंधित कोर्स की कक्षाओं शुरू होने में कम से कम जनवरी 2024 तो आयी जाएगा। हैरान करने वाली बात यह है कि संबंधित कोर्स में देरी का मुख्य वजह विवि की लेट लतीफी है।

पहली बार नवंबर में भी पीजी दाखिले की प्रक्रिया नहीं शुरू हो सकी। कोल्हान विवि में दूसरे कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया में एक दो महीने की देरी पहले भी होती रही है। लेकिन स्नातकोत्तर में दाखिले में पहली बार इतीन देर हो रही है। यूजी के बाद सबसे अधिक दाखिला पीजी में ही लिया जाता है।इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि करीब सात हजार छात्र हर साल पीजी दाखिले के लिए अप्लाई करते हैं और इस बार भी इतनी बड़ी संख्या में छात्र आवेदन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन विवि है कि वह इसकी तिथि घोषित ही नहीं कर रही।

राज्य के दूसरे विवि में पूरी हो चुकी है प्रक्रिया: अगर राज्य के दूसरे विवि से कोल्हान विवि की तुलना करें तो यहां हर कोर्स में सबसे देरी से नामांकन प्रक्रिया पूरी हो रही है। कोयलांचल विवि से लेकर जमशेदपुर महिला विवि तक में जहां पीजी नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही कक्षाएं शुरू हो गयी हैं। वहीं रांची में एडमिशन अंतिम चरण में है तो कोल्हान में अभी तक एडमिशन का नोटिफिकेशन तक नहीं जारी हुआ है।

इन कोर्स में नहीं शुरू हो का है दाखिला: स्नातकोत्तर एमए, एमएससी, एमकॉम, एमसीए, एलएलबी, बीफार्मा, एमएड, एमबीए, बीबीए, बीसीए।

> यूजी फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा में देरी की वजह से पीजी पहले सेमेस्टर में दाखिले की प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। लेकिन दीपावली के अवकाश के बाद तिथि घोषित कर दी जाएगी। वहीं एलएलबी के लिए बारकाउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति मिलने के बाद ही दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी।
>
> **एससी दास, डीएसडब्ल्यू**

डीएवी बिस्टुपुर बना रेनबो फेस्ट का ओवरऑल चैंपियन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शनिवार बिष्टुपुर साउथ पार्क स्थित चिन्मया विद्यालय में इंटर स्कूल आर्टिस्ट 'रेनबो 'का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के लगभग 13 विद्यालयों के 250 बच्चों ने भाग लिया। इस फेस्ट में शहर के प्रतिष्ठित कलाकार अर्जुन दास मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।उक्त अवसर पर नटराज कला केंद्र चौगा ईचागढ़ के कलाकारों द्वारा आकर्षक तथा मनोरंजक छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में फन विथ क्ले, मास्टर स्ट्रोक, स्टोन आर्ट, ब्रश मैजिक, एक्रेलिक बो, फेस पेंटिंग, लाइव स्टडी तथा फ्रूट एंड वेजिटेबल आर्ट आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडली में अशोक माइति, अनूप सिंह तथा बिप्लब राय उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य से सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए शुभ कामना दी तथा विद्यालय के इस प्रयास की प्रशंसा की। उन्होंने छऊ नृत्य के कलाकारों को विशेष धन्यवाद दिया। रेनबो फेस्ट के आयोजन में विद्यालय के आर्ट टीचर श्री तमाल सेन गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही, साथ ही विद्यालय की प्राचार्या, सभी शिक्षक गण तथा विद्यालय कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का भरपूर सहयोग था।

अन्य परिणाम इस प्रकार है। फन विथ क्ले-प्रथम जिसको स्कूल साउथ पार्क और श्रीनाथ पब्लिक स्कूल, द्वितीय चिन्मय विद्यालय साउथ पार्क, तृतीय डीएवी बिस्टुपुर।

मास्टर स्ट्रोक-प्रथम एआईडब्ल्यू सी एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस, द्वितीय -डीएवी बिस्टुपुर, तृतीय जे एच तारापुर।

ब्रश मैजिक-प्रथम जेपीएस बारीडीह, द्वितीय-डीएवी बिस्टुपुर, तृतीय-एआईडब्ल्यू सी एकेडमी।

एक्रेलिक बो -प्रथम आरएमएस सोनारी, द्वितीय-डीएवी बिस्टुपुर, तृतीय जुस्को स्कूल कदमा।

रेनबो फेस्ट में शामिल प्रतिभागी। ● फोटोन न्यूज

सोहराय पर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल, तैयारी अंतिम चरण में

छात्रा ने मिट्टी के घर को बना दिया वंदे भारत एक्सप्रेस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सोहराय पर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आदिवासी समाज के इस महान पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में तैयारी अंतिम चरण में है। सोहराय पर्व पर ग्रामीण अपने घरों को खूबसूरत अंदाज में सजाते हैं। मिट्टी से बने रंगों से अपने घरों के बाहर मनमोहक कलाकृति उकेरी जाती है। जिनकी चमक महंगे रंगों की तरह होती है। इस बार जमशेदपुर से सटे ग्रामीण क्षेत्र जोंद्रागोड़ा गांव की एक छात्रा ने सोहराय पर अपने मिट्टी के घर को वंदे भारत का रूप दिया है। मिट्टी के रंगों से झोपड़ी में बनाया गया वंदे भारत एक्सप्रेस लोगों को आकर्षित कर रहा है। बता दें कि संथाल समाज सोहराय पर्व को प्रमुखता से मनाते हैं। पांच दिनों तक मनाया जाने वाला यह पर्व कृषि से जुड़ा हुआ है। घरों का रंग-रोगन करना व सजाना उनकी परंपरा है। इस पर्व में कृषि में साथ देने वाला पशु और नये फसल की पूजा होती है।

घर के बाहर पेंटिंग करती छात्रा पूर्णिमा। ● फोटोन न्यूज

ग्रामीणों के लिए बना आकर्षण का केंद्र

जोंद्रागोड़ा गांव में गांव की एक छात्रा पूर्णिमा ने अपने मिट्टी के घर को देश की चर्चित ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस जैसा रूप दिया है। पूर्णिमा ने वंदे भारत को हूबहू अपने घर के बाहर उकेरा है। सफेद और नीले रंग से बनी ट्रेन की आकृति को देख ऐसा लगता है मानो गांव मे वंदे भारत खड़ी है। पूर्णिमा बताती है कि सोहराय को वे लोग विशेष रूप से मनाते है। घर की सफाई कर दीवारों का रंग-रोगन करते है। इसमें बाजार के महंगे रंगों का इस्तेमाल नहीं होता बल्कि उसे वे लोग खुद बनाते है। गांव के लोगों ने कभी भी नजदीक से वंदे भारत ट्रेन नहीं देखी है, ऐसे में उनकी जिज्ञासा इसे देख कर शांत हो रही है। इसे देख उसे खुद भी लगता है कि वह घर में नहीं वंदे भारत ट्रेन में है। ग्रामीण भी छात्रा की इस पेंटिंग की खूब तारीफ कर रहे है।

विशेष राज्य की मांग पर 18 नवंबर को पश्चिम ओडिशा बंद का आह्वान

PHOTON NEWS ROURKELA : सरकार द्वारा पश्चिम ओडिशा के हर पहलू में भाषा, कला, संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय रोजगार, विस्थापितों, आदिवासियों, दलितों के अधिकारों की उपेक्षा की गई है। 18 नवंबर को पश्चिम ओडिशा स्वतंत्र कोशल राज्य गठन के लिए बंद का आह्वान किया गया है। पश्चिम ओडिशा के लिए एक अलग राज्य की मांग को लेकर सभी कोसल वादी संगठनों ने मिलकर एक संयुक्त कार्रवाई समिति गठित की है।

इसे लेकर कोशल कारंती दल (केकेडी) द्वारा सुंदरगढ़ और राउरकेला में 12 घंटे के पश्चिम ओडिशा बंद के लिए वेदव्यास में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में कोसल क्रांति दल के प्रदेश महासचिव राम चंद्र अमात, जिला अध्यक्ष मनोज रौदिया, वरिष्ठ नेता हरदानंद बेहरा, कोसल युवा गठबंधन के नेता सुमित दास, युवा नेता मनसुख सामसी ने महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लिया और 12 घंटे का बंद करने का निर्णय लिया गया।18 नवंबर को पश्चिम ओडिशा में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक सभी प्रकार की दुकानें, स्कूल, कॉलेज, कार्यालय बंद रहेंगे और क्षेत्र की अखंडता की रक्षा के लिए सभी दलों को इस बंद का समर्थन करने की अपील की गई है।

BRIEF NEWS

दीपावली पर जरूरतमंदों के बीच दीये का वितरण

RANCHI : दीपावली पर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर सह अधिवक्ता रूना मिश्रा शुक्ला ने शनिवार को रांची के कई जरूरतमंदों के बीच दीया, तेल, बाती, माचिस और मिठाई का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने नामकुम, चुटिया, कडरू, लोवाडीह आदि के लगभग 100 जरूरतमंद लोगों के बीच दीपावली की समाग्री बांटी। रूना मिश्रा शुक्ला ने कहा कि दीपावली पर हर किसी की कुटिया रौशन हो इसके लिए यह प्रयास किया गया है। दीपावली खुशियां बांटने वाला त्योहार है। रांची के ग्रामीण क्षेत्रों में कई जरूरतमंद लोगों तक प्रत्येक वर्ष दीपावली की समाग्री पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इसी कड़ी में शनिवार को लोगों तक दीया, बाती, माचिस, तेल और मिठाई का वितरण किया गया। यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। मौके पर अनुराग बैनर्जी, बालक मुंडा, रशेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

धान के खेत में मिला नवजात

PALAMU : जिले के छतरपुर प्रखंड की सुशीगंज पंचायत के पासवान टोला में धान के खेत से एक नवजात को बरामद किया गया। नवजात बच्ची स्वस्थ्य बतायी गई है। सूचना मिलने पर गांव के अयोध्या पासवान और उसकी पत्नी नवजात को उठाकर अपने घर ले गए और उसे सुरक्षित रखा है। ग्रामीणों की बच्चे की चिकित्सकीय जांच करवायी गयी, जिसमें बच्ची स्वस्थ पायी गयी। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार सुबह खेत से गुजरते समय बच्ची के कराहने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने देखा कि एक नवजात बच्ची खेत में पड़ी हुई है। सूचना मिलने पर गांव के ही अयोध्या पासवान और उसकी पत्नी बच्ची को सुरक्षित घर ले आए। अपने पास रखा है तथा उसकी देखभाल कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही लठेया पिकेट से रोशन किंडो घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि बच्ची के बरामदगी के संबंध आसपास के क्षेत्र से जानकारी ली जा रही है।

घर लौटी खूंटी में कई दिनों से लापता विक्षिप्त बच्ची

KHUNTI : तपकारा थाना क्षेत्र में कई दिनों से लापता एक विक्षिप्त बच्ची शनिवार को घर लौट आई। वह शुक्रवार की रात लगभग डेढ़ बजे तपकारा आनंदपुर रोड में भटक रही थी। झामुमो के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी और समाजसेवी सुदीप गुड़िया ने तपकारा थाना प्रभारी विक्रांत कुमार को इसकी जानकारी दी। थाना प्रभारी आज महिला पुलिसकर्मियों के साथ बच्ची को लेकर को सोनपुरपुर गढ़ पहुंची और उसके परिवार को सौंप दिया।

मवेशी लदा पांच पिकअप को पुलिस ने किया जब्त

SIMDEGA : कोलेबिरा थाना पुलिस ने मवेशी लदे 5 पिकअप वाहनों को जब्त किया है। सभी पिकअप वाहन ओड़िशा से सिमडेगा-रांची के रास्ते बिहार जा रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया और पांच पिकअप वाहन को जब्त कर लिया। सभी को बरवाडीह के समीप पकड़ा गया है। वाहनों में भैंस लदी हुई थी।

मालगाड़ी की चपेट में आयी महिला, एमएमसीएच में भर्ती

महिला का दाहिना हाथ कटकर हुआ अलग, पत्तल बनाकर करती थी गुजारा

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू प्रमंडल के बरवाडीह रेलवे स्टेशन के बाबा चौक से सटे आइओडब्लू ऑफिस के पास शनिवार को मालगाड़ी की चपेट में आने से एक महिला का दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया। घटना के बाद मौके पर ड्यूटी कर रहे रेलकर्मी इनायत करीम और रेलवे के आउटसोर्सिंग कर्मी ने मानवता का परिचय देते हुए मोटरसाइकिल से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर भर्ती कराया, जहां प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ जुबेर अहमद द्वारा स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ महिला का प्राथमिक उपचार किया गया। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए डालटनगंज एमएमसीएच रेफर कर दिया गया।

अस्पताल में इलाजरत महिला। ● फोटोन न्यूज

महिला की पहचान मोरवाई सैदुप की वर्जीनिया भेंगरा के रूप में हुई। महिला मूल रूप सें चंदवा की रहने वाली है और सैदुप में रहकर अपनी बहन के घर पत्तल दोना बनाकर बेचती थी। शनिवार को भी अपनी बहन के साथ पत्तल दोना लेकर रेलवे स्टेशन पर बेचने जा रही थी। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान हादसे का शिकार हो गयी।

घटना की सूचना के बाद स्टेशन प्रबंधक अनिल कुमार द्विवेदी ने घायल महिला का हाल-चाल जानने के साथ-साथ चिकित्सकों से उसकी स्थिति की जानकारी ली।

इधर, पहड़तल्ली के युवा समाजसेवी ने घायल महिला के उपचार में आर्थिक मदद की। फिलहाल महिला खतरे से बाहर बताई जा रही है और उसका इलाज डालटनगंज के एमएमसीएच में चल रहा है।

दो सड़क हादसों में दो की मौत, तीन घायल

GIRIDIH : जिले में शनिवार को अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य घायल हो गये। पहली घटना बगोदर थाना क्षेत्र के बगोदर सरिया रोड स्थित अंबाडीह मोड़ के पास हुई। यहां गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी, जिसमें कार सवार मजलाडीह निवासी युवक की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य लोग बुरी तरह से घायल हो गये। सभी को बगोदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। दूसरी घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत सिहोडीह के पास घटी। अज्ञात ट्रक ने स्थानीय न्यूज चैनल के रिपोर्टर मनोज कुमार राम के पिता सरयू राम को रौंद दिया, जिससे उनकी मौत हो गयी। सरयू राम शनिवार को सिहोडीह में दुकान खोलने जा रहे थे। इस दौरान दुर्घटना के शिकार हो गये आनन-फानन में उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

डीएवी में अंतर सदन खेल प्रतियोगिता का आयोजन

PHOTON NEWS LATEHAR : शहर के भोला शरण डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अंतर सदन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौके पर प्रभारी प्राचार्य प्रभात रंजन, सीसीए इंचार्ज सूरज कुमार मिश्रा, इवेंट मैनेजर राकेश रंजन तिवारी, अरुण कुमार पांडेय, विभिन्न खेलों के इवेंट कॉर्डिनेटर रवि प्रकाश तिवारी, बसंत कुमार, शकुंतला पाल, सुशील कुमार दुबे, रूक्मणि, आसिफ और कुंदन मौजूद रहे। प्राचार्य प्रभात रंजन ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल से हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहते हैं। यह हमारे अंदर नयी उर्जा व स्फूर्ति का संचार करता है। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में एक्टिविटी गेम डोमिनोज, अक्षर चयन, तुकबंदी, ब्रेन स्टॉर्मिंग, क्यूरियस कॉर्नर व फन विद पिक्चर जैसे कई मनोरंजक प्रतियोगिता करायी गयी। कक्षा तीन से ऊपर के बच्चों के लिए बैडमिंटन, कबड्डी, क्रिकेट, एथलेटिक्स, फुटबॉल, शतरंज व लूडो जैसे खेलों का आयोजन किया गया।

बच्चों ने दीपावली व छठ पर्व के थीम पर हाउस बोर्ड डिस्प्ले किया। क्रिकेट मैच में कक्षा सात की टीम विजयी रही। मैन ऑफ द मैच गगन भारद्वाज को आंका गया। बैडमिंटन में जूनियर वर्ग में साक्षी व आयुषी कुमारी, सीनियर वर्ग में तान्या कुमारी और कीर्ति कुमारी, छात्र जूनियर वर्ग में श्रेष्ठ कुमार व अरनव पांडेय और सीनियर वर्ग में दानिश व शौर्य ने खिताब जीता। दीया मेकिंग एंड डेकोरेशन प्रतियोगिता में रवि और समूह, सोनाक्षी और समूह, राजनंदनी और समूह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीता।

पलामू में अवैध माइनिंग एरिया में ड्रोन से होगी निगरानी : उपायुक्त

PHOTON NEWS PALAMU : उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में शनिवार को जिला खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक हुई। इसमें टास्क फोर्स के कुछ सदस्य एनआईसी के सभागार से जुड़े जबकि उपायुक्त ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। बैठक में अवैध माइनिंग को शून्य करने की दिशा में उपायुक्त ने बड़ा निर्णय लेते हुए तीनों एसडीओ को उनके क्षेत्र अंतर्गत खनन बहुल एरिया में ड्रोन से निगरानी करने को लेकर निर्देशित किया।

बैठक में ऑनलाईन जुड़े उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि जिले से सभी को ड्रोन ससमय उपलब्ध करा दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी अंचलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि वैध माइनिंग भी तय एरिया में ही किया जाये। उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार को अनुमंडल पदाधिकारी, वन प्रमंडल पदाधिकारी, सीओ व थाना प्रभारी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अवैध खनिज परिवहन में लिप्त वाहन एवं उनके मालिकों पर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही थाना प्रभारी को अवैध खनन और भंडारण के मामलों में प्राथमिक दर्ज करने की बात कही। इस मौके पर खनन टास्क फोर्स से जुड़े सदस्य उपस्थित थे।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की हुई समीक्षा बैठक

अनुपस्थित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी बीएलओ, पर्यवेक्षकों का वेतन रोकने का निर्देश

PHOTON NEWS PALAMU : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने शनिवार को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी बीएलओ सुपरवाईजर एवं सभी कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ बैठक की। बैठक में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत अबतक किये गये कार्यों की समीक्षा की।

सर्वप्रथम उन्होंने बिना अनुमति के बैठक में अनुपस्थित रहे सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिये। साथ ही इस विषय पर निर्वाचन विभाग से पत्राचार करने की भी बात कही। वहीं बीएलओ पर्यवेक्षक जो बिना सूचना के बैठक में अनुपस्थित थे, उनको निलंबित करने की बात कही।

बैठक में शामिल उपायुक्त शशि रंजन व अन्य पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने विशेष कैंप के दौरान कौन-कौन सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी बूथ पर गये इसकी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने बीएलओ पर्यवेक्षकों से उनके द्वारा उनके किस बूथ पर कितना प्रपत्र 6 का कलेक्शन हुआ है, इसकी विस्तारपूर्वक जानकारी ली। उन्होंने सभी से कहा कि निर्वाचन बेहद ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है जिसमें सबसे अहम हेल्थी रोल का है। ऐसे में इस कार्य में शिथिलता बरतने वाले पर्यवेक्षकों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2024 के आधार पर सभी योग्य युवक-युवतियों का का वोटर कार्ड बनाया जाना है। इसे हर हाल में पूर्ण करें। उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को बीएलओ सुपरवाईजर व बीएलओ के साथ समय-समय पर बैठक करने हेतु निर्देशित किया।

राज्य में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम में पश्चिमी सिंहभूम जिला नंबर वन

- एएमबी सूचकांक में 82.0 अंक के साथ लगातार दूसरी बार रहा शीर्ष स्थान पर
- 24 जिलों में पूर्वी सिंहभूम का 12वां व सरायकेला-खरसावां का आया 16वां स्थान

PHOTON NEWS CHAIBASA : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा यूनिसेफ की पहल पर एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिले को राज्य के 24 जिलों की सूची में पहला स्थान मिला है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस संबंध में हाल ही में जारी सूची के स्कोर कार्ड में पश्चिमी सिंहभूम जिले को 82.0 अंक के साथ एनीमिया मुक्त भारत सूचकांक में शीर्ष स्थान पर रखा गया है। इस सूची में दूसरे नंबर पर गोड्डा व तीसरे नंबर पर सिमडेगा है। इस सूची में रांची पांचवें, पूर्वी सिंहभूम 12वें और सरायकेला-खरसावां 16वें स्थान पर है।जिले के सिविल सर्जन डा. साहिर पाल ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत सूचकांक में हमारा जिला लगातार दूसरी बार पहले स्थान पर आया है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि कुपोषण व एनीमिया के खिलाफ जिले में शुरू किये गये समर नामक एक हजार दिन के विशेष अभियान का फायदा हमें मिल रहा है। इसके तहत डोर टू डोर सर्वे कर कुपोषित एवं एनीमिया से पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों का चिह्नितकरण उन्हें उचित पोषण एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें हमारी आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहियाओं के साथ-साथ प्रशासन अहम भूमिका निभा रहा है। यह लोग गांव-गांव जाकर लगातार सर्वे कर एनीमिया व कुपोषण से ग्रसित महिलाओं व बच्चों की पहचान कर रही हैं। वहीं, विभाग स्वास्थ्य सूचकांक में इसकी लगातार मानिटरिंग कर रहा है। यही वजह है कि लगातार दूसरी बार एनीमिया मुक्त भारत के सभी इंडीकेटर में जिले का प्रदर्शन सरकार की सोची समझी साजिश है। भू-दस्तावेजों के ऑनलाइन होने से जमींदारी उन्मूलन के दायरे की जमीन पर उनके वंशजों द्वारा दावा किया जा रहा है और ग्रामीणों पर दबाव बनाया जा रहा है।

बाल विवाह मुक्त अभियान कार्यक्रम का आयोजन

बाल विवाह बड़ी समस्या, सभी को एकजुट होकर निकालना होगा समाधान : दिनेश कुमार

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी प्रखंड के मारंगहादा स्थित उच्च विद्यालय में प्रधानाचार्या नमिता नाग की अध्यक्षता में शनिवार को झारखंड महिला उत्थान एवं कैलाश सत्यार्थी चाइल्ड फाउंडेशन के सहयोग बाल विवाह मुक्त अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्ति से संबंधित शपथ दिलाई गयी।

शपथ लेते स्कुल के छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम के दौरान झारखंड महिला उत्थान के जिला समन्वयक दिनेश कुमार ने कहा कि बाल विवाह हमारे समाज की बहुत बडी समस्या है। हम सभी को एकजुट होकर इस समस्या का समाधान निकालना होगा। हम सभी का दायित्व है कि हमारे गांव व समाज में किसी भी लडकी की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में न हो। साथ ही किसी भी गांव की लडकी के साथ यौन शोषण न हो। हमें मिलकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना है।

दीपावली के अवसर पर मासूमों ने बिखेरी अनूठी छटा

PHOTON NEWS KODERMA : नन्हें मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है, मुट्ठी में है तकदीर हमारी। गीत की धुन पर फुदकते-थिरकते बच्चों ने समां बांध दिया। क्लोरोफिल स्कूल के परिसर में दीपावली के अवसर पर मासूमों ने अनूठी छटा बिखेरी। साथ ही अलग अलग क्लास में बच्चों के बीच प्रतियोगिता कराई गई। दीया मेकिंग, गणेश-प्रतिमा प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता और संस्कृत में श्लोक वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता पाठ में प्रथम स्थान पर अन्या शैरोन मिंज, द्वितीय स्थान पर श्रेया कुमारी जबकि तृतीय स्थान पर दो बच्चे रुचिका वर्मा और तोशानी आनंद रहीं। वहीं दीया मेकिंग में पहले स्थान पर आध्या सिंह, द्वितीय स्थान पर आरवी और तृतीय स्थान पर आयत और आयशा रही। गणेश-प्रतिमा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आशी छावड़ा, द्वितीय स्थान पर अंशिका, जबकि तृतीय स्थान पर भैरवी और ऋतिक शर्मा रहे। वहीं संस्कृत श्लोक वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अनुष्का और ऐश्वर्या रही, द्वितीय स्थान पर प्रणीका और अदिति आर्या रही। तृतीय स्थान पर सर्वज्ञ जैन और सम्राट सिंह रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पंकज सहाय, नूतन, रूपम, सुलगना, नफीसा, आंचल, दिव्या, अलका, युक्ति, कृति, रिया और विकास की भूमिका अहम रही। मौके पर प्राचार्य कंचन अग्रवाल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुदरत ने बच्चों को कमाल की जन्मजात प्रतिभा दी है।

डीटीओ ऑफिस बना रिश्वतखोरी का अड्डा : भाकपा माले

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह डीटीओ ऑफिस में व्याप्त मनमानी और रिश्वतखोरी के खिलाफ भाकपा माले ने जिले के डीसी को एक आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले को लेकर पार्टी नेता सह अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव तथा राजेश सिन्हा की अगुवाई में एक टीम रविवार को डीसी से मिलने समाहरणालय पहुंची। मुलाकात नहीं होने पर डीसी के नाम लिखा आवेदन एसी विल्सन भेंगरा के हाथों सौंपकर उन्हें सारी वस्तुस्थिति से अवगत कराया। श्री भेंगरा ने आवेदन में उठाए गए बिंदुओं को काफी गंभीर बताते हुए इससे डीसी को अवगत कराने और कार्रवाई कराने का भरोसा दिया।

आवेदन सुपुर्द करने के बाद माले नेताओं ने कहा कि एक साधारण आदमी को इस समय डीटीओ ऑफिस में मामूली ड्राइविंग लाइसेंस बनाने में 10 हजार से भी अधिक खर्च करने पड़ रहे हैं, जिसमें रिश्वत के नाम पर ली जा रही बड़ी रकम शामिल है। यही नहीं, फिटनेस, ट्रांसफर के नाम पर भी मनमानी वसूली हो रही है। कहा कि यह इस जिले के लोगों के साथ अन्याय है। एक तरफ जब लाइसेंस तथा दूसरे परिवहन कागजातों की जांच तेज है और लोग इसे दुरुस्त करवाना चाहते हैं, तो दूसरी तरफ कागजात बनाने के नाम पर डीटीओ ऑफिस का यह हाल है। आरोप लगाया कि डीटीओ ऑफिस में वर्षों से जमे कर्मी तथा उनके लिए वसूली करने वाले ऑफिस से बाहर के भी कुछ लोग इस तरह का माहौल बना कर रखे हैं। इन्हें वहां से हटाना जरूरी है। यह भी कहा कि मौजूदा स्थिति बर्दाश्त से बाहर है।

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की 115वीं वर्षगांठ पर शताब्दी शिलालेख का दिरी-चपी अनुष्ठान सम्पन्न

जमीन लूट में सरकार का मौन समर्थन : अलेस्टेयर बोदरा

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड उलगुलान संघ के तत्वावधान में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की 115वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को कचहरी मैदान में स्थापित शताब्दी शिलालेख का पारम्परिक ढंग से दिरी-चपी अनुष्ठान विभिन्न गांव के पाहनों द्वारा संयुक्त रूप सम्पन्न किया गया। बाद मे वीर शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर ग्राम मुंडाओं की अगुवाई में माल्यार्पण किया गया और पड़हा राजा, ग्राम मुंडाओं और पाहनों की अगुवाई में सैकड़ों ग्रामीण पैदल मार्च करते हुए समाहरणालय के समक्ष पहुंचे और धरने पर बैठ गए।

सभा को संबोधित करते अलेस्टेयर बोदरा। ● फोटोन न्यूज

धरने को संबोधित करते हुए संयोजक अलेस्टेयर बोदरा ने कहा कि झारखण्ड राज्य गठन के बाद से जमीन की लूट में जबरदस्त वृध्दि हुई है और इस लूट को सरकार का भी मौन समर्थन मिला हुआ है। यही कारण है कि आज तक पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बनाई गई आदिवासी-मूलवासी विरोधी भूमि बैंक नीति को अब तक रद्द नहीं किया गया है। पिछले झारखंड विधान सभा चुनाव के समय झामुमो ने वादा किया था कि अगर हमारी सरकार बनती है तो भूमि बैंक नीति को रद्द किया जाएगा, लेकिन आज तक भूमि बैंक नीति को रद्द नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, भू-दस्तावेजों के ऑनलाइन में त्रुटि के पीछे भी

हमें अपनी परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देना है : काशीनाथ महतो

KHUNTI : मुरहू प्रखंड के ग्राम राजा कुंजला में बेदया पाहन की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रामीणों की हुई बैठक में रविवार को दीपावली और सोमवार को सोहराई पूजा के शांतिपूर्ण का आयोजन का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम अध्यक्ष काशीनाथ महतो ने कहा कि दिवाली और सोहराई हमारी सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि राजा कुंजला के सभी समुदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ मिलजुल कर मनाते आये हैं और आगे भी यह परंपरा को जारी रखना है।

● फोटोन न्यूज

लोहरदगा रोजगार मेले में 76 प्रतिभागियों का चयन

LOHARDAGA : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग ने एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन जिला नियोजन लोहरदगा के परिसर में किया। इसमें मुख्य रूप से 12 कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कुल 183 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया, जिसमें 103 लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया एवं 76 लोगों का अंतिम रूप से चयन हुआ। कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी, लोहरदगा, महिला आईटीआई, लोहरदगा के प्राचार्य, आईटीआई कुजरा के प्राचार्य एवं एवं आईटीआई के इंस्ट्रक्टर यंग प्रोफेशनल श्रम मंत्रालय प्रवीर कुमार गोप,परियोजना सहायक अखिल केरकेट्टा, रमित मिंज, लोअर डिवीजन क्लर्क तथा विभाग एवम प्रशिक्षण केंद्रों के लोग शामिल हुए।

हंगामे के बीच कांके के गागी मुख्य सड़क का शिलान्यास

PHOTON NEWS RANCHI : ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार की और से कांके प्रखंड के रिंग रोड स्थित सीटू प्रिंटर से राजकीय मध्य विद्यालय गागी तक, 2.500 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण 2 करोड़ 1 लाख 16 हजार 6 सौ रुपये की लागत से किया जाना है। इसे लेकर शनिवार को शिलान्यास का कार्यक्रम रखा गया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान राँची सांसद संजय सेठ और कांके विधायक समरीलाल की मौजूदगी में जीप सदस्य हिना परवीन , गागी पंचायत की मुखिया फूलमनी देवी, पंचायत सामिति सदस्य लीलावती देवी, पूनम देवी ने शिलापट्ट पर नाम नही होने पर शिलान्यास कार्यक्रम का विरोध करते हुवे

हंगामा शुरू कर दी। मौके पर जनप्रतिनिधियों द्वारा विरोध करने पर कुछ समय के लिए शिलान्यास कार्यक्रम रुक गया। इस दौरान कांके विधायक समरी लाल के हस्तक्षेप के बाद जनप्रतिनिधियों को समझा बूझकर मामले को शांत कराया गया, इसके बाद शिलान्यास किया गया। मौके पर विरोध कर रहे जिला परिषद सदस्य हिना परवीन, मुखिया फूलमानी नाग, पंचायत समिति सदस्य लीलावती देवी और पूनम देवी ने कहा कि यह जनप्रतिनिधियों का अपमान किया है।

हमारा दीया

दीपावली का पांच दिवसीय त्योहार जब भी आता है, परिवेश में स्वाभाविक ही उत्सवों का उल्लास झलकने लगता है। जब यह दीपोत्सव अंधेरों के खिलाफ लड़ने का समय है, तब स्वाभाविक ही अपने आसपास के अंधेरों की हमें समीक्षा करनी चाहिए। साल 2023 की दीपावली के समय हम देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया में कैसा भयंकर युद्ध चल रहा है। इस युद्ध में निर्दोष भी मारे जा रहे हैं और अस्पतालों को भी निशाना बनाया जा रहा है। पिछले साल से चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध भी थमने का नाम नहीं ले रहा, जिसका व्यापक असर दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ चुका है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ऊर्जा संकट के साथ ही खाद्यान्न का संकट भी महसूस हुआ था और पश्चिम एशिया में युद्ध का दायरा फैला, तो कच्चे तेल व ऊर्जा के क्षेत्र को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इस दीपावली मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आर्थिक मंदी से जूझती दुनिया में आखिर इतने युद्ध क्यों लडे. जा रहे हैं? क्या युद्ध लड़ने से हमारे तन-मन-धन को कोई लाभ होता है? यह बहुत दुखद है कि जब कहीं युद्ध छिड़ता है, तो हम किसी न किसी लड़ने वाले के पक्ष में खड़े हो जाते हैं? क्या मेरा दीया-तेरा दीया की गलाकाट होड़ में हमारा दीया कहीं बुझने तो नहीं लगा है? दुनिया में अनेक महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता से यह उम्मीद की थी कि हममें से कोई दीया हो जाएगा, कोई बाती, तो कोई तेल और कोई अग्नि या प्रकाश की रक्षा के लिए समर्पित हो जाएगा, तब मानवता का दीया हमेशा रोशन रहेगा। दुनिया के अनेक देशों में ऐसा हुआ भी है, पर दुर्भाग्य है, हाल-फिलहाल लगभग 40 ऐसे देश हैं, जहां किसी न किसी प्रकार की अशांति व्याप्त है। दुनिया के 32 देशों में खूनी संघर्ष की स्थिति है। तीन से ज्यादा जगहों पर देशों के बीच युद्ध जारी है। लगभग 18 देशों में किसी न किसी प्रकार का उग्रवाद या आतंकवाद हावी है। दुनिया में नाना प्रकार की हिंसा की वजह से प्रतिवर्ष पांच लाख के करीब लोग मारे जाते हैं। यह तो और भी दुखद पक्ष है कि गरीब देशों में ज्यादा हिंसा हो रही है, विकसित देशों में अपेक्षाकृत शांति है। ऐसे में, सवाल पैदा होता है कि विकासशील देशों में युद्धों या संघर्षों को रोकने के बारे में विकसित या अमीर देशों की क्या सोच है? क्या ताकतवर देशों को केवल अपने दीये की चिंता है? पिछले दो साल की यह बहुत दुखद त्रासदी है कि दुनिया के वीटो पावर प्राप्त देश ही दो खेमों में बंट गए हैं, जिसके चलते हजारों मासूमों का खून बह रहा है। भारत की अगर बात करें, तो हमारी बढ़ती चमक पर आतंकवादी, उग्रवादी के साथ ही माओवादी भी खतरा बने हुए हैं। खासकर इस साल मणिपुर में कुकी और मैतेई समाज ने देश के सामने जो चुनौती खड़ी की है, उसके समाधान की प्रार्थना हमें इस दिवाली पर जरूर करनी चाहिए। सच्ची दिवाली का मतलब है सद्भाव से ओत-प्रोत दिवाली। यह देश के कोने-कोने में मनाई जानी चाहिए। जाति-धर्म के पैमानों से ऊपर उठकर भारतीय समाज के तन-मन-धन को और बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। हम सवा अरब से ज्यादा भारतीयों को अपनी पूरी ऊर्जा अपने देश के उत्थान को तेज करने में लगानी चाहिए और ऐसा तभी होगा, जब हम परस्पर संघर्ष व लड़ाइयों से बचेंगे। हम सबके सहज समन्वय से जब हमारा दीया जलने लगेगा, तब हम दुनिया को अपनी दीपावली का सच्चा संदेश दे सकेंगे।

खत्म होने का नाम नहीं

शैक्षिक परिसरों में रैगिंग पर रोक लगाने वाले विभिन्न कानून और नियम जूनियर छात्रों पर उनके परपीड़क सीनियर सहपाठियों द्वारा किए जाने वाले अमानवीय अत्याचारों को खत्म करने में विफल रहे हैं। पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में रैगिंग की वजह से हुई 17 वर्षीय लड़के की मौत के लगभग तीन महीने बाद, तमिलनाडु के पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के दूसरे वर्ष के एक स्नातक छात्र को उसके वरिष्ठ सहपाठियों द्वारा किए जाने वाले जबरन आर्थिक वसूली से मना करने पर क्रूर शारीरिक और मानसिक यातनाओं का शिकार होना पड़ा है। ये दोनों ही राज्य रैगिंग पर प्रतिबंध लगाने का कानून बनाने वाले शुरूआती राज्यों में शुमार थे। क्रूरता के रोंगटे खड़े कर देने वाले मामलों और यहां तक ??कि रैगिंग के पीड़ितों की हत्या की घटनाओं से नागरिक समाज के वाकिफ रहने के बावजूद छात्रों को ऐसे दर्दनाक अनुभवों से गुजरना पड़ता है। यह व्यवस्था में मौजूद उन खामियों को उजागर करता है जो एक ऐसे दुष्चक्र की इजाजत देते हैं, जिसमें एक साल रैगिंग से पीड़ित रहने वाले छात्र अगले साल उसी कृत्य के अपराधी बन जाते हैं। वरिष्ठ छात्रों की अधीनता सुनिश्चित करने के लिए नए छात्रों को धमकाने और परेशान करने से लेकर रैगिंग की हरकतों ने विकृत और क्रूर रूप ले लिया है। इन विकृत हरकतों में यौन शोषण भी शामिल है, जिसका मकसद पीड़ितों को अमानवीय तकलीफ का शिकार बनाना है। अनुशासनहीनता का एक कृत्य आगे बढ़कर एक ऐसी हरकत में तब्दील हो गया है जिसमें आपराधिकता के तत्व शामिल हैं। हालांकि पहले के उलट, अब शैक्षिक परिसरों में रैगिंग नहीं दी जाती है। लेकिन जैसा कि ऊपर के मामलों में देखा गया है, उससे यह साफ है कि इसके पीड़ित सिर्फ नए छात्र नहीं हैं और उत्पीड़न नए शैक्षणिक वर्ष के शुरूआती महीनों से भी आगे तक जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त आर.के. राघवन समिति ने 2007 की अपनी रिपोर्ट, शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग का खतरा और इसे रोकने के उपाय में इसके पीछे की वजहों को दर्ज किया था और कार्रवाई करने लायक उपाय सुझाए थे। इस समिति ने रैगिंग को मनोरोग से ग्रसित व्यवहार और विकृत व्यक्तित्वों के प्रतिबिंब के रूप में वगीर्कृत किया है। वर्ष 1999 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की एक समिति ने रैगिंग को रोकने के लिए निषेध, रोकथाम और दंड के नजरिए की सिफारिश की थी।

Social Media Corner

सच के हक में...

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, आपने घोटाला पर घोटाला और घोटाले से बचने के लिये भी घोटाला करवाने के लिये साहिबगंज ज़िले की क्या हालत बना कर रख दी है? सुना है साहिबगंज डीसी बदलने के लिये आपको ह्लमन मुताबिकह्व काम करने के लिये कोई अफसर मिल ही नहीं रहा और अब तो शायद और नहीं मिलेगा। आपके करनी की सजा अफसरों के भुगतने का यही हाल जारी रहा तो साहिबगंज ज़िले में जाने का नाम सुनकर कुछ अफसरों का गला सूखने लगेगा।

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

आज जीवन धन्य हो गया है। मन आह्लादित है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सम्मानित पदाधिकारी स्वामी गोविन्ददेव गिरि जी महाराज, श्री चम्पत राय जी एवं श्री राजेंद्र पंकज जी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्री रामलला सरकार के नूतन बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम हेतु मुझे आमंत्रित किया है।

(सीएम योगी आदित्यनाथ के ट्विटर अकाउंट से)

देश के पहले शिक्षा मंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद जी की जयंती पर शत-शत नमन। आज राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

दीपावली विशेष : आलोकित सजीव भारत हो !

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

न्याय की प्रक्रिया नितांत उलझाऊ, बेहद खचीर्ली और आम आदमी के शोषण का जरिया बन चुकी है। इस विलक्षण न्याय प्रणाली में व्यवस्था किसी तरह के दायित्व से मुक्त है और उसमें छिद्र इतने हैं कि रसूख वाले और समर्थ कानून की गिरफ्त में आते ही नहीं हैं। यही हाल कमोबेश शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी रहा। स्वतंत्र भारत की स्वतंत्रता अंग्रेजी नियमों कानूनों के गिरवी रखी रही और अब जा कर उसमें सार्थक संशोधन की शुरूआत हो सकी है। ऐसे ही शिक्षा में भी व्यापक सुधार, सामाजिक सुरक्षा और भेद-भाव को दूर करने में भी हमारी प्रगति धीमी रही है। बिडम्बना यह रही कि लगभग दो सौ साल के राज में अंग्रेजों के प्रयास से जो मानसिकता स्थापित हुई उसने हमारी सोच को ही बदल दिया। स्थिति यह है कि आज हममें से बहुतों को उस सोच का देशज विकल्प ले आना यदि व्यर्थ नहीं तो अस्वाभाविक, अप्रासंगिक और अकल्पनीय सा प्रतीत होता है। भारत और भारतीयता के प्रति हममें से कइयों ने औपनिवेशिक दृष्टि को अपना लिया है क्योंकि साम्राज्यवादियों को और उनकी मानसिकता को अपना आदर्श मान अंगीकार कर लिया। वे ही हमारे मानक बन बैठे जिनके साथ तुलना कर के और जुड़ कर हम लोग स्वयं को धन्य मानने लगे।

इतिहास गवाह है कि अंधकार के साथ मनुष्य का संघर्ष लगातार चलता चला आ रहा है। उसकी अदम्य जिजीविषा के आगे अंधकार को अंततः हारना ही पड़ता है। वस्तुतः सभ्यता और संस्कृति के विकास की गाथा अंधकार के विरुद्ध संघर्ष का ही इतिहास है। मनुष्य जब एक सचेत तथा विवेकशील प्राणी के रूप में जागता है तो अंधकार की चुनौती स्वीकार करने पर पीछे नहीं हटता। उसके प्रहार से अंधकार नष्ट हो जाता है। संस्कृति के स्तर पर अंधकार से लड़ने और उसके प्रतिकार की शक्ति को जुटाते हुए मनुष्य स्वयं को ही दीप बनाता है। उसका रूपांतरण होता है। आत्म-शक्ति का यह दीप उन सभी अवरोधों को दूर भगाता है जो व्यक्ति और उसके समुदाय को उसके लक्ष्यों से विचलित करते हैं या भटकाते हैं। सच कहें तो मनुष्य की जड़ता और अज्ञानता मन के भीतर पैठे अंधकार के ऐसे प्रतिरूप हैं जो खुद उसकी अपनी पहचान को आच्छादित किए रहते हैं। वे हमारे नैसर्गिक स्वभाव को विकृत कर किसी दूसरे पराए रूप को अंगीकार करने के लिए उद्यत करते हैं। इस प्रसंग में उल्लेखनीय है कि सभ्यता के स्तर पर औपनिवेशिक काल में भारत को एक ऐसे पराये सांचे में ढाला गया जो उसकी सांस्कृतिक आत्म-विस्मृति का कारण बना। वेश-भूषा, सोचने-समझने के तौर तरीके, ज्ञान के स्वरूप, आचार-विचार के मानक और मूल्य-बोध आदि सभी क्षेत्रों में इस दौरान भारी उलटफेर हुआ। यह तथ्यों से भलीभांति प्रमाणित है कि उसके पीछे अंग्रेजों के निजी स्वार्थ काम कर रहे थे और योजनाबद्ध ढंग से उन्होंने भारत के आर्थिक संसाधनों का घोर शोषण और दोहन किया। पर अपने प्रभाव को दूरगामी बनाने के उपकरण के तौर पर शिक्षा, कानून और प्रशासन का जाल एक मजबूत सांचे में ढाला। इस तरह व्यवस्था के जिस शिकंजे में उन्होंने हमें जकड़ा उसे उपकार कहते हुए लाद दिया और उसका भार ढोते रहने की विपत्ति कुछ इस तरह सिर पर आ पड़ी कि देश अभी तक उबर नहीं सका है। अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही हमारी न्याय व्यवस्था इस शिकंजे का एक ज्वलंत उदाहरण है। आज वह स्वयं भ्रष्टाचार, अपराध और अन्याय से घिर रही है। देश में करोड़ों मुकदमे चल रहे हैं जिनमें फर्जी मुकदमे भी हैं और न्याय में विलम्ब की कोई सीमा ही नहीं है। न्याय की प्रक्रिया नितांत उलझाऊ, बेहद खचीर्ली और आम आदमी के शोषण का जरिया बन चुकी है। इस विलक्षण न्याय प्रणाली में व्यवस्था किसी तरह के दायित्व से मुक्त है और उसमें छिद्र इतने हैं कि रसूख वाले और समर्थ कानून की गिरफ्त में आते ही नहीं हैं। यही हाल कमोबेश शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी रहा। स्वतंत्र भारत की स्वतंत्रता अंग्रेजी नियमों कानूनों के गिरवी रखी रही और अब जा कर उसमें सार्थक संशोधन की शुरूआत हो सकी है। ऐसे ही शिक्षा में भी व्यापक सुधार, सामाजिक सुरक्षा और भेद-भाव को दूर करने में भी हमारी प्रगति धीमी रही है। बिडम्बना यह रही कि लगभग दो सौ साल के राज में अंग्रेजों के प्रयास से जो मानसिकता स्थापित हुई उसने हमारी सोच को ही बदल दिया। स्थिति यह है कि आज हममें से बहुतों को उस सोच का देशज विकल्प ले आना यदि व्यर्थ नहीं तो अस्वाभाविक, अप्रासंगिक और अकल्पनीय सा प्रतीत होता है। भारत और भारतीयता के प्रति हममें से कइयों ने औपनिवेशिक दृष्टि को अपना लिया है क्योंकि साम्राज्यवादियों को और उनकी मानसिकता को अपना आदर्श मान अंगीकार कर लिया। वे ही हमारे मानक बन बैठे जिनके साथ तुलना कर के और जुड़ कर हम लोग स्वयं को धन्य मानने लगे। उन्हीं जैसा बनना ही हमारा लक्ष्य हो गया। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में पश्चिम से हमारी उधारी बढ़ती ही गई। ज्ञान-सृजन के नाम पर दुहराव और पृष्ठपेषण के साथ नकल की प्रवृत्ति ने शिक्षा की संस्कृति को ध्वस्त कर दिया और आत्म विश्वास जाता रहा। ज्ञान से मुक्ति और प्रकाश की जगह बंधन और संशय के अंधकार ने डेरा जमा लिया। पश्चिमी ज्ञान के वर्चस्व और अपने ज्ञान के साथ अपरिचय और वितृष्णा के चलते आधुनिक व्यक्ति केंद्रित दृष्टि में अहंकार की तुष्टि ही केन्द्रीय होती गई और 'मैं' सबसे पहले, 'मैं' औरों से अच्छा का भाव प्रमुख होता गया। समाज के पढ़े लिखे वर्ग में आत्म-बोध निरन्तर सिकुड़ता गया और करुणा, दया, सहिष्णुता, आदर, नैतिक दायित्व, आदर आदि मूल्य पृष्ठभूमि में जाने लगे। आम आदमी के जीवन में और लोक के परिसर में अभी भी इन मूल्यों की उपस्थिति दिखाती है और उत्सवों और त्योहारों में विशेष रूप से अभिव्यक्त होती है। तब व्यक्ति उन्मुक्त होता है और सहकार-सहयोग का आवाहन करता है। दीपावली का उत्सव अंधकार के विरुद्ध मनुष्य की अदम्य आकांक्षा का उद्घोष है। अंधकार कैसा भी हो और कितना भी घना क्यों न हो प्रकाश की किरण के आते ही उसके आगे ठहर नहीं पाता है। कार्तिक महीने में दीपावली का अवसर अपनी शक्ति और ऊर्जा का संचय कर अंधकार के विरुद्ध मुहिम जैसा लगता है। कालचक्र की गति कुछ ऐसी हो रही है कि आज हमारे जीवन में अंधकार कई रूपों में प्रवेश कर रहा है। असत्य, अविश्वास, कपट और छल इतने भिन्न-भिन्न रूपों में उभर रहा है कि आपसी भरोसा टूट रहा है और कलह बढ़ रहा है। ऐसे में यदि जन-समाज में असुरक्षा और भय का भाव बढ़े तो आश्चर्य नहीं। ऐसी घटनाओं से लोगों में घबड़ाहट और बेचैनी बढ़ने लगती है। आज व्यक्ति की भूमिका प्रबल और आपसी रिश्तों की उजास कमजोर पड़ रही है। 'मैं ही केंद्र में हूं' यह भाव मैंपन के विस्तार के लिए निरंतर गतिशील बनाता रहता है। दूसरे या अन्य का होना सिर्फ उनकी उपयोगिता रहने तक ही सीमित रहता है। इसके चलते रिश्तों की हमारी समृद्ध शब्दावली खोती जा रही है। व्यक्ति केंद्रिकता शोषण और हिंसा को भी जन्म देती है क्योंकि दूसरा खतरा पैदा करने वाला लगता है। आज भी समाज की सेवा और देश के उत्थान को समर्पित राजनीति की छवि लेकर आम आदमी जीता है क्योंकि स्वातंत्र्य आन्दोलन में राजनीति और राजनेताओं की पहचान जन-सेवा के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य के द्वारा होती रही है। अब राजनीतिक दलों के बीच जनता के लिए श्रद्धा और निष्ठा आम चुनाव की आहट के साथ तीव्र होती जाती है और वादों-प्रलोभनों की झड़ी लग जाती है। आगामी सरकार की कल्पना कल्प-वृक्ष की तरह परोसी जाती है और चाहतों की वर्षा की घोषणा होती है। सरकार बनते ही मुफ्त में सब कुछ लुटा देने की जादुई घोषणाओं के साथ राजनीतिक दल जनता को रिझाने की भरपूर कोशिश में लग जाते हैं। वे जाति, क्षेत्र, भाषा, धर्म आदि की अस्मिताओं को उभार कर वोट बटोरने में लग जाते हैं। जाति का सत्य आज भी देश में भेदभाव, हिंसा और शोषण का एक मुख्य आधार बना हुआ है यह जान कर भी जाति की पहचान को सुदृढ़ करने की तीव्र कोशिशें जारी है। वोट बटोरने की कोशिश में तरह-तरह के आरक्षण की व्यवस्था की घोषणाएं जारी हैं। योग्यता की अनदेखी करते हुए लाभों के वितरण की व्यवस्था कुंठा पैदा कर रही है। जातिगत व्यवस्था अटूट बनाए रखने के लिए पुरजोर कोशिश बरकरार है। मुफ्त अन्न, बिजली, और यात्रा टिकट ही नहीं नकद सहायता की पेशकश के साथ गली-गली में बार खोलने की गारंटी की योजनाओं से समाज का काया पलट करने की कवायद करते हुए वोट बटोरने की जुगत में राजनीतिक दल अपना भविष्य ढूंढ रहे हैं। वे सामने खड़ी जनता को याचक और खुद को दाता मान बैठते हैं। अकर्मण्य बनाने का मंत्र देते हुए ये नेता यह बात बिलकुल ही भूल जाते हैं कि वे जन-मानस में किस नकारात्मक मनोवृत्ति को विकसित कर रहे हैं। हमारी नीतियों में सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय का उद्देश्य होना चाहिए। सामाजिक समावेश और सशक्तीकरण देश के सर्वांगीण विकास को लाने वाला होना चाहिए। दीपावली सत्य, शील और धैर्य के प्रतीक श्रीराम के अभिनन्दन का पावन अवसर है। इस अवसर पर भ्रमों और हीनता की अंध ग्रंथि को भेद कर आत्मनिर्भर भारत की शक्ति को स्थापित करने के लिए सामाजिक जीवन में मानवीय मूल्यों को पुनराविष्कृत करना सभी देशवासियों का कर्तव्य है। अमृत उत्सव देश की शक्ति के स्मरण का अवसर बना और अनेक संकल्प लेकर देश की यात्रा आगे बढ़ी। आज की बनती बिगड़ती वैश्विक परिस्थितियों के बीच एक समर्थ राष्ट्र की आवश्यकता को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। हमें तामसिक अंधकार की जगह सात्विक प्रकाश के आतंरिक श्रोत ढूंढ़ने होंगे और कलह, असत्य और आचार की कमजोरियों से बचना होगा। इसके लिए साहस, दृढ़ता और समर्पण का आत्मदीप चाहिए जो हमारा पथ आलोकित कर सके।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

प्रकाश सनातन ज्योतिर्गमय की आकांक्षा

प्रकृति विराट है। अनंत आयामी है। बहुरूपवती है। यह सदा से है। प्रतिपल नए रूप में होती है। सभी रूप दर्शनीय हैं लेकिन इसकी श्रेष्ठतम अभिव्यक्ति प्रकाश है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार 'प्रकृति का समस्त सर्वोत्तम प्रकाश रूप है।' सूर्य प्रकृति का भाग हैं। वैदिक वांग्मय में देवता हैं। सहस्त्र आयामी प्रकाशदाता हैं। जहां जहां प्रकाश की सघनता वहां वहां दिव्यता। वैदिक पूर्वज प्रकृति में भरी पूरी प्रकाश ऊर्जा का केन्द्रक न्यूक्लियस जानना चाहते थे- पृच्छामि तवां भुवनस्य नामिः?। जिज्ञासा बड़ी है। कठोपनिषद्, मुण्डकोपनिषद् व श्वेताश्वतर उपनिषद् में उसी केन्द्र की बात कही गई है 'उस केन्द्र पर सूर्य प्रकाश नहीं। चन्द्र किरणों का भी नहीं। न विद्युत और न अग्नि लेकिन उसी एक ज्योति केन्द्र से यह सब प्रकाशित है।' अष्टावक्र ने राजा जनक को बताया कि वही एक ज्योति-ज्योर्तिएकं है। प्रकाश प्राचीन भारतीय दर्शन व विज्ञान की सनातन प्यास है। प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। अज्ञान अंधकार भी साथ साथ। वृहदारण्यक उपनिषद् के ऋषि ने प्रार्थना की 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, असतो मा सद्गमय' - हम अंधकार से प्रकाश व असत से सत की ओर चलें। गीता में अर्जुन ने विराट रूप देखा, बोला 'दिव्य सूर्य सहस्त्राणि-सहस्त्रों सूर्यों का प्रकाश देख रहा हूं।' इसके पहले ऋग्वेद (10.156.4) के ऋषि ने कहा 'जन-जन को प्रकाश से भरने के लिए ही अग्नि ने अमर सूर्य को आकाश में बैठाया है।' प्रकाश उपास्य है और भारत की सनातन ज्योतिर्गमय आकांक्षा है। इसी का सांस्कृतिक आयोजन दीपावली है। दीपावली निराला प्रकाश पर्व है। रात्रि प्रकाशहीनता है। चन्द्र का अपना प्रकाश नहीं। वे सूर्य से प्रकाशित हैं। वे रात्रि में प्रकाश देने का प्रयास करते दिखाई पड़ते हैं। घटते बढ़ते हुए। पूर्णिमा पूर्ण है। पूर्वजों ने प्रत्येक पूर्णिमा में उल्लासपूर्ण प्रकाश अनुभूति देखी। शरद पूर्णिमा उल्लासपूर्ण उत्सव हो गई। शरद पूर्णिमा के ठीक 15 दिन बाद पूर्ण अंधकार वाली कार्तिकी अमावस्या। तब अंधकार भी अंधकार में अदृश्य रहता है। पूर्वजों ने इसी अमावस्या को झमाझम प्रकाश पर्व बनाया। भारत का शाब्दिक अर्थ प्रकाशरत है। भा का अर्थ प्रकाश और रत का अर्थ संलग्नता। दीपपर्व का मुख्य आयोजन अमावस्या की रात्रि होता है। अनेक मान्यताएं हैं। पूर्वजों ने इसे मधुमय आयोजन बनाया है। श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे उनका स्वागत सहस्त्रों दीपों द्वारा हुआ था। 12 वर्ष के वनवास व एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी हुई। कुछ लोग इसे भी दीपपर्व से जोड़ते हैं। दीपपर्व का उल्लेख पद्म पुराण व स्कंध पुराण में भी है। कठोपनिषद् में यम और नचिकेता के मध्य संसारी धन संपदा व वास्तविक ज्ञान पर प्रश्नोत्तरों की स्मृति को भी दीपपर्व से जोड़ा जाता है। इतिहासकार अलबेरूनी ने भी दीपावली का उल्लेख किया है। दीपपर्व का प्रकाश आनंद अचानक नहीं खिला। भारतीय परंपरा में दीपपर्व की निरंतरता है। 7वीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में इसे 'दीपप्रति पादुत्सव' कहा गया है। 9वी शताब्दी में राजशेखर ने काव्य मीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है। इस पर्व की देवी श्रीलक्ष्मी हैं। कहा जाता है कि उन्होंने इसी रात पति रूप में विष्णु का वरण किया। लक्ष्मी और विष्णु का रूपक बड़ा प्यारा है। दोनो क्षीर सागर में सांप शैय्या पर हैं लेकिन शांत हैं। 'शान्ताकारं भुजग शयनं' आश्चर्यजनक है-सांप पर लेटना और शांत रहना। इसीलिए धन की देवी लक्ष्मी रिद्धि, सिद्धि, समृद्धि के विवेकाधीन कोष की स्वामी हैं। ऋग्वेद में समृद्धि भी देवी है। उनसे स्तुति है 'सामान्य धनी दोगुनी, तीन गुनी चार गुनी संपत्ति चाहते हैं। धन का निजी हित में प्रयोग करने वाले दण्डनीय हैं।' यहां धन के सामाजिक उपयोग पर जोर है। पश्चिमी अर्थशास्त्र में उद्यमी को ह्यसाहसीह्व कहा गया है और लाभ को साहस का पुरस्कार। 'शुभ लाभ' भारतीय चिन्तन का विकास है। लाभ में टैक्सचोरी, मिलावट आदि भी है। शुभ लाभ में यह तत्व नहीं होते। प्रकाश राष्ट्रधर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संधान है। धन समृद्धि और ज्ञान प्रकाश पर भारत के प्रत्येक जन का अधिकार है। संप्रति देश के प्रत्येक गांव में विद्युत प्रकाश है। प्रत्येक घर को प्रकाशित करना कर्तव्य है। भारतीय जीवनदृष्टि प्रकाश अभीप्सु है। समाज तोड़क अलगाववादी प्रकाश धर्म पर आक्रामक हैं। अश्लील वाचन की शक्ति बढ़ी है। समता और समरसता अनिवार्य है। विभाजक सामाजिक अस्मिताएं चिन्ता का विषय हैं। हम सब अपना सामाजिक दायित्व निभाएं? पर्व, उत्सव और संगमन सांस्कृतिक उदात्त भाव में ही प्रकट होते हैं। किसी अमंगल मुहूर्त में दीपपर्व के साथ आतिशबाजी जुड़ी। संप्रति वायु प्रदूषण जानलेवा है। पटाखे वायु में जहर घोलते हैं। जुआ भी इस पर्व का हेय हिस्सा है। गणेश लक्ष्मी निश्चित ही आहतमन होंगे। उत्स मूल है। आनंदमय कोष इसका केन्द्र है। उत्सव इसी मूल उत्स से व्यापक होता है। आनंद का अतिरेक बढ़ता है। आनंद सबको आवृत करता है तब उत्सव बनता है। दीप राग का मूल है-अप्प दीपो भव। स्वयं दीप बनो। बुद्ध ने ढाई हजार वर्ष पहले यही कहा था। मध्यकाल में तुलसीदास रामचरित मानस उत्तरकाण्ड में 'विज्ञानदीप' प्रतीक लाए। वे सात्विक आस्तिकता को गाय कहते हैं। आस्तिकता की गाय से धर्ममय दूध दुहते हैं। धर्म से ठंढा करते हैं। फिर दही को विचार से मथते हैं-मुदिता मथै विचार मथानी। योग अग्नि पर तपाकर ज्ञान घृत निकालते हैं। चित्त के दीप में ज्ञान घृत डालते हैं फिर जागृति, स्वप्न और सुषुप्ति की बाती। तब विज्ञानमय दीप बनता है- एहि विधि लेसै दीप/तेज राशि विज्ञानमय। फिर विज्ञानमय बुद्धि पर समता का आधार बनाएं-समता दिअटि बनाइ। आधुनिक भारत में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की महत्ता है। लेकिन समता समरसता का अभाव है। गरीबी की खाई गहरी है। समृद्धि के शिखर पहाड़ से भी ऊंचे हैं। हिंसा विश्वासी समूह संप्रभु गणतंत्र को चुनौती देते हैं। उनके पक्षकार बुद्धिजीवी कहे जाते हैं।

दीपावली एक उत्प्रेक्षा है

दीपावली एक मंगल है। दीपावली एक उत्प्रेक्षा है। उस बहाने हम जीवन के रंग-बिरंगे पहलुओं पर सोच पाते हैं। ऐसे पर्व जीवन को उत्सव बना देते हैं। आजकल 'उत्सव' शब्द काफी चला हुआ लगता है परंतु मनुष्य की उत्सवधर्मिता का अंत नहीं। बाहरी और भीतरी दोनों तरह के प्रसंग जीवन को गतिशील उत्सव में बदल देते हैं। बाहर के मेले के साथ भीतर का मेला। लिखी जा रही बाहरी कविता और अलिखित भीतरी कविता दोनों इस दीपावली को उत्प्रेक्षा देते हैं। एक रूपक निरंतर चलता रहता है। अंधेरे और उजाले के द्वंद्व के रूप में। दोनों के उपयोग हैं। यदि उजाला न हो जीवन का संसार न चले और उजाला चकाचौंध में बदल जाए तो जीना मुश्किल। अंधेरा ही अंधेरा हो क्लोरोफिल न बने, जीवन असंभव हो जाए और रात को शांत अंधेरा न हो तो सुकून न मिले। अंधेरे-उजाले की धूप छांव से क्षण-क्षण की नूतनता बनती है। परिवर्तनशीलता निर्मित होती है। अंधेरे को खलनायक न बनाएं। उसकी उपयोगिता है। निखिल विश्व में जो कुछ भी है उसकी अर्थवत्ता है। बगैर अंधेरे की अर्थवत्ता जाने उजाले को मूल्यवान नहीं बनाया जा सकता। लघुताएं महत्वपूर्ण होती जा रही हैं। उनको भावपूर्ण तरीके से ग्रहण करना होगा। लघु मानव ही इस समय का महामानव है। लघुदीप हमारे रास्तों को जगमग कर देता है। यह समय आम आदमी का है। मैंगो मैन का है। उसको अलक्षित करके शीर्ष का व्यक्ति भी धराशायी हो सकता है। कृषि का सम्मान आम आदमी का सम्मान है। कृषि पूरे विश्व में संघर्षशील पेशा है और अनेक बार दयनीयताओं से आक्रांत। इसीलिए भारत में कृषक के जीवन में अपेक्षाकृत अंधेरे ज्यादा हैं तथा अमेरिका वगैरह पश्चिमी देशों में सब्सिडी के आधार पर चलने के लिए बाध्य। लेकिन दीपावली और छठ कृषि संस्कृति के ही उत्सव है। जिनकी वजह से यह रंग हमारे जीवन में आता है। उनके जीवन का रंग भी हमें ध्यान में रखना चाहिए। यदि खलिहान में जगरमगर नहीं है तो दीए में तेल कहां से आएगा? झालर में बिजली के लट्टू कहां से लगेंगे ? वास्तव में खलिहान की देवी ही लक्ष्मी है, जो दीपावली का हेतु है। दीपावली इस धरती को और लभ्य बनाती है। वर्षों से हमने उजियारे की चाह में, उसके पथ पर चलते हुए हार्दिक स्नेह से इसे जोड़ा है। बदरंग और उदास आकारों को इसने काव्यात्मक बनाया है। इसने हमारे आंतरिक ह्यस्वयंह्व को गरिमा दी है। अज्ञेय के शब्दों में- 'यह दीप अकेला गर्व भरा मदमाता, इसको भी पंक्ति को दे दो।' गौतम बुद्ध ने 'अप्प दीपो भव' कहा। रोशनी हमें जामुनी सुगंध से भर देती है दीपावली में। यह एक तरह से पृथ्वी का बखान है, इस अपरिहार्य पृथ्वी के फलों का विविध स्वाद। दीपावली हमारी आकांक्षाओं को गति देती है। अगाध प्रेम और आत्मीयता को मुकुलित करती हुई। महावीर व राम का स्वागत खट्टे-मीठे अनुभवों की प्रस्तावना है। अपने पुरखों का अन्तर्गान है। नवरात्र की शक्ति, विजयादशमी का अन्याय विरोध दीपावली में उजास की पुनीतता में परिवर्तित हो जाता है या नव आकार ले लेता है। इस दुनिया से लगाव भी जरूरी है विरत जाने के विचार से परे इस दुनिया को बेहतर बनाना भी तभी होगा जब हम इसे प्यार करेंगे। सच्चा प्यार पृथ्वी का उत्सव है और वही आंतरिक उजाला है। दीपावली की रात में गांव में जो 'दलिद्दर' खेदा (भगाया) जाता है उसका केवल रीतिगत महत्व नहीं, वह एक तरह से वैज्ञानिक व सांस्कृतिक बहुलता की सोच पर आधारित है। जब आपके खलिहान में अनाज होगा, घर में सुखशांति होगी तो 'दलिद्दर' (दरिद्रता) अपने आप चली जाएगी। मूल चीज है अर्थव्यवस्था को लोकोन्मुख बनाना, जनपक्षीय बनाना। कृषि व उद्योगों को रियायत के बल पर अग्रगामी, अर्थनीति का वाहक नहीं बनाया जा सकता। उसे स्वावलंबी बनाना होगा। उसे स्वराज देना होगा। दीपावली उसी स्वराज का आवाहन है।

खता से ज्यादा

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के निचले सदन से निष्कासन की सिफारिश में लोकसभा की आचार समिति (एथिक्स कमेटी) ने जो तत्परता दिखायी है वह नैतिकता (एथिक्स) या निष्पक्षता में किसी निष्ठा की निशानी तो हरगिज नहीं है। यह सिफारिश सरकार की एक आलोचक को खामोश कराने की बेशर्मी भरी पक्षपातपूर्ण कोशिश है। यह चेतावनी के लिए भी है जिसका मकसद सांसदों को कार्यपालिका को जवाबदेह ठहराने का अपना काम करने से डराना है। न तो समिति की प्रक्रिया और न ही उसके निष्कर्ष किसी समझ में आने लायक सिद्धांत पर आधारित हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीकी मंत्रालय की मदद से, समिति ने यह पाया कि संसद का पोर्टल इस्तेमाल करने के लिए सांसद के लॉगइन और पासवर्ड का इस्तेमाल 47 बार दुबई से ऑनलाइन किया गया। संसद में पूछे जाने वाले सवाल विदेश से जमा किये गये। जैसा कि समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों ने कहा है, सवालों का मसौदा बनाने और उन्हें जमा करने का काम नियमित रूप से सांसदों के सहायकों द्वारा किया जाता है। और सांसद विभिन्न हिस्सों के प्रतिनिधित्व पर आधारित सवाल संसद में उठाते हैं। बगैर ठोस सबूत के यह मान लेना कि कोई सवाल भौतिक लाभ के बदले में पूछा गया है और फिर एक निर्वाचित सांसद को निष्कासित कर देना, खुद संसदीय लोकतंत्र पर हमला है। समिति मोइत्रा को दोषी ठहराने के बाद, अपने ही एक अन्य सदस्य द्वारा उन पर लगाये गये आदान-प्रदान के आरोप की जांच की मांग सरकार से कर रही है। यह नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत को सर के बल खड़ा कर देना है। अगर सांसदों को अपना लॉगइन व पासवर्ड दूसरों के साथ साझा करने से रोका जाता है, तो यह नियम सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। अब जबकि समिति ने एक निर्वाचित सांसद को सदन से निष्कासित करने, और इस तरह उनके निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को प्रतिनिधित्व से वंचित करने का अतिवादी कदम उठा ही लिया है, तो यह जांच भी की जानी चाहिए कि दूसरे सांसद अपने संसदीय सवालों को किस तरह तैयार और जमा करते हैं। आक्षेपों और अटकलों के आधार पर, एक सांसद की चुनिंदा ढंग से जांच का एक ही साफ मतलब निकलता है- डराना। यह भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ गंभीर शिकायत पर लोकसभा की विशेषाधिकार समिति (प्रिविलेज कमेटी) की सुस्त प्रतिक्रिया के ठीक उलट है। बिधूड़ी ने लोकसभा में अपने साथी सदस्य के खिलाफ अपमानजनक सांप्रदायिक अपशब्दों का इस्तेमाल किया। एक सदस्य दूसरे सदस्य को सदन के भीतर गाली और धमकी तक दे सकता है, यह गंभीर चिंता का विषय है। फिर भी, मोइत्रा द्वारा एक ऐसे व्यक्ति से अपने आधिकारिक कार्य कराना जिसे उन्होंने काम पर नहीं रखा है, विवेक और सही निर्णय का अभाव दिखाता है। यह उन सभी के लिए एक सबक है जो सरकार को जवाबदेह ठहराने की कोशिश में लगे रहते हैं। ऐसे लोगों को खुद को आलोचना से परे रखना होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

धनतेरस पर हुई जमकर खरीददारी, दो हजार करोड़ का कारोबार

नोएडा।

नोएडा में इस बार धनतेरस पर लोगों ने जमकर खरीदारी की है। सोना चांदी, बर्तन, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, वाहनों की बिक्री और प्रॉपर्टी में भी लोगो ने जमकर इन्वेस्ट किया। अनुमान के मुताबिक दो दिनों में करीब 2000 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। ये पिछले साल से दो गुना है।बताया गया कि पिछले साल तक कोरोना का इफेक्ट्स बाजार पर दिखा था। लेकिन इस बार त्योहार पर लोग जमकर खरीदारी कर रहे है। बीती रात करीब 1:00 बजे तक सभी मार्केट खुला रहे और लोगों ने जमकर खरीदारी की। मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के चलते लोग आराम से शॉपिंग कर रहे थे। शात तक शहर बाजारों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। जुलरी शॉप से लेकर कपड़े और सजावटी समानों पर जमकर लोगों की भीड़ रही। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के दिल्ली-एनसीआर संयोजक और सेक्टर 18 मार्केट एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि कुल कारोबार में फूड और किराना की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत रह सकती है। आभूषण की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत रहने की संभावना है। गारमेंट सेक्टर में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी हो सकती है। इसके अलावा ऑटो मोबाइल सेक्टर में लोगों के चेहरे खिले दिखे। इस बार धन तेरस पर करीब दो हजार वाहनों की डिलवरी कराई गई। इसमें 1100 दोपहिया और 900 चार पहिया वाहन शामिल है। इसमें एक करोड़ रुपए से ज्यादा करीब 25 लग्जरी कार भी शामिल है। जिनका रजिस्ट्रेशन एआरटीओ में हुआ। इस बार दो दिनों में ग्रोसरी की हिस्सेदारी 300 करोड़ रुपए हो सकती है। आभूषण की हिस्सेदारी 200 करोड़ रुपए, परिधान क्षेत्र की हिस्सेदारी 150 करोड़ रुपए होने की संभावना है। 100 करोड़ ड्राई फूट के हो सकते हैं।

जीपीटी-4 के आसपास जॉब्स पोस्ट करने वाली सभी फील्ड की टॉप कंपनियां : रिपोर्ट

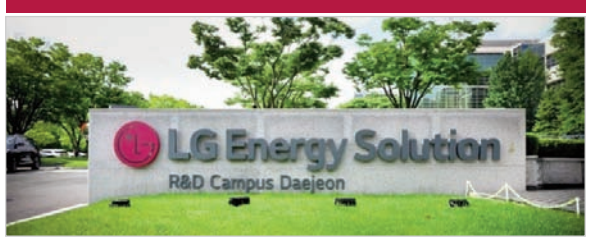

नई दिल्ली।

विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां जीपीटी-4 के आसपास नौकरियां पोस्ट कर रही हैं और एआई में प्रतिभाशाली कर्मचारियों की तलाश करने वाली कुछ उल्लेखनीय कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट (ह्वस्ष्ठह्मस्ह्सञ), सिटीग्रुप, मर्क एंड कंपनी, थॉमसन रॉयटर्स कॉर्प और द ट्रैवलर्स कंपनियां हैं।लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है और डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) और संबंधित टेक्नोलॉजी में स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। लीडिंग डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडेटा के अनुसार, जैसे-जैसे अधिक कंपनियां कस्टमर सर्विस और ऑपरेशनल एफिशिएंसी में सुधार के लिए चैटबॉट और अन्य एलएलएम एआई टेक्नोलॉजी को अपनाती हैं, इन सिस्टम को डेवलप करने, मेंटेन करने और ऑपरेट करने के लिए टैलेंटेड इंडिविजुअल की आवश्यकता भी बढ़ रही है। विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां चैटजीपीटी के डेवलपर ओपनएआई के एआई मॉडल जीपीटी-4 से संबंधित नौकरियां पोस्ट कर रही हैं। ग्लोबलडेटा में बिजनेस फंडामेंटल विश्लेषक शेरला श्रीप्रदा ने कहा, जीपीटी-4 अपने लॉन्च के बाद से ही ऑनलाइन चर्चा का विषय बना हुआ है।

हाल ही में ओपनएआई ने जीपीटी-4 टर्बो लॉन्च किया है। जीपीटी-4 और चैटजीपीटी जैसी जेनरेटिव लैंग्वेज का इस्तेमाल करके नेक्स्ट जनरेशन की लैंग्वेज और मल्टी-मोडल मॉडल पेश करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट एआई के साथ साझेदारी कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट की स्काइप सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर की भूमिका स्काइप में एआई इंटीग्रेशन पर काम करना देखती है, जैसे कि बिंग चैट, जीपीटी-4 द्वारा संचालित एक कन्वर्सेशनल एजेंट जो विभिन्न विषयों पर यूजर्स के साथ चैट कर सकता है, और न्यूज फिल्टरिंग, एक ऐसा फीचर जो यूजर्स के लिए उनकी रुचियों और प्राथमिकताओं के आधार पर प्रासंगिक न्यूज आर्टिकल्स को पर्सनलाइज और क्यूरेट करने के लिए एआई का उपयोग करता है।

एलजी एनर्जी सॉल्यूशन व फोर्ड ने की ईवी बैटरी प्लांट की योजना रद्द

सियोल।

दक्षिण कोरिया की शीर्ष बैटरी निर्माता एलजी एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड (एलजीईएस) ने शनिवार को कहा कि फोर्ड मोटर के साथ तुर्की में बैटरी प्लांट बनाने की उसकी योजना रद्द कर दी गई है, क्योंकि एक तुर्की भागीदार ने परियोजना में अपनी भागीदारी वापस ले ली है। फरवरी में, एलजी एनर्जी सॉल्यूशन ने तुर्की की राजधानी अंकारा के पास एक शहर बास्केंट में ईवी बैटरी बनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम पर जोर देने के लिए फोर्ड और तुर्की के कोक होल्डिंग के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोक ने ईवी अपनाने पर विचार करने और बैटरी निवेश के लिए अनुचित समय का हवाला देते हुए अपनी भागीदारी रद्द करने का फैसला किया। उनका निर्णय इस बढ़ती चिंता के बीच आया कि आर्थिक मंदी और बढ़ती लागत के बीच ईवी की मांग कम हो सकती है। एलजी एनर्जी सॉल्यूशन ने उस समय कहा था कि कारखाने की शुरुआत में 2026 में 25 गीगावाट घंटे (जीडब्ल्यूएच) की उत्पादन क्षमता होगी, इससे पहले कि इसका वार्षिक उत्पादन 45 गीगावॉट तक विस्तारित हो। प्लांट से उत्पादन फोर्ड को उसके वाणिज्यिक वाहनों, ज्यादातर ट्रांजिट वैन के इलेक्ट्रिक संस्करण के लिए आपूर्ति किया जाना था। फोर्ड और कोक का तुर्की में एक संयुक्त उद्यम है, जो सालाना 450,000 वाणिज्यिक कारों का उत्पादन करता है, और उनमें से अधिकांश यूरोप में बेची जा रही हैं। एलजी एनर्जी सॉल्यूशन ने कहा कि तुर्की ईवी बैटरी परियोजना के रद्द के बाद फोर्ड को बैटरी की आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बैटरी निर्माता एलजीईएस की वैश्विक उत्पादन क्षमता 200 गीगावॉट प्रति वर्ष है, इसके वैश्विक उत्पादन स्थल छह देशों में चल रहे हैं। 2022 के अंत तक, इसका ऑर्डर बैकलॉग 385 ट्रिलियन वॉन (294.8 बिलियन डॉलर) था।

यूपी इनलैंड वॉटर-वे अथॉरिटी खोलेगा सस्ती परिवहन सेवा और रोजगार के नये द्वार

लखनऊ।

अयोध्या में हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने यूपी इनलैंड वॉटर-वे अथॉरिटी के गठन का रास्ता साफ किया था। आगामी विधानमंडल सत्र के दौरान अथॉरिटी को मंजूरी मिल जाएगी। माना जा रहा है अथॉरिटी के गठन के बाद अयोध्या में वॉटर ट्रांसपोर्ट और वॉटर टूरिज्म की अनंत संभावनाएं मूर्तरूप लेंगी। योगी सरकार अवधपुरी के विकास के पूरे ईको सिस्टम को और मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सरयू नदी पर पहले से ही पर्यटकों और श्रद्धालुओं को जलयान भ्रमण का आनंद सुलभ कराने के लिए जटायु क्रूज सेवा संचालित है। इसके अलावा गुप्तार घाट से जानकी घाट तक के विकास और सुंदरीकरण के कार्य हो रहे हैं। सरयू तट स्थित जमथरा में राम अरण्य की भी तैयारी है, जहां श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास की कथाओं को विभिन्न माध्यमों से सजीव किया जा रहा है। इसके अलावा सरयू के समीप ही माझा जमथरा में 25 एकड़ भूमि पर मंदिर संग्रहालय देश ही नहीं पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण पर्यटन आकर्षण होगा।

सितंबर में शुरू हुई एफपीआई की बिकवाली का नवंबर में भी रुकने का संकेत नहीं

नई दिल्ली।

सितंबर में शुरू हुई एफपीआई की बिकवाली का रुझान अक्टूबर में भी जारी रहा और नवंबर में भी इसके रुकने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है, हालांकि इस महीने बिकवाली की तीव्रता में कमी आई है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने ये बात कही है। एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक, 10 नवंबर तक एफपीआई ने 5,805 करोड़ रुपये की बिकवाली की। दूसरी तिमाही के शानदार नतीजों और बेहतर संभावनाओं के बावजूद एफपीआई ने वित्तीय क्षेत्र में बिकवाली जारी रखी है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता के इस समय में, एफपीआई जोखिम-मुक्त अमेरिकी बांड यील्ड की तलाश कर रहे हैं, जहां 10-वर्षीय यील्ड लगभग 4.64 प्रतिशत है। वित्तीय क्षेत्र में एफपीआई की निरंतर बिकवाली ने बैंकिंग शेयरों के मूल्यांकन को आकर्षक बना दिया है। यह दो साल और उससे अधिक वाले निवेशकों के लिए एक अवसर है। आम चुनावों से पहले शेयर बाजार में तेजी की संभावना है जैसा कि पिछले पांच आम चुनावों के दौरान हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रमुख बैंकिंग शेयरों में रैली में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है।

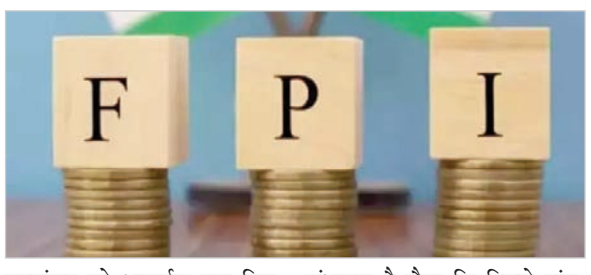

सितंबर में भारत का औद्योगिक उत्पादन 5.8 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन में इस साल सितंबर में एक साल पहले की तुलना में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र जो हर साल युवा इंजीनियरों और कॉलेज स्नातकों के लिए गुणवत्तापूर्ण नौकरियां पैदा करता है, उसमें केवल 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।माह के दौरान बिजली उत्पादन में 9.9 प्रतिशत और खनन क्षेत्र के उत्पादन में 11.5 प्रतिशत की दहाई अंक की वृद्धि देखी गई। अगस्त में देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 14 महीने के उच्चतम स्तर 10.3 फीसदी पर रही थी। यह अगस्त 2022 के कमजोर आंकड़ों की पृष्ठभूमि में दर्ज की गई थी जब औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर शून्य से 0.7 प्रतिशत नीचे रही और इस प्रकार इसमें गिरावट दर्ज की गई थी।

मारुति फ्रोंक्स ने मचाई धूम, 75,000 से ज़्यादा हो गई बुकिंग्स

नई दिल्ली । मारुति फ्रोंक्स को ग्राहकों का जमकर प्यार मिल रहा है। इसकी लॉ न्चिंग के बाद से ही मार्केट में धूम मच गई है। जानकारी के मुतो बिक मार्केट में इसके लिए काफी के तेज़ी से डिमांड बढ रही है। अप्रैल में लॉन्च हुई इस कॉम्पैक्ट एसयूवी के 75,000 से ज़्यादा इकाइयां सेल की है। फिलहाल मारुति फ्रोंक्स को 5 वेरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है, जिसमें सिग्मा, डेल्टा, डेल्टा+, ज़ेटा और अल्फा शामिल हैं। वहीं इसमें दो इंजन दिए गए हैं। पहला 1.2-लीटर पेट्रोल और दूसरा 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है। 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन 90 बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। वहीं 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 100 एचपी की पावर और 147 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल, ऑटोमेटिक और 6-स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स विकल्प दिए गए हैं। मारुति फ्रोंक्स की लंबाई 3995 मिमी, चौड़ाई 1765 मिमी, ऊंचाई 1550 मिमी और व्हीलबेस 2520 मिमी है। वहीं ये गाड़ी भारतीय मार्केट में अन्कि वाहनों को टक्कर देगी।

दूसरी तिमाही में एलआईसी का शुद्ध लाभ गिरकर 7,925 करोड़ रुपए हुआ

चेन्नई। जीवन बीमा दिग्गज भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 107,396.76 करोड़ रुपये की शुद्ध प्रीमियम आय पर 7,925.01 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया। एक नियामक फाइलिंग में, भारत सरकार के स्वामित्व वाली एलआईसी ने कहा कि 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए, उसने 107,397.76 करोड़ रुपए (2023 की दूसरी तिमाही में 132,104.13 करोड़ रुपए) का शुद्ध प्रीमियम और 7,925.01 करोड़ रुपये (15,952749 करोड़ रुपये) का शुद्ध लाभ अर्जित किया जो 50 प्रतिशत कम है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, एलआईसी ने 93,942.20 करोड़ रुपए (84,103.64 करोड़ रुपये) की निवेश आय अर्जित की। जीवन बीमाकर्ता ने 83,363.89 करोड़ रुपये (84,269.04 करोड़ रुपये) के लाभ - दावे/परिपक्वता लाभ - का भुगतान किया। 30 सितंबर को एलआईसी का सॉल्वेंसी अनुपात 1.90 था।

इंडिगो ने क्वांटास के साथ कोडशेयर विस्तार की घोषणा की

नई दिल्ली। इंडिगो ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई ध्वज वाहक क्वांटास के साथ अपने कोडशेयर समझौते के विस्तार की घोषणा की। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस समझौते के तहत, इंडिगो के कस्टमर अब ऑस्ट्रेलिया में चार नए गंतव्यों सिडनी, मेलबर्न, पर्थ और ब्रिस्बेन तक पहुंच सकेंगे।इसकी शुरुआत मेलबर्न से होगी, जिसके बाद सिडनी, पर्थ और ब्रिस्बेन आने वाले हफ्तों में ऑनलाइन हो जाएंगे। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, नए कोडशेयर मार्गों के साथ इंडिगो के ग्राहक अब सिंगापुर के लिए उड़ान भर सकते हैं और सिंगापुर एवं मेलबर्न के बीच क्वांटास की उड़ानों से निर्बाध रूप से जुड़ सकते हैं। यह साझेदारी ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के एक हिस्से के रूप में दोनों देशों के बीच संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। 2022 में, क्वांटास और इंडिगो ने एक कोडशेयर साझेदारी को अंतिम रूप दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच नॉन-स्टॉप उड़ानों पर उड़ान भरने वाले ऑस्ट्रेलियाई वाहक के ग्राहक इंडिगो पर भारत के 21 गंतव्यों से जुड़ सकेंगे। साझेदारी पर बोलते हुए इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा, हम क्वांटास के साथ साझेदारी में, भारत से सिंगापुर के लिए इंडिगो की उड़ानों को जोड़ते हुए, ऑस्ट्रेलिया के लिए इन नई कनेक्टिंग उड़ानों को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। दोनों एयरलाइंस अपने-अपने देशों में मार्केट लीडर हैं और इस समझौते से दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे। इंडिगो के लिए किसी अन्य एयरलाइन पर अपना कोड डालना और मध्य-बिंदु (सिंगापुर) से जुड़ना अपनी तरह का केवल दूसरा मामला है।

रंजन पई ने किया आकाश में 16.8 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

मणिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप के चेयरमैन रंजन पई ने एडटेक फर्म बैजूस की इकाई आकाश एजुकेशनल सर्विसेज (एईएसएल) में 16.8 करोड़ डॉलर (1,400 करोड़ रुपये) का निवेश किया है। नकदी की किल्लत का सामना कर रही बैजूस को इस रकम से अमेरिकी निवेश फर्म डेविडसन केम्पनर कैपिटल मैनेजमेंट से मई में लिया गया कर्ज चुकाने में मदद मिलेगी। जानकारों के मुताबिक बैजूस यह कर्ज तकनीकी तौर पर नहीं चुका पाई थी। खबरों के अनुसार रंजन पई के पारिवारिक कार्यालय ने आकाश में डेविडसन केम्पनर के कर्ज का अधिग्रहण किया है। वह प्रमुख शेयरधारक बैजूस और उसके संस्थापक बैजू रवींद्रन के साथ मिलकर इस ट्यूटोरियल चेन का कायाकल्प करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार बैजूस डेविडसन केम्पनर को करीब 1,400 करोड़ रुपये चुका रही है। इनमें करीब 800 करोड़ रुपये कर्ज है और बाकी 600 करोड़ रुपये ब्याज है। उद्योग के जानकारों का कहना है कि मणिपाल ग्रुप के पई ने डेविडसन केम्पनर को द्विपक्षीय ऋण लेनदेन में भुगतान किया है। पई की एक कंपनी ने एनएसई कॉरपोरेट बॉन्ड रिपोर्टिंग ऐंड इंटिग्रेटेड क्लियरिंग सिस्टम (सीबीआरआईसीएस) प्लेटफॉर्म पर डेविडसन केम्पनर के सभी एनसीडी खरीदे हैं। बैजूस ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार के कारोबार में पांचों कारोबारी दिनों में उतार चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। शुक्रवार को धनतरेस के मौके पर सुबह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा था लेकिन दिन के ट्रेडिंग खत्म होने से पहले बाजार में निवेशकों की खऱीदारी के चलते बाजार में तेजी लौटी और कारोबार समो प्ति पर शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी` दन सोमवार को शेयर बाजारों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 387.12 अंकों की मजबूती के साथ 64,741.80 से अे धिक खुला और 594.91 अंकों की बढ़त के साथ 64,958.69 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 117.50 अंकों की तेजी के साथ 19,348.10 पर खुला और 181.16 अंक मजबूत होकर 19,411.75 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में कारोबार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स 188.51 अंकों की गिरावट के साथ 64,774.16 अंकों पर खुला और 16.29 अंकों की गिरावट के साथ 64,942.40 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.50 अंक टूटकर 19,363.25 पर खुला और 5.05 अंक फिसलकर 19,406.70 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को सुस्ती के साथ कारोबार होता दिखा। सेंसेक्स 2.89 अंकों की बढ़त के साथ 64,936.29 पर खुला और 33.21 अंकों की बढ़त के साथ 64,975.61 पर बंद हुआ। निफ्टी 15.10 अंक मजबूत होकर 19,421.80 पर खुला और 36.80 अंक मजबूत होकर 19,443.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 88.63 अंकों की गिरावट के साथ 64,896.91 पर खुला और 143.41 अंकों की गिरावट के साथ 64,832.20 पर बंद हुआ। निफ्टी 33.21 अंक टूटकर 19,410.30 पर खुला और 48.21 अंक टूटकर 19,395.30 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 64,650 पर खुला और 72.48 अंकों की बढ़त के साथ 64,904.68 पर बंद हुआ। निफ्टी भी करीब 50 अंक टूटकर 19,350 पर खुला और 30 अंकों के उछाल के साथ 19,425 अंकों पर बंद हुआ है।

पेट्रोल और डीजल कई शहरों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली। दिवाली से एक दिन पहले शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई है। वै श्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में गिरावट के बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को नहीं मिला है। ले किन चेन्नई में पेट्रोल 0.14 पैसे और डीजल 0.13 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल दोनों 0.47 पैसे प्रति लीटर सस्ते हो गए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.25 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पाकिस्तान का शेयर बाज़ार अब तक के उच्चतम स्तर पर

कराची ।

पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज (पीएसएक्स) ने एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए 55,000 के स्तर को पार कर लिया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को बेंचमार्क के केइसई -100 इंडेक्स 55,506.32 अंक पर पहुंच गया। एक्स पर आरिफ हबीब लिमिटेड के अनुसार, केएसई-100 इंडेक्स 55,000 के स्तर को पार कर अब तक के उच्चतम स्तर पर है। आरिफ हबीब लिमिटेड (एएचएल) के शोध प्रमुख ताहिर अब्बास ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पहली समीक्षा में सफलता मिलने की उम्मीदों ने बाजार को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, अपेक्षित मौद्रिक नरमी के साथ-साथ मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में बढ़ोतरी और बाजार के अब तक के उच्चतम स्तर पर होने के बावजूद आकर्षक मूल्यांकन स्थानीय शेयर बाजार में निवेशकों के सेंटीमेंट्स को बढ़ा रहा है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरमार्केट सिक्योरिटीज के इक्विटी प्रमुख रजा जाफरी ने कहा कि मजबूत घरेलू संस्थागत खरीदारी और पाकिस्तान इन्वेस्टमेंट बॉन्ड (पीआईबी) की रीटर्न में कमी के कारण केएसई-100 लगातार नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, आईएमएफ की चल रही समीक्षा अगली अहम् चेकपॉइंट है। गुरुवार के 482.7 मिलियन की तुलना में कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़कर 640.8 मिलियन शेयर हो गया। दिन के दौरान कारोबार किए गए शेयरों का मूल्य 21.1 बिलियन पीकेआर था। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एएचएल के अनुसार, पीएसएक्स पर औसत कारोबार की मात्रा 2.4 साल के उच्चतम स्तर पर देखी गई।

प्रकाश पर्व दीपावली

दीपावली का अर्थ है दीपों की पंक्ति। दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधिसे बना है। आवली अर्थात पंक्ति, इस प्रकार दीपावली शब्द का अर्थ है, दीपोंकी पंक्ति । भारतवर्षमें मनाए जानेवाले सभी त्यौहारों में दीपावलीका सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते हैं।

तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइए' यह उपनिषदों की आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध्यावासियों का ह्रदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से उल्लसित था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए । कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश-पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। यह पर्व अधिकतर ग्रिगेरियन कैलन्डर के अनुसार अक्तूबर या नवंबर महीने में पड़ता है। दीपावली दीपों का त्योहार है। इसे दीवाली या दीपावली भी कहते हैं। दीवाली अँधेरे से रोशनी में जाने का प्रतीक है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है। दीवाली यही चरितार्थ करती है- असतो माऽ सद्गमय , तमसो माऽ ज्योतिर्गमय। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। घरों में मरम्मत, रंग-रोगन,सफ़ेदी आदि का कार्य होने लगता हैं। लोग दुकानों को भी साफ़ सुथरा का सजाते हैं। बाज़ारों में गलियों को भी सुनहरी झंडियों से सजाया जाता है। दीपावली से पहले ही घर-मोहल्ले, बाज़ार सब साफ-सुथरे व सजे-धजे नज़र आते हैं।

दीप जलाने की प्रथा के पीछे अलग-अलग कारण या कहानियाँ हैं। राम भक्तों के अनुसार दीवाली वाले दिन अयोध्या के राजा राम लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे। उनके लौटने कि खुशी मे आज भी लोग यह पर्व मनाते है। कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही है। सिक्खों के लिए भी दीवाली महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। और इसके अलावा 1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। नेपालियों के लिए यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है।

पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली। महर्षि दयानन्द ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की। दीन-ए-इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊँचे बाँस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे। मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लालकिले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू-मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

पर्वों का समूह दीपावली

दीपावली के दिन भारत में विभिन्न स्थानों पर मेले लगते हैं। दीपावली एक दिन का पर्व नहीं अपितु पर्वों का समूह है। दशहरे के पश्चात ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग नए-नए वस्त्र सिलवाते हैं। दीपावली से दो दिन पूर्व धनतेरस का त्योहार आता है। इस दिन बाज़ारों में चारों तरफ़ जनसमूह उमड़ पड़ता है। बरतनों की दुकानों पर विशेष साज-सज्जा व भीड़ दिखाई देती है। धनतेरस के दिन बरतन खरीदना शुभ माना जाता है अतैव प्रत्येक परिवार अपनी-अपनी आवश्यकता अनुसार कुछ न कुछ खरीदारी करता है। इस दिन तुलसी या घर के द्वार पर एक दीपक जलाया जाता है। इससे अगले दिन नरक चतुर्दशी या छोटी दीपावली होती है। इस दिन यम पूजा हेतु दीपक जलाए जाते हैं। अगले दिन दीपावली आती है। इस दिन घरों में सुबह से ही तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। बाज़ारों में खील-बताशे , मिठाइयाँ ,खांड़ के खिलौने, लक्ष्मी-गणेश आदि की मूर्तियाँ बिकने लगती हैं। स्थान-स्थान पर आतिशबाजी और पटाखों की दूकानें सजी होती हैं। सुबह से ही लोग रिश्तेदारों, मित्रों, सगे-संबंधियों के घर मिठाइयाँ व उपहार बाँटने लगते हैं। दीपावली की शाम लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। पूजा के बाद लोग अपने-अपने घरों के बाहर दीपक व मोमबत्तियाँ जलाकर रखते हैं। चारों ओर चमकते दीपक अत्यंत सुंदर दिखाई देते हैं। रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से बाज़ार व गलियाँ जगमगा उठते हैं। बच्चे तरह-तरह के पटाखों व आतिशबाज़ियों का आनंद लेते हैं। रंग-बिरंगी फुलझड़ियाँ, आतिशबाज़ियाँ व अनारों के जलने का आनंद प्रत्येक आयु के लोग लेते हैं। देर रात तक कार्तिक की अँधेरी रात पूर्णिमा से भी से भी अधिक प्रकाशयुक्त दिखाई पड़ती है। दीपावली से अगले दिन गोवर्धन पर्वत अपनी अँगुली पर उठाकर इंद्र के कोप से डूबते ब्रजवासियों को बनाया था। इसी दिन लोग अपने गाय-बैलों को सजाते हैं तथा गोबर का पर्वत बनाकर पूजा करते हैं। अगले दिन भाई दूज का पर्व होता है। दीपावली के दूसरे दिन व्यापारी अपने पुराने बहीखाते बदल देते हैं। वे दूकानों पर लक्ष्मी पूजन करते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी की उन पर विशेष अनुकंपा रहेगी।

परंपरा

अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह पर्व समाज में उल्लास, भाई-चारे व प्रेम का संदेश फैलाता है। यह पर्व सामूहिक व व्यक्तिगत दोनों तरह से मनाए जाने वाला ऐसा विशिष्ट पर्व है जो धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विशिष्टता रखता है। हर प्रांत या क्षेत्र में दीवाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है। लोगों में दीवाली की बहुत उमंग होती है। लोग अपने घरों का कोना-कोना साफ़ करते हैं, नये कपड़े पहनते हैं। मिठाइयों के उपहार एक दूसरे को बाँटते हैं, एक दूसरे से मिलते हैं। घर-घर में सुन्दर रंगोली बनायी जाती है, दिये जलाए जाते हैं और आतिशबाजी की जाती है। बड़े छोटे सभी इस त्योहार में भाग लेते हैं। अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह पर्व समाज में उल्लास, भाई-चारे व प्रेम का संदेश फैलाता है। हर प्रांत या क्षेत्र में दीवाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है।

।। लक्ष्मी चालीसा ।।

दोहा

मातु लक्ष्मी करि कृपा करो हृदय में वास।
मनोकामना सिद्ध कर पुरवहु मेरी आस॥
सिंधु सुता विष्णुप्रिये नत शिर बारंबार।
ऋद्धि सिद्धि मंगलप्रदे नत शिर बारंबार॥ टेक॥

सोरठा

यही मोर अरदास, हाथ जोड़ विनती करूं।
सब विधि करौ सुवास, जय जननि जगदंबिका॥

॥ चौपाई ॥

सिन्धु सुता मैं सुमिरौं तोही। ज्ञान बुद्धि विद्या दो मोहि॥
तुम समान नहिं कोई उपकारी। सब विधि पुरबहु आस हमारी॥
जै जै जगत जननि जगदम्बा। सबके तुमही हो स्वलम्बा॥
तुम ही हो घट घट के वासी। विनती यही हमारी खासी॥
जग जननी जय सिन्धु कुमारी। दीनन की तुम हो हितकारी॥
विनवौं नित्य तुमहिं महारानी। कृपा करौ जग जननि भवानी।
केहि विधि स्तुति करौं तिहारी। सुधि लीजै अपराध बिसारी॥
कृपा दृष्टि चितवो मम ओरी। जगत जननि विनती सुन मोरी॥
ज्ञान बुद्धि जय सुख की दाता। संकट हरो हमारी माता॥
क्षीर सिंधु जब विष्णु मथायो। चौदह रत्न सिंधु में पायो॥
चौदह रत्न में तुम सुखरासी। सेवा कियो प्रभुहिं बनि दासी॥
जब जब जन्म जहां प्रभु लीन्हा। रूप बदल तहं सेवा कीन्हा॥
स्वयं विष्णु जब नर तनु धारा। लीन्हेउ अवधपुरी अवतारा॥
तब तुम प्रकट जनकपुर माहीं। सेवा कियो हृदय पुलकाहीं॥
अपनायो तोहि अन्तर्यामी। विश्व विदित त्रिभुवन की स्वामी॥
तुम सब प्रबल शक्ति नहिं आनी। कहं तक महिमा कहौं बखानी॥
मन क्रम वचन करै सेवकाई। मन- इच्छित वांछित फल पाई॥
तजि छल कपट और चतुराई। पूजहिं विविध भांति मन लाई॥
और हाल मैं कहौं बुझाई। जो यह पाठ करे मन लाई॥
ताको कोई कष्ट न होई। मन इच्छित फल पावै फल सोई॥
त्राहि- त्राहि जय दु:ख निवारिणी। त्रिविध ताप भव बंधन हारिणि॥
जो यह चालीसा पढ़े और पढ़ावे। इसे ध्यान लगाकर सुने सुनावै॥
ताको कोई न रोग सतावै। पुत्र आदि धन सम्पत्ति पावै।
पुत्र हीन और सम्पति हीना। अन्धा बधिर कोढ़ी अति दीना॥
विप्र बोलाय कै पाठ करावै। शंका दिल में कभी न लावै॥
पाठ करावै दिन चालीसा। ता पर कृपा करैं गौरीसा॥
सुख सम्पत्ति बहुत सी पावै। कमी नहीं काहू की आवै॥
बारह मास करै जो पूजा। तेहि सम धन्य और नहिं दूजा॥
प्रतिदिन पाठ करै मन माहीं। उन सम कोई जग में नाहिं॥
बहु विधि क्या मैं करौं बड़ाई। लेय परीक्षा ध्यान लगाई॥
करि विश्वास करैं व्रत नेमा। होय सिद्ध उपजै उर प्रेमा॥
जय जय जय लक्ष्मी महारानी। सब में व्यापित जो गुण खानी॥
तुम्हरो तेज प्रबल जग माहीं। तुम सम कोउ दयाल कहूं नाहीं॥
मोहि अनाथ की सुधि अब लीजै। संकट काटि भक्ति मोहि दीजे॥
भूल चूक करी क्षमा हमारी। दर्शन दीजै दशा निहारी॥
बिन दरशन व्याकुल अधिकारी। तुमहिं अक्षत दु:ख सहते भारी॥
नहिं मोहिं ज्ञान बुद्धि है तन में। सब जानत हो अपने मन में॥
रूप चतुर्भुज करके धारण। कष्ट मोर अब करहु निवारण॥
कहि प्रकार मैं करौं बड़ाई। ज्ञान बुद्धि मोहिं नहिं अधिकाई॥
रामदास अब कहाई पुकारी। करो दूर तुम विपति हमारी॥

दोहा

त्राहि त्राहि दु:ख हारिणी हरो बेगि सब त्रास।
जयति जयति जय लक्ष्मी करो शत्रुन का नाश॥
रामदास धरि ध्यान नित विनय करत कर जोर।
मातु लक्ष्मी दास पर करहु दया की कोर॥

।। इति लक्ष्मी चालीसा संपूर्णम।।

दीपावली की रात देवी लक्ष्मी की पूजा क्यों?

भारतीय कालगणना के अनुसार 14 मनुओं का समय बीतने और प्रलय होने के पश्चात् पुनर्निर्माण तथा नई सृष्टि का आरंभ दीपावली के दिन ही हुआ माना जाता है। नवारंभ के कारण कार्तिक अमावस्या को कालरात्रि भी कहा जाने लगा है। इस दिन सूर्य अपनी सातवीं अर्थात् तुला राशि में प्रवेश करता है तथा उत्तरार्द्ध का आरंभ होता है। अत: कार्तिक मास की पहली अमावस्या ही नई शुरुआत और नव निर्माण का समय होता है। जीविद्यार्णव तंत्र में कालरात्रि को शक्ति रात्रि की संज्ञा दी गई है। कालरात्रि को शत्रु विनाशक माना गया है, साथ ही शुभत्व का प्रतीक, सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला माना गया है। एक मान्यता के अनुसार यह मां लक्ष्मी का जन्म दिवस का भी है। कुछ स्थानों पर कोजागरा को देवी लक्ष्मी का जन्म दिवस माना जाता है।

दीपावली समृद्धि के उपाय

दीपावली के त्योहार का विशेष महत्व है। इन दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। माना जाता है कि इस दिन समृद्धि प्राप्ति के लिए किया गया कोई भी उपाय ज्यादा फलदायी होता है। इस बार धनत्रयोदशी और दीपावली पर समृद्धि प्राप्ति के लिए इन उपायों को भी करके देखें

- प्रात:काल उठकर सर्वप्रथम अपनी हथेलियों के दर्शन की आदत डालें। यह एक शुभ क्रिया है। इसे करने से आपको शुभ ऊर्जा प्राप्त होगी।
- धनतेरस और दीपावली के दिन रसोई में जो भी भोजन बना हो, सर्वप्रथम उसमें से गाय के लिए कुछ भाग अलग कर दें। यदि नित्य यह करें तो सर्वश्रेष्ठ है।
- धनतेरस के दिन प्राणप्रतिष्ठित दक्षिणावर्ती शंख प्राप्त कर लें। पूजन के उपरांत उसके चारों तरफ अपनी राशि के
- अनुकूल मंत्र अष्टगंध से लिखें। इससे धन प्राप्ति के योग बनेंगे।
- धनतेरस को बहेड़े की जड़ और शंखपुष्पी की जड़ लाकर चांदी के डिब्बे में रखकर लक्ष्मीजी के साथ पूजन करें। धन लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा।
- धनतेरस को ऐसे पेड़ की टहनी तोड़ कर लाएं, जिस पर चमगादड़ रहते हों। इसे अपने बैठने की जगह के पास रखें, लाभ होगा।
- दीपावली के दिन किसी भी मंदिर में केले के दो पौधे लगाएं। इन पौधों की समय-समय पर देखभाल करते रहें। इनके बगल में कोई सुगंधित फूल का पौधा लगाएं। केले का पौधा जैसे-जैसे बड़ा होगा, आपके आर्थिक लाभ की राह प्रशस्त होगी।
- दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन के बाद दक्षिणावर्ती शंख में लक्ष्मी मंत्र का जाप करते हुए चावल के अक्षत दाने व लाल गुलाब की पंखुडियां डालें। ऐसा करने से समृद्धि का योग बनेगा।
- दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन के बाद लक्ष्मी या किसी भी देवी को लौंग अर्पित करें। यह प्रक्रिया दीपावली के बाद भी चलने दें। आर्थिक लाभ होता रहेगा।
- मोती शंख में गुलाबजल मिश्रित जल भरकर रसराज पारद श्रीयंत्र का अभिषेक लक्ष्मी मंत्रों या श्रीसूक्त से करें। वर्ष भर धन प्राप्ति के नए-नए विचार आते रहेंगे।
- धनत्रयोदशी पर श्वेत पदार्थों का दान करने से आर्थिक लाभ का योग बनता है।
- शाम को सूर्योदय के बाद घर में झाड़ू-पोंछा न करें। यह समृद्धि के लिए शुभ नहीं है।
- घर की दीवारों और भूमि पर पेन, पेंसिल या चॉक के निशान न बनने दें। इससे कर्ज़ का बोझ बढ़ता है।
- दीपावली पर किसी गरीब, दुखी, असहाय रोगी को आर्थिक सहायता दें। इसा करने से आपकी उन्नती होगी।
- दिवाली के दिन किसी किन्नर को धन दान करें और उससे उसमें से कुछ पैसे वापस अनुरोध करके प्राप्त कर लें। उन पैसे को श्वेत वस्त्र में लपेट कर कैश बॉक्स में रख लें, लाभ होगा।

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त

दिवाली का त्योहार हिंदू धर्म में बहुत ही उत्सव और खुशी का माना जाता है। दीपावली का त्योहार कार्तिक माह की कृष्ण अमावस्या को मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार दीवाली 12 नवंबर 2023 रविवार को मनाई जाएगी। यहां जानिए पूजा के शुभ मुहूर्त, महानिशीथ काल मुहूर्त और चौघड़िया।

अमावस्या तिथि-

अमावस्या तिथि प्रारंभ : 12 नवंबर 2023, रविवार को दोपहर 02:44 से प्रारंभ।

अमावस्या तिथि समाप्त: 13 नवंबर 2023, सोमवार को दोपहर 02:56 पर समाप्त।

नोट - दीपावली का पर्व चूंकि रात में मनाए जाने का महत्व है और अमावस्या तिथि रात में ही व्याप्त रहेगी इसलिए 12 नवंबर को दिवाली मनाना उचित रहेगा।

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा के शुभ मुहूर्त

अमावस्या तिथि प्रारंभ - 12 नवंबर 2023 दोपहर 02:44 से प्रारंभ।

अमावस्या तिथि समाप्त : 13 नवंबर 2023 दोपहर 02-56 पर समाप्त।

दीपावली का पर्व रात में मनाते हैं इसलिए 12 नवंबर को दिवाली रहेगी।

लक्ष्मी पूजा का श्रेष्ठ मुहूर्त : शाम 05:39 से 07:35 के बीच।

लक्ष्मी पूजा के अन्य शुभ मुहूर्त-

अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 11:43 से 12:27 तक।

पूजा काल : शाम को 06:12 से रात्रि 08:12 तक।

प्रदोष काल- शाम को 06-01 से रात्रि 08-34 तक।

वृषभ काल- शाम को 06-12 से रात्रि 08-12 तक।

नोट- स्थानीय समयानुसार मुहूर्त के समय में घट-बढ़ रहती है।

लक्ष्मी पूजा का महानिशीथ काल मुहूर्त : रात्रि 23:39 से 24:32 के बीच।

आतंकी पन्नू की धमकी पर एक्शन

जालंधर। प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा एयर इंडिया के विमानों को उड़ाने की धमकी के बाद कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा बढ़ा दी है। कुछ दिन पहले ही कनाडा से भारत ने थ्रेट को लेकर बातचीत की थी। जिसके चलते एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के यात्रियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। टोरंटो एयरपोर्ट पर करीब 10 लोगों से कड़ी पूछताछ की गई और उन्हें सीधे फ्लाइट में चढने से रोक दिया गया। हालांकि, अभी तक ये नहीं पता चला है कि उक्त आरोपियों से मिला क्या। सभी आरोपी कनाडा से एयर इंडिया के विमान में बैठने जा रहे थे। कनाडा के परिवहन मंत्री पाब्लो रोड्रिग्ज ने कहा कि संघीय पुलिस 19 नवंबर को एयर इंडिया की उड़ान में बम की धमकी की जांच कर रही है।

जहरीली शराब से 3 दिन में 16 मरे

अंबाला। हरियाणा में जहरीली शराब पीने से मरने वालों का सिलसिला थमा नहीं है। अंबाला और यमुनानगर में अब तक 16 लोगों की मौत की खबर है। यमुनानगर में शुक्रवार को भी शराब पीने से 6 लोगों की मौत की बात सामने आई। दूसरा बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि अंबाला की अवैध फैक्ट्री में तैयार हुई 200 शराब की पेटियां कहां-कहां सप्लाई हुई। अंबाला पुलिस के मुताबिक, सारी पेटी यमुनानगर में सप्लाई हुई, लेकिन यमुनानगर पुलिस ने अब तक यह खुलासा नहीं किया है कि आखिर किस-किस शराब के ठेके पर कितने-कितने पेटियों की सप्लाई हुई थी।

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी अमीन कासमी की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली । पाकिस्तान में लगातार हो रही हत्याओं ने आतंकियों की नींद उड़ा रखी है। गाजा में पाकिस्तानी आतंकवादी अमीन कासमी की अज्ञात ने गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन का सदस्य अमीन कासमी वह आतंकवादी है, जिसकी गोली लगने से मौत हो गई। बताया जाता है कि वह भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी की सूची में था। बताया जाता है कि वह इजराइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे युद्ध में हिस्सा लेने गया था। लेकिन इस बार आतंकी कासमी की अज्ञात व्यक्ति ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि पाकिस्तान में जन्मे आतंकवादी कासमी की गाजा पट्टी में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जाता है कि वह पाकिस्तानी मूल का है और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा में सक्रिय था। गौरतलब है कि इससे पहले लश्कर ए तैयबा के पूर्व कमांडर अकरम खान उर्फ अकरम गाजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

चाचा- भतीजे के बीच बड़ी डील का अनुमान, बार-बार मिल रहे शरद और अजित पवार

मुंबई। चाचा- भतीजे शरद व अजित पवार के बार-बार मिलने पर बड़ी डील होने के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन के बाद पहली बार पूरा पवार परिवार दिवाली समारोह के लिए एक साथ आया। बारामती में मिलने की परंपरा से हटकर, परिवार प्रताप पवार के घर पर एकत्र हुआ, जो शरद पवार के छोटे भाई और एक उद्योगपति हैं। इस मौके पर शरद पवार और अजित पवार दोनों मौजूद थे। शरद पवार से मुलाकात के बाद अजित अचानक राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हो गए। मिलन समारोह के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा, हर साल हम बारामती में मिलते थे। लेकिन इस साल, प्रताप पवार की पत्नी, जो मेरी चाची हैं, अस्वस्थ हैं इसलिए वे बारामती नहीं आ सके। प्रताप का जन्मदिन भी शुक्रवार को था इसलिए हमने पुणे में उनके आवास पर मिलने का फैसला किया। पूरा परिवार एक साथ हो गया। इसके बाद अजित के मौजूद रहने और फिर अचानक दिल्ली चले जाने के बारे में पूछे जाने पर सुले ने कहा कि अजित मिलन समारोह के लिए मौजूद थे। लेकिन मुझे इसकी जानकारी नहीं है कि वह दिल्ली के लिए रवाना हो गये। दिल्ली की आबोहवा खराब है। वहां प्रदूषण है जिसके चलते वहां के स्कूलों ने छुट्टियों की घोषणा कर दी है। दिल्ली में रहने वाले और दिल्ली आने वाले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। शरद पवार ने मीडियाकर्मियों से कहा कि कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। यह एक पारिवारिक समारोह था। वहीं शरद पवार की बहन सरोज पाटिल ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि पूरा परिवार एक साथ मिला। इस दौरान शरद और अजित दोनों मौजूद थे। उन्होंने क्या चर्चा की, इसकी मुझे जानकारी नहीं है।

बड़ी संख्या में बच्चे हो रहे गायब, बच्चियों की खरीद-बिक्री के आंकड़े बढ़े

पटना । बिहार में बच्चियों के गायब होने की तादाद बढ़ती ही जा रही है। रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर पुलिस प्रशासन की सतर्कता के कारण इसमें कुछ कमी जरुर आई है लेकिन अभी भी स्टेशन से लगातार ऐसे बच्चे बरामद किए जा रहे हैं। जानकर बताते हैं कि इस धंधे से जुड़े लोग सक्रिय हैं। रोहतास से ऐसे कई मामले हैं जहां नाबालिग लड़कियों की खरीद-बिक्री तक की गई। राज्य से आठ माह में 5958 बच्चे गायब हो हुए उसमें भी 85 प्रतिशत संख्या लड़कियों की हैं। ये आंकड़े बाल तस्करी से लेकर उन्हें अनैतिक अड्डे तक पहुंचाने की खतरनाक मंशा का भी संकेत देते हैं। ऐसे मामले सामने आ भी चुके हैं। यह एक बड़ा प्रश्न है कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चे गायब हैं, लेकिन उनका अता-पता नहीं। पुलिस ने 2,799 बच्चों को बरामद करने में सफलता जरूर प्राप्त की है, पर अन्य का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट के अनुसार राज्य के कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां से बच्चों को काम के नाम पर बाहर ले जाया जाता है, इनमें कई का पता भी नहीं चलता। विशेष रूप से मगध प्रमंडल क्षेत्र से चूड़ी फैक्ट्री में काम कराने को बड़ी संख्या में बच्चे ले जाए जाते हैं। मीडिया ने इसको लेकर अभियान भी चलाया था और बड़ी संख्या में बच्चे मुक्त कराए गए थे। अब रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर पुलिस प्रशासन की सतर्कता के कारण इसमें कमी आई है, लेकिन अभी भी स्टेशन से ऐसे बच्चे बरामद किए जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि इस धंधे से जुड़े लोग सक्रिय हैं। वहीं, रोहतास से ऐसे कई मामले हैं, जहां नाबालिग लड़कियों की खरीद-बिक्री तक की गई। आधिकारिक आंकड़ों पर गौर करें तो कितने ही मामले हैं, जो पुलिस तक पहुंच ही नहीं पाते। जो पहुंचे, उसमें कार्रवाई की गति बहुत तेज नहीं कही जा सकती है। मुख्यालय के एडीजी जितेंद्र सिंह गंगवार ने बताया है कि इस वर्ष जनवरी से अगस्त तक 5958 बच्चे गायब हुए हैं। पुलिस इसकी समीक्षा कर रही है कि किस क्षेत्र में और किन परिस्थितयों में ये बच्चे गायब हुए हैं, ताकि उस अनुरूप कार्रवाई की जा सके। बच्चों की सुरक्षा को लेकर चाइल्ड इंडिया फाउंडेशन और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा चाइल्डलाइन सेवा का संचालन किया जा रहा है। बच्चों के मामले में थाना स्तर पर त्वरित गंभीरता नहीं बरते जाने के कारण ही असामाजिक और आपराधिक तत्व अपनी मंशा में सफल हो जाते हैं। करीब पांच साल पहले गया के डेल्हा थाना क्षेत्र में तीन बच्चे एक साथ शाम में गायब हो गए।

ब्रह्माकुमारी आश्रम में 2 बहनों ने खुदकुशी की

-सुसाइड नोट में लिखा- 25 लाख हड़पे, खिलवाड़ किया, योगीजी इन्हें आसाराम जैसी सजा मिले

आगरा । आगरा के ब्रह्माकुमारी आश्रम में शुक्रवार देर रात दो सगी बहनों ने सुसाइड कर लिया। एक ही कमरे में अलग-अलग फंदे पर दोनों के शव लटके मिले हैं। शवों में 4-5 फीट की दूरी है। आत्महत्या से पहले दोनों बहनों ने सुसाइड नोट भी लिखा। एक ने 3, जबकि दूसरी ने 1 पेज का नोट लिखा। इसे ब्रह्माकुमारी के ग्रुप और परिजनों को वॉट्सऐप पर भेजा। हालांकि, जब तक परिजन और संस्था के लोग मौके पर पहुंचते तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। आत्महत्या करने वाली दोनों बहनों के नाम एकता और शिखा हैं। 15 साल पहले दोनों ने ब्रह्माकुमारी आश्रम से दीक्षा ली थी। सुसाइड नोट में उन्होंने आश्रम से जुड़ी एक महिला समेत 4 कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया है। इसमें इन चारों पर अनैतिक गतिविधि करने और रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट में यह भी आरोप लगाया गया है कि आश्रम में कई बहनों ने पहले भी सुसाइड की है, लेकिन ऐसे मामलों को छिपा लिया जाता है। जिस आश्रम में घटना हुई वह आगरा के थाना जगनेर में स्थित है। दोनों बहनों का घर आश्रम से करीब 13 किमी. दूरी पर है। जिस वक्त वारदात हुई, उस वक्त आश्रम में दोनों बहनों के अलावा एक महिला और थी। वह दूसरे कमरे में थी।

2008 में ली थी ब्रह्माकुमारी की दीक्षा- मौके पर पहुंचे खेरागढ़ महेश कुमार ने बताया कि रात 12 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ब्रह्माकुमारी में दो बहनों ने सुसाइड कर लिया। मौके पर फोरेंसिक जांच की गई। कमरे से सुसाइड नोट और फोन मिला है। उसे कब्जे में लिया है। उसमें कई जानकारी हासिल हुई है।

चुनावी संकल्प पत्र जारी कर भाजपा ने किसानों पर खेला बड़ा दांव

-गेहूं 2700 और धान 3100 रूपए प्रति क्विंटल का संकल्प

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को छोटी दिवाली के अवसर पर पार्टी का विधानसभा चुनाव 20223 के लिए संकल्प पत्र जारी किया। राजधानी स्थित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र को विमोचित किया।

इस अवसर पर मौजूद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान , केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल , ज्योतिरादित्य सिंधिया , अश्विनी वैष्णव , फग्गन सिंह कुलस्ते , प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने संकल्प पत्र को जनहितकारी वादा बताया। इस संकल्प पत्र में प्रमुख 10 संकल्पों में पहले नंबर पर सभी गरीब परिवारों को मुफ्त राशन एवं रियायती दर पर दाल, सरसों का तेल और चीनी देना है। इसके बाद दूसरे नंबर पर किसानों को एसपी के साथ बोनस 2700 प्रति क्विंटल गेहूं , 3100 प्रति क्विंटल खरीदने का संकल्प दिया गया है।

इसी तरह तेंदूपत्ता संग्रहण को 4000 प्रति बोरा, गरीब परिवार के सभी छात्रों को 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा , आईआईटी के तर्ज पर मध्य प्रदेश इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, प्रत्येक परिवार में काम से कम एक रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर , इस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने अपना संकल्प पत्र जारी किया है। इसके अलावा प्रमुख बिंदुओं में सर्वशिक्षा का अधिकार, प्रदेश के प्रत्येक परिवार में कम से कम एक रोजगार या स्वरोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का संकल्प। इस आधार पर प्रत्येक परिवार को रोजगार अथवा स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की मोदी की गारंटी का उल्लेख किया गया है।

संकल्प पत्र में दर्शाया गया है कि मोदी है तो प्रयास है, भाजपा है तो विश्वास है। इस संकल्प के साथ ही पार्टी ने सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए अनेक वादे किये हैं। भाजपा ने 20 साल के जनता के विश्वास को अगले और 5 साल तक बनाए रखने की दृष्टि से हर वर्ग, हर समुदाय को अपने संकल्पों से साथ लिया है। मोदी की गारंटी और भाजपा का भरोसा के तहत सशक्त नारी, समृद्ध किसान, जनजातीय कल्याण, उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा, सबका साथ सबका विकास, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और स्वस्थ्य प्रदेश का संकल्प लेने वाला संकल्प पत्र आज शनिवार को भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने जारी कर मतदाताओं को लुभाने का काम किया है।

दिल्ली की जहरीली हवा के लिए सिर्फ पराली को दोषी बताना गलत

नई दिल्ली। उत्तरी भारत और राष्ट्रीय राजधानी में सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। वहीं दिल्लीवासियों को जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, इस व्यापक रूप से दुनिया की सबसे प्रदूषित हवा करार दिया गया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) स्थिति की गंभीरता के एक स्पष्ट संकेतक के रूप में कार्य करता है, जो नियमित रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा परिभाषित पीएम2.5 कणों की 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सुरक्षित सीमा से 10 गुना अधिक है। नवंबर, दिसंबर और जनवरी के ठंडे महीनों के दौरान शीतकालीन कोहरे के चलते दिल्ली में धुएं और धूल की मोटी चादर होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन कारकों के कारण दमघोंटू धुंध पैदा होती है जो शहर को ढक लेती है, विजिबिलिटी को प्रभावित करती है और श्वसन स्वास्थ्य के लिए हर साल गंभीर खतरा पैदा करती है। दिल्ली की जहरीली वायु गुणवत्ता पर जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में भारी वृद्धि के लिए केवल पराली जलाने को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि वाहन उत्सर्जन जैसे स्थानीय कारकों ने पराली जलाने के प्रमुख कारक बनने से पहले ही दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। सीएसई की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा, इस सर्दी के मौसम की शुरुआत पिछले साल नवंबर की तुलना में काफी अधिक प्रदूषण स्तर के साथ हुई है। प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों, फसल अवशेष जलाने की शुरुआत और उच्च स्थानीय प्रदूषण के संयोजन ने पैमाने को खतरनाक तरीके से झुका दिया है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम बढ़ गया है। भले ही समग्र दीर्घकालिक प्रदूषण वक्र स्थिर और नीचे की ओर है, फिर भी यह राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों से काफी ऊपर है। यह पूरे क्षेत्र में वाहनों, उद्योग, ऊर्जा प्रणालियों और अपशिष्ट प्रबंधन पर सबसे कठोर और निरंतर कार्रवाई की मांग करता है।

बड़ी आतंकी कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी में थे आरोपी : एनआईए

-आईटी कंपनी में मैनेजर को मिलता था 31 लाख का पैकेज, ब्लास्ट के लिए कोड वर्ड का उपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में आईएसआईएस मॉड्यूल की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कहा है कि आरोपी बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने वाले थे। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। अदालत में दायर की गई इस चार्जशीट में एनआईए ने दावा किया है कि आरोपी बड़ी आतंकी कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी में थे और पढ़े लिखे और नामी कंपनियों में काम करने वाले आतंकियों ने कोर्ड वर्ड बनाया था। इसके अलावा बम बनाने वाले मैटेरियल को कोड नेम दिया हुआ था। आतंकवादी बम बनाने के लिए जरूरी विस्फोटक सामान मंगाने के लिए सिरका, शरबत और रोज वॉटर जैसे कोड वर्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। इसमें सिरका का मतलब सलफ्यूरिक एसिड, रोज वाटर का मतलब एसीटोन और शरबत का मतलब हाइड्रोजन पेरोक्साइड था। आतंकी हमले के लिए महाराष्ट्र, गोवा, केरला और कर्नाटक में रेकी की जा चुकी थी। एक आतंकी ने लाखों रुपए की कीमत की हिमायन बाइक से आतंकी हमले के लिए कई राज्यों की रेकी की थी। इतना ही नहीं आतंकियों ने वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था जिसे एनआईए ने सीज कर दिया है।

एनआईए ने चार्जशीट में खुलासा किया कि गिरफ्तार आतंकियों में से ज्यादातर पढ़े लिखे और टेक्निकली बेहद साउंड हैं। गिरफ्तार आरोपी जुल्फिकार आईटी की मल्टीनेशनल कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर काम कर रहा था और सालाना 31 लाख रुपए के पैकेज पर काम कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी शाहनवाज माइनिंग इंजीनियर था जिसे विस्फोटकों की पूरी जानकारी थी। वहीं गिरफ्तार आरोपी कादिर पठान ग्राफिक्स डिजाइनर के तौर काम कर रहा था। पढ़े लिए इन आतंकियों ने आईईडी बनाने के जिन चीजों का इस्तेमाल कर रहे थे उसे देखकर एनआईए भी हैरान रह गई। आसानी से मिलने वाली चीजों का इस्तेमाल आईईडी बनाने में इस्तेमाल कर रहे थे। आतंकवादी वाशिंग मशीन के टाइमर, थर्मामीटर, स्पीकर वायर, 12 वोल्ट के बल्ब, 9 वोल्ट के बैटरी, फिल्टर पेपर, माचिस, सोडा पावडर का इस्तेमाल कर रहे थे। आतंकियों ने पुणे के जंगल में ट्रेनिंग सेंटर बनाया हुआ था जहां ट्रायल भी किया था। मुंबई और पुणे के कई इलाकों में किराए का मकान लेकर लोगों को रेडकलाइज कर रहे थे। एनआईए ने चार्जशीट में खुलासा किया है कि आरोपी अकीफ नाचन ने फरवरी 2022 में मध्य प्रदेश के रतलाम में आतंकी ट्रेनिंग कैंप को अटेंड किया था, ट्रेनिंग कैंप एक पोल्ट्री फार्म में आयोजित किया गया था जिसमें आईईडी बनाने की ट्रेनिंग दी गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सायरा बानो से की मुलाकात और शेयर कीं तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। अपने जमाने की मशहूर अदाकारा सायरा बानों से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सिनेमा की दुनिया में उनके कामों की पीढ़ियों से सराहना की जाती है। दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार की पत्नी सायरा बानों और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात वाली तस्वीरों को लोगों ने पसंद किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर अपनी इस मुलाकात की तस्वीरों को साझा भी किया है। एक्स पर मुलाकात की खूबसूरत तस्वीरें पसंद की जा रही हैं। जारी पहली तस्वीर में प्रधानमंत्री मोदी और खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानों बैठे हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों बात कर रहे हैं। दूसरी तस्वीर में दो आइकन कैमरे के लिए पोज देते दिखे हैं। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा है कि, सायरा बानो जी से मिलना अद्भुत रहा। सिनेमा की दुनिया में उनके बेहतरीन काम ने कई पीढ़ियों को बहुत सिखाया है और सब उनकी तारीफ करते हैं। आज उनसे इस मुलाकात में कई अलग-अलग विषयों पर अच्छी बातचीत हुई। गौरतलब है कि अपने जमाने की मशहूर अदाकारा सायरा बानो ने हिंदी सिनेमा को अनेक यादगार फिल्में दीं हैं। उनमें 1961 में शम्मी कपूर अभिनीत फिल्म जंगली से अभिनय की शुरुआत करने वाली सायरा बानों के नाम शागिर्द, सगीना, ब्लफ मास्टर, आई मिलन की बेला, पड़ोसन और बैराग जैसी अनेक सिनेमाई रत्नों जैसी फिल्में हैं। शादी से पहले उनकी आखिरी फिल्म 1988 में फैसला आई थी। इसके बाद सायरा बानों बड़े पर्दे पर नजर नहीं आईं थीं।

राजस्थान में हैवानियत: कांस्टेबल की 5 साल की बेटी से एसआई ने की दरिंदगी

- आरोपी एसआई अरेस्ट, राहूवास पुलिस थाने पर तोड़-फोड़

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले के राहूवास पुलिस थाना इलाके में सब इंस्पेक्टर द्वारा पांच साल की बच्ची के साथ रेप किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी एसआई को अरेस्ट कर लिया है। राजस्थान पुलिस के ही एक सिपाही की मासूस बेटी से एसआई भूपेंद्र सिंह द्वारा रेप किए जाने की घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। तोड़-फोड़ भी की।

दौसा जिले के राहूवास पुलिस थाने पर लोगों के प्रदर्शन को देखते हुए रेप के आरोपी एसआई ने थाना परिसर में ही खुद को कमरे में बंद कर लिया था। लोगों ने कमरे की खिडक़ी तोडक़र आरोपी एसआई को बाहर निकाला और उसे घसीटते-पीटते हुए चौराहे तक ले गए। दौसा में पुलिसकर्मी द्वारा अपने ही साथी की मासूम बच्ची से रेप के मामले पर सियासत भी हो रही है। सवाई माधोपुर से भाजपा उम्मीदवार व राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने पुलिस थाना राहुलवास के बाहर लोगों के साथ धरना दिया और कार्रवाई की मांग की।

इधर, तारानगर से भाजपा उम्मीदवार व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि दौसा की बच्ची की साथ हुई दरिंदगी की घटना निंदनीय है। यह राजस्थान सरकार के माथे पर बदनुमा दाग है, जो कभी नहीं मिटेगा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने एएसआई छोटेलाल व कांस्टेबल टीकाराम पर आरोपी एसआई भूपेंद्र सिंह को भगाने व सबूत मिटाने का आरोप लगाया। एएसआई छोटेलाल पड़ोस में ही किराए के मकान में रहता है। आरोपी भरतपुर निवासी भूपेंद्र सिंह अक्सर वहां आता था।

दुष्कर्म के आरोप में सब इंस्पेक्टर सस्पेंड

थाने में पीड़िता के पिता की कांस्टेबल टीकाराम और अन्य पुलिस वालों ने बेरहमी से पिटाई की और उसका हाथ तोड़ दिया। मामला दौसा की लालसोट तहसील के राहुवास थाना इलाके का है। दुष्कर्म के मामले में आरोपी भूपेंद्र सिंह को सस्पेंड करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिस मासूम के साथ सब इंस्पेक्टर भूपेंद्र सिंह पर आरोप लगा है उस मासूम का मेडिकल करवा दिया गया है। इधर, पुलिस ने पोक्सो और एससी-एसटी की धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान चालू कर दिया गया है। मासूम के साथ यह दरिंदगी हुई है उसके पिता ने भी पुलिस के ऊपर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता के मेडिकल जांच रिपोर्ट के बाद ही कुछ तय हो पाएगा की हकीकत क्या है। आरोपित पुलिस कर्मी की गिरफ्तारी हो गई है और पुलिस अपने सब इंस्पेक्टर के खिलाफ जांच में जुट गई है। पीड़िता के 164 के बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं। आरोपी सब इंस्पेक्टर को दौसा कोर्ट में पेश किया गया है। आगे के अनुसंधान जारी है।

नीतिश के मॉस्ट्रर स्ट्रोक से बैकफुट पर बिहार में भाजपा

-जाति आधारित आरक्षण का किया समर्थन

पटना (एजेंसी)। बिहार में आरक्षण का मुद्दा जबरदस्त तरीके से गर्म है। बिहार विधानसभा में जाति आधारित आरक्षण को 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने को मंजूरी दे दी। दिलचस्प बात यह है कि इस सर्वसम्मति से विधानसभा में पारित किया गया। यह चुनाव से पहले नीतीश की बड़ी जीत माना जा रहा है। भाजपा ने भी इसमें नीतीश कुमार का समर्थन किया है। वर्तमान में जाति आधारित जनगणना और आरक्षण का मुद्दा विपक्षी दलों की ओर से जबरदस्त तरीके से उठाया जा रहा है। हालांकि, भाजपा इस ओर कुछ खास दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। साथ ही नीतीश ने दो टूक कहा कि केंद्र प्रदेश में जाति आधारित जनगणना कराएं और जरूरत पड़ने पर आरक्षण बढ़ाया जाए। हालांकि नीतीश का यह कदम कहीं ना कहीं आम चुनाव को देखकर बड़ा दांव माना जा रहा है। इसके साथ ही यह चुनाव से पहले जदयू और राजद की जीत का प्रतीक भी बन चुका है।

ऐसा इसलिए हैं, क्योंकि बिहार में भाजपा को देखा जाए, तब वह लगातार नीतीश की जाति आधारित जनगणना और कोटा लाइन के दबाव में रही है। इसकारण विपक्ष में होने के बावजूद भी भाजपा ने बिना विरोध किया आरक्षण विधेयक पर अपना समर्थन दे दिया। जिससे साफ तौर पर पता चलता है कि बिहार में फिलहाल जाति आधारित जनगणना और आरक्षण कितना बड़ा मुद्दा है और कोई पार्टी इसके विरोध में जाकर किसी भी प्रकार का रिस्क नहीं लेना चाहती। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने आरक्षण की सीमा 50 से बढ़ाकर 65फीसद करने की मांग का समर्थन कर कहा कि बिहार में जब-जब जनसंघ और भाजपा सरकार में रही, तब-तब पिछड़ों-अतिपिछड़ों को सम्मान मिला। मोदी ने कहा कि जब कर्पूरी ठाकुर की सरकार ने पिछड़ी जातियों को नौकरी में 27 फीसद आरक्षण दिया, तब जनसंघ के कैलाशपति मिश्र सरकार में शामिल थे।

जातीय सर्वे ने बिहार बीजेपी को बचाव की मुद्रा में ला दिया है। जबकि राज्य इकाई ने जाति सर्वेक्षण और कोटा में वृद्धि का समर्थन किया, पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व सहमत नहीं था। जाति सर्वेक्षण जारी होने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि गरीब सबसे बड़ी जाति है।

भारत में दुनिया के मुकाबले 3 गुना तापमान बढ़ा

-दिल्ली-राजस्थान और पंजाब-हरियाणा को छोड़ सभी राज्यों में पिछले 12 महीने सबसे गर्म रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवंबर 2022 से अक्टूबर 2023 तक हर महीना इतिहास का सबसे गर्म महीना रहा है। ये 12 महीने दुनियाभर में प्री-इंडस्ट्रियल लेवल, यानी 1890-1900 के औसत तापमान से 1.3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहे। क्लाइमेट सेंट्रल नाम की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने वेदर एट्रीब्यूशन एनालिसिस में ये जानकारी दी है। इस स्टडी के मुताबिक, दुनिया के 170 देशों का औसत तापमान बढ़ा है, जिसके चलते 780 करोड़ लोग (99 प्रतिशत) औसत से अधिक गर्म माहौल में रहने को मजबूर हुए। आइसलैंड जैसे इलाकों में साल का औसत तापमान सामान्य से कम रिकॉर्ड किया गया। भारत उन देशों में शामिल रहा, जहां क्लाइमेट चेंज का सबसे ज्यादा असर दिखा।

दुनिया में तापमान जितना बढ़ा, उससे तीन गुना ज्यादा भारत में बढ़ा है। वेदर एट्रीब्यूशन स्टडी के मुताबिक, पिछले 12 महीने में दुनिया की 570 करोड़ आबादी को कम से कम 30 दिन औसत से अधिक तापमान में रहने को विवश होना पड़ा। भारत की 120 करोड़ आबादी (86त्न) को 30 दिन अधिक तापमान में गुजारने पड़े। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान को छोडक़र सभी राज्यों में पिछले 12 महीने सबसे गर्म रहे।

कई देशों ने सामान्य से अधिक तापमान झेला

चीन के 51.3 करोड़ (35 प्रतिशत) और अमेरिका के 8.8 करोड़ (26 प्रतिशत) लोगों को भी सामान्य से अधिक तापमान में रहना पड़ा। जापान, इंडोनेशिया, फिलीपींस, वियतनाम, बांग्लादेश, ईरान, मिस्र, नाइजीरिया, इटली, फ्रांस, स्पेन, यूके, ब्राजील, मैक्सिको और सभी कैरेबियाई देशों की 100 प्रतिशत आबादी को साल में 30 दिन सामान्य से अधिक तापमान वाले दिन गुजारने पड़े।

भारत के 12 शहरों में सामान्य से ज्यादा

एक साल के दौरान देश के 12 शहरों में 100 दिन तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। इनमें आईजोल, ठाणे, विशाखापट्टनम, पणजी, गुवाहाटी, दिसपुर, शिलॉन्ग, बेंगलुरु, इंफाल, तिरुवनंतपुरम, कवरत्ती और पोर्ट ब्लेयर शामिल है।

ये 21 शहर ऐसे, जहां गर्मी अब पहले से ज्यादा

वहीं विजयवाड़ा, अगरतला, दमन, मैसूरू, चेन्नई, कल्याण, मुंबई, ठाणे, आईजोल, बेंगलुरु, कोहिमा, विशाखापट्टनम, पणजी, गुवाहाटी, दिसपुर, शिलॉन्ग, इंफाल, कवरत्ती, तिरुवनंतपुरम, भुवनेश्वर और पोर्ट ब्लेयर में पहले के मुकाबले ज्यादा गर्मी पडऩे लगी है।

आइसलैंड में 14 घंटों में 800 भूकंप

आइसलैंड। यूरोपीय देश आइसलैंड में पिछले 14 घंटों में 800 भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इनमें सबसे बड़े झटके की तीव्रता 5.2 रही। अधिकारियों के मुताबिक धरती के नीचे हो रही गतिविधियों की वजह से ज्वालामुखी फटने का भी डर है। इस बीच नेशनल पुलिस चीफ ने वहां इमरजेंसी घोषित कर दी है। वहीं, लोकल अथॉरिटी ने आशंका जाहिर की है आइसलैंड में कुछ दिनों के भीतर ज्यादा तीव्रता के भूकंप भी आ सकते हैं। आइलैंड के मेट ऑफिस के मुताबिक वहां अक्टूबर से 24 हजार भूकम्प के झटके आ चुके हैं। ज्यादातर भूकम्प के झटके रात 12 से 2 बजे तक महसूस हुए।

कनाडा के शापिंग प्लाजा में सिख व्यक्ति व उसके बेटे की गोली मारकर हत्या

टोरंटो। कनाडा के एडमॉन्टन शहर में एक सिख व्यक्ति और उसके 11 वर्षीय बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार 41 वर्षीय हरप्रीत सिंह उप्पल और उनके बेटे की गुरुवार को एक शॉपिंग प्लाजा में गैस स्टेशन के बाहर उनके वाहन में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। एडमॉन्टन पुलिस ने कहा कि दोनों पीड़ितों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हालांकि इस दौरान वाहन में सवार एक अन्य लड़का बच गया। पुलिस ने कहा कि उप्पल ब्रदर्स कीपर्स नामक गिरोह का सदस्य था और दोनों की हत्या का संबंध प्रतिद्वंद्वी यूएन गिरोह से है। पुलिस ने बताया कि वह अक्टूबर 2021 में तब बच गए थे, जब एक बंदूकधारी ने उन पर कई गोलियां चलाईं, जब वह अपने परिवार के साथ पिज्जा की दुकान पर खाना खा रहे थे। पुलिस ने कहा कि उप्पल की हत्या करने के इरादे से उनका पीछा किया गया और ऐसा ही हुआ। पुलिस ने कहा कि युवा शख्स व उसके बेटे के बारे में हम अभी तक नहीं जानते कि उन्हें क्यों निशाना बनाया गया। मृतक को अनधिकृत हथियार रखने के आरोप में 2013 में 15 महीने की जेल हुई थी। उन्हें कोकीन रखने और तस्करी के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ रहा था। इससे पहले भी उन पर हथियार से हमला करने और अनधिकृत बंदूक रखने का भी आरोप लगाया गया था।

सफारी पार्क में कई दिनों से बीमार शेरनी जेनिफर की मौत

इटावा। इटावा लायन सफारी में कई दिनों से बीमार चल रही एक शेरनी की मौत हो गई। सफारी प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार करीब 11 वर्षीय बीमार शेरनी जेनिफर की उपचार के दौरान शुक्रवार की सुबह मौत हो गई। इटावा लायन सफारी की डायरेक्टर दीक्षा भंडारी ने बताया कि सफारी पार्क की शेरनी जेनिफर ने शुक्रवार सुबह किडनी में संक्रमण के उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि जेनिफर का जन्म 21 मई 2012 को प्राणी उद्यान जूनागढ़ में हुआ था, जिसे 23 सितंबर 2019 को इटावा लायन सफारी पार्क में लाया गया था। भंडारी ने बताया कि जेनिफर ने वयस्क होने पर इटावा लायन सफारी में 15 अप्रैल 2020 को एक शावक को जन्म दिया जिसका नाम सफारी प्रशासन द्वारा केशरी रखा गया। जेनिफर के दूसरे शावक का जन्म 10 अगस्त 22 को हुआ, जिसका नाम विश्वा रखा गया जो वर्तमान में सफारी पार्क में है। जेनिफर छह मई 2021 को कोविड-19 से संक्रमित हुई थी, जिसका उपचार लगभग तीन माह चलने पर वह ठीक हो गई थी किंतु उसकी किडनी में संक्रमण बना रहा। उन्होंने बताया कि जेनिफर का उपचार सफारी प्रशासन और विशेषज्ञों की देखरेख में चलता रहा और इसी दौरान अक्टूबर 23 में वह पुन : बीमार पड़ गई। उसने बीमारी के चलते खाना छोड़ दिया तो सफारी के डाक्टरों और विशेषज्ञ डॉक्टरों के इलाज से वह ठीक हो गई लेकिन एक बार फिर वह 28 अक्टूबर 23 को मार हो गई जिसका विशेषज्ञ डाक्टरों और सफारी पार्क के डॉक्टर एवं पशु चिकित्सक द्वारा उपचार किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान आज सुबह साढ़े आठ बजे बजे शेरनी ने दम तोड़ दिया। जेनिफर के शव को पोस्टमार्टम के लिए आईवीआरआई, बरेली भेजा जा रहा है।

सबसे ताकतवर रॉकेट को फिर से लॉन्च करने की तैयारी

-17 नवंबर को स्टाशिप को स्पेस में भेजेंगे मस्क, पिछली बार विस्फोट हो गया था

वॉशिंगटन । स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप व्हीकल का दूसरा टेस्ट 17 नवंबर को करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने बताया कि फाइनल रेगुलेटरी अप्रूवल अभी पेंडिंग है। ये मिशन 1.30 घंटे का होगा। लाइव स्ट्रीमिंग 30 मिनट पहले शुरू होगी। इसमें स्टारशिप को स्पेस में ले जाया जाएगा, फिर पृथ्वी पर वापस लाकर पानी में लैंड कराया जाएगा। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है। ये एक रीयूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम है जिसके जरिए इंसान मंगल ग्रह पर जाएंगे। 20 अप्रैल के टेस्ट में स्टारशिप एक्सप्लोड हो गया थाइससे पहले 20 अप्रैल को स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट किया गया था। इस टेस्ट में बूस्टर 7 और शिप 24 को लॉन्च किया गया था। हालांकि स्टारशिप लिफ्ट ऑफ के 4 मिनट बाद गल्फ ऑफ मैक्सिको के करीब 30 किलोमीटर ऊपर एक्सप्लोड हो गया था। स्टारशिप के फेल होने के बाद भी स्पेसएक्स हेडक्वार्टर में एलन मस्क और एम्प्लॉइज खुशी मना रहे थे। ऐसा इसलिए क्योंकि रॉकेट का लॉन्चपैड से उड़ना ही बड़ी सफलता थी। स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। ये दुनिया का सबसे ऊंचा और ताकतवर रॉकेट है। एलन मस्क ने भी स्टारशिप लॉन्च से दो दिन पहले कहा था- सफलता शायद मिले, लेकिन एक्साइटमेंट की गारंटी है।

दहशत में रेक्जाविक लोग, 14 घंटे के अंदर आठ सौ बार हिली धरती

-अक्टूबर से अभी तक 24000 भूकंप के झटके आ चुके

रेक्जाविक । भूकंप के एक ही झटका लोगों को दहशत में ला देता है। सोचिए अगर कहीं भूकंप के आठ सौ झटके आ जाएं, वहां भी मात्र 14 घंटे के अंदर तब वहां के लोगों का क्या हाल होगा। कुछ ऐसा ही हुआ है आइसलैंड में, जहां इसी सिलसिलेवार अंदाज में भूकंप आया। भूकंप को ज्वालामुखी का असर बताया जा रहा है, जिसने देश के दक्षिणी-पश्चिमी हिस्से को हिला डाला। सिविल प्रोटेक्शन और इमरजेंसी मैनेजमेंट ने कहा गया है कि नेशनल पुलिस चीफ ने इमरजेंसी घोषित की है। प्रशासन ने कहा कि फिलहाल हो भूकंप आ रहे हैं, इनसे भी ज्यादा बड़े भूकंप आ सकते हैं। आइसलैंडिक मेट ऑफिस (आईएमओ) ने भी इस लेकर चेतावनी जारी की है। इसके मुताबिक कुछ दिनों में फिर भूकंप का झटका आ सकता है। जिस विलेज ऑफ ग्रिंडविक करीब तीन किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है। यहां पर 4000 लोग रहते हैं। स्थानीय समयानुसार 1730 पर भूकंप के दो तगड़े झटके महसूस किए गए। यह झटके इतने तगड़े थे कि 40 किमी दूर राजधानी रेक्जाविक तक महसूस किए गए। इसके चलते देश के दक्षिणी हिस्से में खिड़कियां और घर में रखी चीजें भी टूट गईं। आईएमओ के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इसमें सबसे बड़ा झटका 5.2 मैग्नीट्यूट का था। पुलिस ने भूकंप के झटकों के चलते खराब हुई एक सड़क को बंद कर दिया। आईएमओ के मुताबिक बीते अक्टूबर से अभी तक यहां पर 24000 भूकंप के झटके आ चुके हैं। इसमें 800 झटके शुक्रवार को आधी रात के बीच दर्ज किए गए। बताया जाता है कि इन सभी का केंद्र जमीन से करीब 5 किलोमीटर अंदर था। भूकंप आने के बाद ग्रिंडाविक में इमरजेंसी शेल्टर्स और हेल्प सेंटर्स को खोल दिया गया था। इसका मकसद प्रभावितों को मदद मुहैया कराना है। ग्रिंडाविक में कई होटलों और टूरिस्ट स्पॉट्स को भूकंप की चेतावनी के मद्देनजर बंद कर दिया गया है। यहां पर कई सक्रिय ज्वालामुखी हैं, जिसके चलते यह इलाका बेहद नाजुक हालत में है।

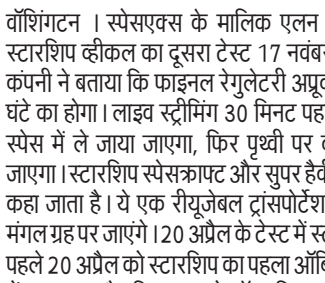

मध्य गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी लोगों को गाजा शहर से दक्षिण की ओर जाते हुए देखा गया। गाजा में, लोगों का दक्षिण की ओर भागना जारी रहा। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि गुरुवार को 50,000 से अधिक लोग पैदल या गधा गाड़ियों पर भाग गए।

अमेरिकी वित्त मंत्री और चीनी समकक्ष ने बाइडेन और चिनफिंग के बैठक के लिए मसौदा तैयार किया

वाशिंगटन । अमेरिकी वित्त मंत्री जैनेट येलेन ने कहा कि उन्होंने और उनके चीनी समकक्ष ने दो दिवसीय वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच उपयोगी बैठक का जमीनी आधार तैयार करने में मदद की। अमेरिकी वित्त मंत्री येलेन ने कहा कि दोनों देशों के बीच कई मामलों पर अहसमति है, लेकिन उन्होंने और चीन के उप प्रधानमंत्री ही लिफेंग ने ऋण मुद्दों से लेकर जलवायु परिवर्तन से संबंधित आर्थिक मुद्दों तक, वैश्विक चुनौतियों पर मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। येलेन ने कहा कि दोनों देश ''स्वस्थ आर्थिक संबंध के उस उद्देश्य का स्वागत करते हैं, जो दोनों देशों में कंपनियों और श्रमिकों के लिए समान अवसर प्रदान करता है और उनके लोगों को लाभ पहुंचाता है।'' येलेन ने जुलाई में वित्त मंत्री के रूप में चीन की अपनी पहली यात्रा की थी और अब उनके अगले साल फिर से चीन की यात्रा करने की योजना है। बाइडन और शी सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के इतर बुधवार को मुलाकात करने वाले है। यह दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं के बीच इस साल पहली मुलाकात होगी। दोनों देशों के वित्त प्रमुखों ने इस सप्ताह सैन फ्रांसिस्को में कई आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर प्रगति करने के उद्देश्य से इसतरह के समय में बातचीत की, जब उनके बीच प्रतिस्पर्धा काफी तेज हो गई है। वित्त मंत्रालय ने बैठक की जानकारी देकर कहा कि दोनों पक्ष आर्थिक मुद्दों पर संवाद बढ़ाने पर सहमत हुए और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मौत के लिए आईएसआईएस और हमास जिम्मेदार, ये पेरिस, न्यूयॉर्क सहित दुनियाभर में कर सकते है हमले : नेतन्याहू

-युद्धग्रस्त हमास के बच्चों- महिलाओं को बख्शने की फांसीसी राष्ट्रपति की अपील पर इजराइली पीएम का पलटवार

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में चल रहे इजराइली हमले के बीच इजराइल ने 7 अक्टूबर को हमास के हमले में मरने वाले लोगों की संख्या घटा दी है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि पहले 1400 लोगों के मारे जाने की जानकारी थी, लेकिन ये संख्या 1200 है।

उधर इजराइल की बमबारी से गाजा में 11 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा में इजराइली बमबारी से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को इजराइली सेना ने पहले तो गाजा के अल शिफा अस्पताल के पास स्ट्राइक की। इसके बाद 3 अस्पतालों को चारों तरफ से घेर लिया है। मरीज और स्टाफ अस्पताल में बंद हैं, जबकि बाहर इजराइल और हमास लड़ाकों के बीच मुठभेड़ हो रही है। अल शिफा अस्पताल के पास हुए धमाके में 13 लोगों की जान चली गई। इजराइली सेना ने जिन 3 अस्पतालों को घेरा है उनमें अल शिफा, अल कुदस और इंडोनेशिया हॉस्पिटल शामिल हैं। इजराइल की डिफेंस फोर्सेज ने दावा किया है कि इन अस्पतालों के नीचे हमास के कमांड सेंटर हैं। इजराइल ने कहा है कि अल शिफा अस्पताल के नीचे हमास इंटेलिजेंस का मेन क्वार्टर है। वो इसी पर बमबारी कर रहे हैं। वहीं, हमास ने इजराइल पर बेगुनाह लोगों की जान लेने का आरोप लगाया है। इस बीच अब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइल से सीज फायर की अपील की है कि गाजा में औरतों और बच्चों को मारना बंद किया जाना चाहिए। हालांकि, मैक्रों ने ये भी कहा है कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

उधर मैक्रों के बयान पर आपत्ति जाहिर करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि गाजा में हो रही मौतों का जिम्मेदार आईएसआईएस और हमास है। नेतन्याहू ने दुनिया को चेतावनी देते हुए कहा- हमास ने गाजा में जो अपराध किए हैं वो पेरिस, न्यूयॉर्क और पूरी दुनियाभर में हो सकते हैं।

वहीं अरब देशों के साथ सऊदी अरब एक समिट करने जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के राष्ट्रपति रईसी भी इस समिट में शामिल हो सकते हैं। चीन की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद सात साल बाद ऐसा होगा जब ईरान के रईसी सऊदी के दौरे पर होंगे।

इमरान की पत्नी बुशरा बीबी हो सकती हैं गिरफ्तार

-राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो कर रहा जांच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को गिरफ्तार किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया हैं कि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) कुछ सबूतों की जांच कर रही है, जिनकी पुष्टि होने पर बुशरा बीबी की स्थिति गवाह से आरोपी में बदलेगी और उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। सबूत कुछ वित्तीय लेनदेन से जुड़ा हैं, जो बुशरा बीबी को कथित तौर पर मिला था। इस बीच, एनएबी ने इमरान के कथित भ्रष्टाचार के मामलों तोशखाना और यूके की एनसीए (राष्ट्रीय अपराध एजेंसी) में भी निष्कर्ष की ओर अपनी जांच तेज कर दी है। एनएसी के 190 मिलियन पाउंड के मामले को अल-कादिर ट्रस्ट मामले के रूप में भी जाना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, ब्यूरो जल्द ही इन जांचों को पूरा कर इमरान के खिलाफ मामला दर्ज करने के बारे में फैसला ले सकता है। रिपोर्ट के अनुसार पीएमएल-एन के अज्ञ तरार ने फराह के कथित भ्रष्टाचार पर एक विस्तृत प्रेसवार्ता की और उन्हें इमरान खान एवं बुशरा बीबी के साथ जोड़ा। यह दावा किया गया था कि फराह की घोषित और गैर-घोषित संपत्ति में 2017 से 2020 तक 4,520 मिलियन पीकेआर की आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। सूत्रों ने एक सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की, जिसमें आरोप लगाया गया कि फराह गोगी ने पीटीआई सरकार के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया। फराह गोगी, उनके पति अहसान जमील गुज्जर और उनके सहयोगियों के 102 बैंक खातों में 14 अरब रुपये से अधिक जमा हैं। फरहत शहजादी उर्फ ??फराह गोगी की घोषित और गैर-घोषित संपत्ति में 2017 से 2020 तक 4,520 मिलियन रुपये की वृद्धि हुई।

रूस की मदद से चीन बना रहा साइलेंट परमाणु पनडुब्बी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन एक बेहद खतरनाक परमाणु हथियारों वाली पनडुब्बी बनाने के करीब पहुंच गया है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीन 096 टाइप की बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन का निर्माण कर रहा है। अनुमान है कि इस दशक के अंत तक चीन इसे मोर्चे पर ले आएगा। इन परमाणु पनडुब्बियों में रूसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इससे ये समुद्र में संचालन के दौरान बेहद कम आवाज करेंगी। इस कारण इसे ट्रैक कर पाना अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए बेहद मुश्किल होगा। मई में यूएस नेवल वॉर कॉलेज में आयोजित सम्मेलन में भी इस पर चर्चा हुई थी। चीन के मेरीटाइम स्टडीज इंस्टीट्यूट ने अगस्त में एक लेख में नई परमाणु पनडुब्बी की जानकारी दी थी।

भारत के लिए चीन पर नजर रखना मुश्किल होगा

फिलहाल चीन की परमाणु पनडुब्बियां हमला करने की पूरी ताकत के साथ साउथ चाइना सी और हिंद प्रशांत सागर में गश्त करती रहती हैं। अमेरिका और भारत-जापान समेत उसके अन्य सहयोगी देश चीनी परमाणु पनडुब्बियों पर नजर रखते हैं। हालांकि 096 पनडुब्बी के आने के बाद इन देशों की चुनौती कई गुना बढ़ जाएगी। हालांकि, भारत समेत पश्चिमी देशों के पास भी साइलेंट परमाणु पनडुब्बियां हैं। इनमें से एक इंडियन नेवी की वागीर है।

होड़ बढ़ी, सऊदी अरब, ईरान और बेलारूस भी एटमी हथियार चाह रहे

इजराइल की एटॉमिक एनर्जी कमीशन के एक बड़े अधिकारी ने हाल ही में सऊदी अरब को लेकर चेतावनी दी थी। चीन की ओर से सऊदी अरब को परमाणु कार्यक्रम में मदद करने का वादा करने की खबर आई थी। अमेरिका के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों के मुताबिक पाकिस्तान तेजी से परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाता रहा, साल 2025 तक उसके परमाणु हथियारों 200 होंगे। अमेरिकी डिफेंस मिनिस्ट्री का दावा है कि ईरान के पास परमाणु हथियार विकसित करने के लिए पर्याप्त सामग्री है। उसके यूरेनियम का उत्पादन परमाणु हथियार बनाने के लेवल तक पहुंचता जा रहा है। वहीं, बेलारूस में रूस की ओर से परमाणु हथियारों की तैनाती को हरी झंडी मिल चुकी है। ऐसे में बेलारूस के भी परमाणु हथियारों की रेस में उतरने की संभावना है।

मानवीय विराम के अलावा युद्ध का कोई अन्य समाधान नहीं: मैक्रो

-फ्रांस के राष्ट्रपति ने की अपील, महिलाओं और बच्चों को मारना बंद करे इजरायल

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने इजरायल से अपील की है, कि वह महिलाओं और बच्चों को मारना बंद करें। उन्होंने कहा कि इजरायल को गाजा में यहूदी राष्ट्र और हमास आतंकवादी समूह के बीच बढ़ते युद्ध के बीच शिशुओं और महिलाओं को मारना बंद करना चाहिए। वार्षिक पेरिस शांति मंच की समाप्ति के बाद शुक्रवार रात एक चैनल से बात करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उस शिखर सम्मेलन में उपस्थित सभी सरकारों और एजेंसियों का स्पष्ट निष्कर्ष है कि पहले मानवीय विराम के अलावा कोई अन्य समाधान नहीं है। एक युद्धविराम, जो हमें उन सभी नागरिकों की रक्षा करने की अनुमति देगा, जिनका आतंकवादियों से कोई लेना-देना नहीं है। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने कहा कि यह दुखद हे कि शिशुओं, महिलाओं और बूढ़े लोगों पर बमबारी की जाती है और उन्हें मार दिया जाता है। इसका कोई कारण नहीं है और कोई वैधता नहीं है। इसलिए हम इज़राइल से इसे रोकने का आग्रह करते हैं।

राष्ट्रपति ने आगे कहा कि फ्रांस 7 अक्टूबर के हमास हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करता है और हम इज़राइल का दर्द साझा करते हैं। और हम आतंकवाद से छुटकारा पाने की उनकी इच्छा को साझा करते हैं। हम जानते हैं कि आतंकवाद का क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि गाजा में नागरिकों पर जारी बमबारी का कोई औचित्य नहीं है। मैक्रॉन ने बीबीसी को बताया कि हमारे सिद्धांतों के कारण यह हम सभी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम लोकतांत्रिक हैं। यह मध्य से दीर्घावधि के साथ-साथ इज़राइल की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है, यह पहचानना कि सभी का जीवन मायने रखता है।

उनसे जब पूछा कि क्या इज़राइल ने गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा है तो राष्ट्रपति ने कहा कि मैं न्यायाधीश नहीं हूं। मैं राज्य का प्रमुख हूं। उन्होंने कहा कि इज़राइल की आलोचना करना सही नहीं होगा, जिसे वह एक भागीदार और एक मित्र कहते हैं। लेकिन मैक्रॉन ने कहा कि वह इस बात से असहमत हैं कि इजरायल के लिए खुद को बचाने का सबसे अच्छा तरीका गाजा पर बमबारी करना है, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र में नाराजगी और बुरी भावनाएं पैदा कर रहा है, जो संघर्ष को लम्बा खींच देगा। मैक्रॉन ने सभी फ्रांसीसी नागरिकों से यहूदी विरोधी कृत्यों की बिना किसी अस्पष्टता के निंदा करने, यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ एकजुट होने और फिलिस्तीनियों के दर्द या करुणा को साझा करने का भी आह्वान किया।

इजराइल-हमास की जंग में नरकीय जिंदगी जीन को मजबूर हुए सैकड़ों फलस्तीनी नागरिक

-खचाखच भरे शिविरों में खुजली, दस्त के संक्रमण से जूझ रहे

गाजा (एजेंसी)। इजराइल और फलस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास के बीच जारी युद्ध के मध्य हालात ये हैं कि लोग रोटी लेने के लिए कतारों में झगड़ रहे हैं, खारे पानी की एक-एक बाल्टी लेने के लिए घंटों इंतजार कर रहे हैं। साथ ही खचाखच भरे शिविरों में खुजली, दस्त और सांस संबंधी संक्रमण से जूझ रहे हैं।दीर अल-बलाह शहर में संयुक्त राष्ट्र के शिविर में राहत कार्यों में लगी एक महिला और पांच बच्चों की मां सुजैन वाहिदी ने कहा, मेरे बच्चे भूख से रो रहे हैं और थक चुके हैं। यहां तक की वे शौचालय का इस्तेमाल नहीं कर सकते। दीर अल-बलाह शिविर में सैकड़ों लोगों को एक ही शौचालय का प्रयोग करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मेरे पास उनके लिए कुछ नहीं है। इजराइल-हमास के बीच युद्ध के दूसरे महीने में अब तक गाजा में 10,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है साथ ही यहां फंसे हुए लोगों को बिना बिजली और पानी के जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

उत्तरी गाजा में इजराइल के जमीनी हमले से बच निकले फलस्तीनी लोगों को अब दक्षिण क्षेत्र में भोजन और दवा की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

पांच लाख से ज्यादा लोग दक्षिण के अस्पतालों और संयुक्त राष्ट्र के स्कूलों से शिविरों में तब्दील हुए इमारतों में खचाखच भरे हुए हैं। कूड़े के ढेर और उनपर मंडराते हुए मच्छर-मक्खियों ने इन स्कूलों को संक्रमाक बीमारियों का स्थल बना दिया। युद्ध की शुरुआत से ही मदद के लिए सैकड़ों की संख्या में ट्रकों ने दक्षिणी रफा के माध्यम से गाजा में प्रवेश किया लेकिन राहत संगठनों का कहना है कि यह मदद समुद्र में एक बूंद के बराबर है। रोटी और पानी की तलाश में घंटों-घंटों कतारों में खड़े रहना अब रोजाना का किस्सा हो गया है।

गाजा का सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो गया है, जिसने दशकों तक संघर्ष, इजराइल के साथ चार युद्ध और फलस्तीनी बलों से सत्ता छीनने वाले हमास के बाद 16 साल तक प्रतिबंधों को झेला है। दक्षिणी शहर खान यूनुस में नॉर्वे रिफ्यूजी काउंसिल में राहत कार्यों से जुड़े शख्स यूसुफ हम्माश ने कहा, आप जहां भी जाएंगे आपको सिर्फ लोगों की आंखों में पीड़ा ही दिखाई देगी। उन्होंने कहा,'' आप कह सकते हैं कि वे अपने जीवन के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।'' सुपरमार्केट जैसी बड़ी दुकानें लगभग खाली हो चुकी हैं। आटा और ओवन के लिए ईंधन की कमी की वजह से बेकरी बंद हो गई हैं। गाजा के खेतों तक पहुंचना लगभग असंभव हो गया है और प्याज व संतरे के अलावा ज्यादातर चीजें बाजारों से नदारद हैं। बहुत से परिवार सड़कों पर ही आग जलाकर दाल पका रहे हैं।

बहुत से लोगों का कहना है कि उन्हें मांस, अंडे खाए और दूध पिए हफ्तों गुजर चुके हैं और नौबत यह है कि अब दिन में सिर्फ एक बार खाने को ही मिलता है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम की प्रवक्ता आलिया जकी ने कहा, लोगों पर कुपोषण और भूख से मरने का वास्तविक खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों से जुड़े लोग जिस खाद्य असुरक्षा की बात करते हैं, गाजा के 23 लाख लोगों पर उसका खतरा मंडरा रहा है।

ओलिवर कान ने भारत में फुटबॉल अकादमी शुरू की

मुंबई ।

जर्मनी और एफसी बायर्न म्यूनिख के दिग्गज ओलिवर कान भारतीय फुटबॉल पर एक बड़ा प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्होंने देश में ओलिवर कान अकादमी शुरू करने की अपनी दूरदर्शी योजना का खुलासा किया है। महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य देश में फुटबॉल के विकास में क्रांति लाना और इसकी विशाल क्षमता का दोहन करना है। ओलिवर कान अकादमी व्यापक फुटबॉल शिक्षा का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो न केवल खिलाड़ियों बल्कि अच्छी तरह से विकसित एथलीटों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। महत्वाकांक्षी योजना में पूरे भारत में फुटबॉल क्लबों और खेल अकादमियों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी अकादमियां स्थापित करना शामिल है। साथ ही, भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गोलकीपर अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जो गोलकीपिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनेंगी, जो अक्सर किसी भी सफल टीम की रीढ़ होती हैं। महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी इस पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ओलिवर कान अकादमी को इस क्षेत्र में एक मजबूत पकड़ स्थापित करने और फुटबॉल विकास के लिए एक मॉडल के रूप में काम करने में सक्षम बनाता है। ओलिवर कान, सबसे प्रसिद्ध फुटबॉल आइकन में से एक, संस्थापक, ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले, खेल के लिए अपने ज्ञान और उत्साह को भारत ले जाते हैं, उनका मानना है कि देश में अप्रयुक्त क्षमता का खजाना है।योजना के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, भारत फुटबॉल में काफी संभावनाओं वाला देश है।

बेटी को जन्म देने के 6 माह बाद ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापसी करेंगी नाओमी

ब्रिस्बेन।

दुनिया की पूर्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका अपनी बेटी को जन्म देने के छह महीने बाद दिसंबर में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के जरिये 2024 में वापसी करने के लिए तैयार हैं। 26 वर्षीय जापानी ने इस साल की शुरुआत में जनवरी में अपनी गर्भावस्था की घोषणा की और जुलाई में अपनी बेटी शाई को जन्म दिया। चार बार की प्रमुख चैंपियन ने सितंबर 2022 में टोक्यो में टोरे पैन पैसिफिक के बाद से डब्ल्यूटीए टूर पर कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। 31 दिसंबर से शुरू होने वाला डब्ल्यूटीए 500 इवेंट ब्रिस्बेन, ओसाका का नए सीज़न का पहला टूर्नामेंट होगा।

ओसाका ने कहा, मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सीज़न शुरू करना पसंद है और वापसी का इंतजार नहीं कर सकती। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल एक शानदार टूर्नामेंट है और यह मुझे इस गर्मी में शानदार वापसी के लिए तैयार करेगा।ओसाका की वापसी के साथ ही, ब्रिस्बेन अंतर्राष्ट्रीय आयोजकों ने दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अजारेंका के महिला डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट में शामिल होने की पुष्टि की है, जिससे मुख्य ड्रॉ में खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। वर्ल्ड नंबर 22 अजारेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में जीत-हार का शानदार रिकॉर्ड 15-2 का बनाया है, उन्होंने 2009 और 2016 में खिताब जीता था। पूर्व विश्व नंबर 1 और तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे आठ बार के एटीपी एकल विजेता और ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2017 चैंपियन दिमित्रोव के साथ पुरुषों के एटीपी 250 क्षेत्र में भाग लेंगे।ब्रिस्बेन इंटरनेशनल कोविड-19 महामारी के बाद तीन साल के अंतराल के बाद वापस आएगा और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के रूप में काम करेगा। मरे ने कहा, ब्रिस्बेन इंटरनेशनल को वापस देखना बहुत अच्छा है और मैं वास्तव में इस गर्मी में क्वींसलैंड लौटने के लिए उत्सुक हूं। मेरे पास 2012 और 2013 में खिताब जीतने की बहुत अच्छी यादें हैं और मैं ब्रिस्बेन में तीसरी बार फिर से ट्रॉफी उठाना पसंद करूंगा। 31 दिसंबर से 7 जनवरी तक क्वींसलैंड टेनिस सेंटर में संयुक्त डब्ल्यूटीए 500 और एटीपी 250 टूर्नामेंट की वापसी पर रिकॉर्ड 3.1 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि की पेशकश की जाएगी।

आईसीसी ने सरकारी हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका क्रिकेट की सदस्यता निलंबित की

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका क्रिकेट की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जिसे लेकर पिछले सप्ताह से काफी उथल-पुथल चल रही थी। इसमें कहा गया है कि निलंबन की शर्तें आईसीसी बोर्ड द्वारा उचित समय पर तय की जाएंगी। यह घटनाक्रम भारत में 2023 मेंस ओडीआई वर्ल्ड कप में श्रीलंका के बेंगलुरु में न्यूजीलैंड से पांच विकेट की हार के ठीक एक दिन बाद आया है। टूर्नामेंट में श्रीलंका ने दो मैच जीते जबकि सात हारे, जिससे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उसकी योग्यता खतरे में पड़ गई क्योंकि वे अंक तालिका में शीर्ष आठ टीमों से बाहर हो गए। आईसीसी बोर्ड ने शुक्रवार को बैठक की और निर्णय लिया कि श्रीलंका क्रिकेट एक सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का गंभीर उल्लंघन कर रहा है। विशेष रूप से, अपने मामलों को स्वायत्त रूप से प्रबंधित और सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि श्रीलंका में क्रिकेट का शासन, विनियमन और/या प्रशासन में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं है। संयोग से जिस दिन टूर्नामेंट में श्रीलंका का अभियान समाप्त हुआ, उसकी संसद ने सर्वसम्मति से एसएलसी बोर्ड को बर्खास्त करने का प्रस्ताव पारित किया। संसद में इस प्रस्ताव का सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने समर्थन किया। रणसिंघे ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और 1996 विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा को एसएलसी प्रबंधन के स्थान पर देश में क्रिकेट मामलों को संचालित करने के लिए सात सदस्यीय अंतरिम समिति का प्रमुख नियुक्त किया था। 2 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को भारत से 302 रन की बड़ी हार का सामना करने के बाद देश में सार्वजनिक आक्रोश फैल गया था और कई लोगों ने सिल्वा के नेतृत्व वाले एसएलसी बोर्ड को बर्खास्त करने की मांग की थी, जो इस साल मई में चेयरमैन पद के लिए चुने गए थे। जिम्बाब्वे क्रिकेट को 2019 में सरकारी हस्तक्षेप के कारण निलंबित किए जाने के बाद पिछले कुछ वर्षों में एसएलसी दूसरा पूर्ण सदस्य है जिसकी सदस्यता आईसीसी द्वारा निलंबित की गई है।

यह देखना बाकी है कि आईसीसी एसएलसी निलंबन के संदर्भ में क्या शर्तें लगाता है और इसका देश में क्रिकेट गतिविधियों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है, यह देखते हुए कि श्रीलंका अगले साल जनवरी में होने वाले 2024 मेंस अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप का मेजबान भी है।

अपना अपराजेय क्रम बरकरार रखने उतरेगी टीम इंडिया

टीमें

भारत। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, ईशान किशन, प्रसिद्ध कृष्णा, सूर्यकुमार यादव।

नीदरलैंड। स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओ डोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामनुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रूलोफ वैन डेर मर्व , लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, नोआ क्रॉस, वेस्ले बरेंसी, साकिब जुल्फिकार , शारिज़ अहमद, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट।

बेंगलुरु,

सेमीफाइनल में सबसे पहले पहुंच चुकी टीम इंडिया आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में रविवार को यहां नीदरलैंड्स के खिलाफ अपने अंतिम लीग मुकाबले में अपराजित रहते हुए टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश करने के इरादे से उतरेगी।आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व कप में अब तक भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है और आठ मैचों में आठ जीत के रास्ते में उसे शायद ही कभी परेशानी का सामना करना पड़ा हो। ऐसा लग रहा है कि नीदरलैंड्स स्टैंडिंग में सबसे नीचे है और डेविड और गोलियथ के बीच टक्कर है, लेकिन टूर्नामेंट के मेजबानों के लिए डचों को कम आंकना नासमझी होगी। प्रतिभाशाली नीदरलैंड्स की टीम ने टूर्नामेंट के शुरू में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दिखाया कि वे अपने स्तर पर हैं और बांग्लादेश पर उनकी जीत भी उतनी ही प्रभावशाली थी। हालाँकि, उन्हें भारत को पछाड़ने के लिए अपने सभी स्टार खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता होगी, जिसमें बास डी लीडे, मैक्स ओ डोड, लोगान वैन बीक और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स का प्रदर्शन उनकी उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण होगा।नीदरलैंड के पास भी अपना आकर्षण है, एक जीत उन्हें स्टैंडिंग में शीर्ष आठ स्थानों में और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफिकेशन स्थानों में से एक में ले जा सकती है।बेंगलुरु में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम भारत के सबसे पुराने और ऐतिहासिक स्टेडियमों मे से एक है। इस स्टेडियम में अब तक भारत ने वनडे विश्व कप के तीन मैच खेले हैं। भारत को इस मैदान पर वनडे विश्व कप में एक भी हार नहीं झेलनी पड़ी है और वे इसी लय को जारी रखने की कोशिश नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ भी करेंगे।

नेडबैंक गोल्फ चैलेंज : शुभंकर शर्मा ने 68 का कार्ड खेला

सन सिटी (दक्षिण अफ्रीका) ।

भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने नेडबैंक गोल्फ चैलेंज के पहले दौर में चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेलकर सत्र की अंतिम डीपी विश्व टूर चैम्पियनशिप में अपना स्थान सुनिश्चिल करने का मौका प्रदान किया। उन्होंने तीन बर्डी, एक ईगल लगाई और एक बोगी कर बैठे। इससे वह संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर चल रहे हैं। चार गोल्फर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर चल रहे हैं जिसमें दुनिया के आठवें नंबर के मैक्स होमा भी शामिल हैं। शुभंकर इनसे दो शॉट पीछे हैं। इसी तरह भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर और करणदीप कोचर ने शुक्रवार को यहां 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के हांगकांग ओपन के दूसरे दौर में चार अंडर 66 के समान कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर चल रहे हैं। पहले दौर में भी इन दोनों गोल्फरों ने 67 के समान कार्ड खेले थे। थाईलैंड के फाचारा खोंगवाटमाई ने सात अंडर पार 63 का कार्ड खेला जिससे वह 12 अंडर से बढ़त बनाए हैं।

25 वर्षीय युवा खिलाड़ी रचिन रविंद्र ने अपने नाम दर्ज किए कई रिकॉर्ड

डैब्यू विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

मुंबई । न्यूजीलैंड के ऑलराऊंडर रचिन रविंद्र ने श्रीलंका के खिलाफ 42 रन की पारी खेलने के साथ ही क्रिकेट विश्व कप के कई बड़े रिकॉर्ड पर अपना नाम लिख लिया। रचिन मौजूदा क्रिकेट विश्व कप के टॉप स्कोरर हैं, साथ ही डैब्यू विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस विश्व कप तीन शतक लगा चुके रचिन ने बीते दिनों ही सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा था। आगामी मैचों में उनकी नजर सचिन द्वारा एक विश्व कप में बनाए गए सर्वाधिक 673 रन (विश्व कप 2011) के रिकॉर्ड को तोड़ने पर बनी हुई है।

पहले विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक रन बनने वाले बल्लेबाजों में 565 रन के साथ रचिन रवीन्द्र (2023) प्रथम स्थान पर हैं। 532 रन के साथ जॉनी बेयरस्टो (2019) दूसरे नंबर पर, 474 रन के साथ बाबर आजम (2019) तीसरे पायदान पर, 465 रन के साथ बेन स्टोक्स (2019) चौथे नंबर पर, 461 रन के साथ राहुल द्रविड़ (1999) पांचवे पायदान पर हैं। 25 वर्ष की आयु से पहले एक विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक रन- 565 रन रचिन रवीन्द्र (2023), 523 रन सचिन तेंदुलकर (1996), 474 रन बाबर आजम (2019), 372 रन एबी डिविलियर्स (2007) के हैं। मैच की बात करें तब

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लेते हुए शानदार प्रदर्शन किया और श्रीलंका को 46.4 ओवर में 171 रन पर ढेर कर दिया। ट्रेंट बोल्ट ने 3, लॉकी फर्ग्यूसन, मिशेल सेंटनर और रचिन रवीन्द्र ने 2-2 विकेट लिए श्रीलंका के कुसल परेरा 28 गेंदों पर 51 रन बना पाए। जवाब में खेलने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने डेवोन कॉनवे के 45, रचिन रविंद्र के 42, डेरिल मिचेल के 43 और ग्लेन फिलिप्स के 17 रन की बदौलत जीत हासिल कर ली।

नेडबैंक गोल्फ चैलेंज : शुभंकर शर्मा ने 68 का कार्ड खेला

सन सिटी (दक्षिण अफ्रीका) ।

भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने नेडबैंक गोल्फ चैलेंज के पहले दौर में चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेलकर सत्र की अंतिम डीपी विश्व टूर चैम्पियनशिप में अपना स्थान सुनिश्चिल करने का मौका प्रदान किया। उन्होंने तीन बर्डी, एक ईगल लगाई और एक बोगी कर बैठे। इससे वह संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर चल रहे हैं। चार गोल्फर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर चल रहे हैं जिसमें दुनिया के आठवें नंबर के मैक्स होमा भी शामिल हैं। शुभंकर इनसे दो शॉट पीछे हैं। इसी तरह भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर और करणदीप कोचर ने शुक्रवार को यहां 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के हांगकांग ओपन के दूसरे दौर में चार अंडर 66 के समान कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर चल रहे हैं। पहले दौर में भी इन दोनों गोल्फरों ने 67 के समान कार्ड खेले थे। थाईलैंड के फाचारा खोंगवाटमाई ने सात अंडर पार 63 का कार्ड खेला जिससे वह 12 अंडर से बढ़त बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

विश्व चैंपियनशिप उज्बेकिस्तान 26 से 30 दिसंबर तक आयोजित

समरकंद । उज्बेकिस्तान शतरंज के फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज़ की विश्व चैंपियनशिप उज्बेकिस्तान के सबसे प्राचीन शहर समरकंद में 26 से 30 दिसंबर तक आयोजित होगी। विश्व शतरंज संघ ने बताया की एक बार फिर इस पांच दिवसीय टूर्नामेंट दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। प्रतियोगिता एक बार फिर से पुरुष और महिला वर्ग में आयोजित होगी। समरकंद ऐतिहासिक सिल्क रोड व्यापार मार्ग के साथ एक महत्वपूर्ण शहर हुआ करता था और शतरंज के लिए भी ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह वहीं शहर था जहां 1977 में सबसे पहले ज्ञात शतरंज के मोहरो की खोज की गई थी, जो 6 वीं और 8 वीं शताब्दी ईस्वी के बीच के थे। भारत से अब तक विश्वनाथन आनंद विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैम्पियन रह चुके है जबकि कोनेरु हम्पी नें विश्व रैपिड शतरंज का खिताब अपने नाम किया था। इस बार भारत की नजरे पुरुष वर्ग में गुकेश, प्रज्ञानन्दा , विदित गुजराती, अर्जुन एरिगासी और निहाल सरीन जैसे युवा खिलाड़ियों पर रहेगी जबकि महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के अलावा वैशाली आर से भारत को बड़ी उम्मीद रहेगी।

प्रसिद्ध कृष्णा अपार संभावनाओं वाले एक रोमांचक खिलाड़ी हैं : शेन बॉन्ड

नागपुर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2008 चैंपियन राजस्थान रॉयल्स के नवनियुक्त सहायक कोच और तेज गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा एक रोमांचक क्रिकेटर हैं, जिनमें खेल में उत्कृष्टता हासिल करने की अपार संभावनाएं हैं। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत की टीम में हार्दिक पांड्या के प्रतिस्थापन के रूप में बुलाए जाने से पहले, कृष्णा ने नागपुर में हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में रॉयल्स के ऑफ-सीजन प्रशिक्षण शिविर के दौरान बॉन्ड के तहत काम किया था। सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलते हुए कृष्णा ने 17 वनडे मैचों में 29 विकेट लिए हैं, इसके बाद उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए खेला। जब भारत ने अगस्त में टी20 के लिए आयरलैंड का दौरा किया और सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप मैच खेला तो वह पीठ के स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण लंबी छुट्टी से लौटे। बांड ने कहा, प्रसिद्ध अपार संभावनाओं वाला एक बेहद रोमांचक खिलाड़ी है। उनके साथ काम करने का मौका मिलना और वह जिस तरह से टिकते हैं, जिस तरह से वह खेल के बारे में सोचते हैं और वह वर्तमान में अपने खेल को कहां देखते हैं, यह समझना अच्छा था। हमने इस बात पर भी चर्चा की कि वह आगे चलकर क्या करना चाहता है, और मेरे लिए, यह समझने के बारे में है कि वह कैसे चाहता है कि मैं उसके साथ काम करूं, और हम उसके कौशल को बढ़ाने के लिए क्या सुधार कर सकते हैं। बॉन्ड ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, मुझे पता है कि उसकी पीठ की सर्जरी हुई है, जो मेरी भी हुई थी, इसलिए यह हमारे बीच आम बात है, और मैं उसके सामने आने वाली कुछ चुनौतियों को समझ सकता हूं, इसलिए ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि वह सही काम कर रहा है और वापस आ रहा है।

सोफी एक्लेस्टोन को भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की महिला टीम में शामिल किया गया

लंदन । कंधे की सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी के लिए बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन को आगामी भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की महिला टीम में शामिल किया गया है। इस टीम में तेज गेंदबाज इस्सी वोंग के लिए कोई जगह नहीं है। हालांकि, वह रन-अप समस्याओं के बावजूद 17 नवंबर से 2 दिसंबर तक ओमान में इंग्लैंड के प्रशिक्षण शिविर में हैं। चार्ली डीन, केट क्रॉस और टैमी ब्यूमोंट को टेस्ट टीम में जगह दी गई है, लेकिन आखिरी दो नामों को टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। अगस्त में द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के खिलाफ मैच में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए अभ्यास करते समय सोफी को कंधे में चोट लग गई थी। वह अब तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के साथ भारत दौरे पर इंग्लैंड लौटने की कतार में हैं, जो 6, 9 और 10 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में दूधिया रोशनी में खेले जाएंगे। इसके बाद 14-17 दिसंबर तक नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चार दिवसीय टेस्ट खेला जाएगा। इंग्लैंड 2019 के बाद पहली बार भारत का दौरा करेगा, जिसकी नजर देश में होने वाले 2025 महिला वनडे विश्व कप की तैयारी पर होगी। इंग्लैंड महिला ए में भारत ए के खिलाफ क्रमशः 29 नवंबर, 1 और 3 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले तीन टी20 मुकाबलों से पहले 12-25 नवंबर तक ओमान में तैयारी के लिए 21 खिलाड़ियों की टीम शामिल है। उन तीन मैचों के लिए 14-खिलाड़ियों की एक छोटी टीम नामित की जाएगी, जिनमें से जिन खिलाड़ियों का चयन नहीं किया गया है वे इंग्लैंड की महिलाओं के साथ प्रशिक्षण के लिए ओमान में रहेंगे।

एलन डोनाल्ड बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ेंगे

पुणे । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ेंगे। उन्होंने यह फैसला मौजूदा 2023 पुरुष वनडे विश्व कप में टीम के अभियान के बाद किया है। डोनाल्ड को जुलाई 2022 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया था और टीम के साथ उनका आखिरी मैच शनिवार को एमसीए स्टेडियम में अपने अंतिम विश्व कप लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो रहा है। एलन डोनाल्ड ने कहा कि शुरू में उन्हें एक साल के विस्तार से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के कारण उन्होंने यह पद छोड़ने का फैसला किया। डोलान्ड ने कहा कि विश्व कप के दौरान मैंने मौखिक रूप से अनुबंध स्वीकार कर लिया था। हालांकि, मैंने कोई अनुबंध साइन नहीं किया लेकिन मैं एक साल के विस्तार के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए ढाका वापस जाने के लिए तैयार था। मैं इसे पूरा करने और देखने के लिए उत्साहित था कि हम इस तेज गेंदबाजी समूह को और भी आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट में डोनाल्ड के हवाले से कहा गया कि विश्व कप में मेरे पास इस पर विचार करने के लिए समय नहीं था। मैंने सोचा था कि 12 महीने एक लंबा समय लगता है। व्यस्तता अ धिक होने से बेहतर होगा कि मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊं।

सालार में अभिनेत्री निमरत कौर का होगा स्पेशल डांस नंबर

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। दर्शक बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। वहीं फैंस को फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी का भी इंतजार है। अब हाल ही में, खबर आई है कि फिल्म गदर 2 के साथ मुख्य भूमिका में डेब्यू करने वाली सिमरत कौर भी प्रभास की सालार में नजर आएंगी। सिमरत के फैंस इस खबर से काफी उत्साहित हो रहे हैं। तो चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास अभिनीत फिल्म सालार पार्ट 1 – सीजफायर में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। अभिनेत्री हाल ही में हैदराबाद के रामोजी राव फिल्म सिटी में गाने की शूटिंग के सेट पर शामिल हुईं। 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म 1 दिसंबर को एक भव्य कार्यक्रम के साथ फिल्म का ट्रेलर भी जारी करने वाली है। सालार में सिमरत कौर पर फिल्माए गए गाने की शूटिंग कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी क्योंकि हाल तक फिल्म में किसी विशेष गाने की कोई पिछली खबर नहीं थी।

फिल्म में अभिनेत्री का होगा स्पेशल डांस नंबर

सिमरत कौर को आखिरी बार फिल्म गदर 2 में मुस्कान का किरदार निभाते हुए देखा गया था, जो उत्कर्ष शर्मा के किरदार चरणजीत सिंह की प्रेमिका थी। यह फिल्म सिनेमाघरों में जबरदस्त हिट रही और 2023 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और अब तक की सातवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई।

जवान की सक्सेस का क्रेडिट ना मिलने से नाराज नयनतारा!

साउथ में लेडी सुपरस्टार नाम से पहचानी जाने वालीं नयनतारा ने इस साल फिल्म जवान से बॉलीवुड डेब्यू किया है। हालांकि, फिल्म ब्लॉकबस्टर होने के बावजूद वो इस डेब्यू से खुश नहीं हैं। ये उनके लिए एक बड़ी फिल्म थी, हालांकि फिल्म की कामयाबी का क्रेडिट अकेले शाहरुख खान को दिया जा रहा है। कुछ लोग इसे नयनतारा-शाहरुख की नहीं बल्कि शाहरुख और दीपिका की फिल्म कह रहे हैं। खबरें हैं कि इस बात से नाराज नयनतारा अब हिंदी फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं। रिपोर्ट में नाम न लिए बिना साउथ के बड़े फिल्ममेकर के हवाले से लिखा है, तमिल सिनेमा में हीरो और फैंस नयनतारा की पूजा करते हैं। तमिलनाडु में उसे लेडी सुपरस्टार कहा जाता है। नयनतारा के फैंस जवान में उनका छोटा सा रोल देखकर बेहद उदास हैं। नयनतारा भी इससे काफी नाराज है। वो भी यही सोच रही है कि आखिर उसका फिल्म में क्या रोल था। उसे जवान के लिए जो रोल दिया गया था, ये वो बिल्कुल नहीं था। फिल्म जवान शाहरुख और नयनतारा की फिल्म होने वाली थी, लेकिन ये शाहरुख और दीपिका की फिल्म कही जा रही है। आगे फिल्ममेकर के मुताबिक लिखा गया, नयनतारा अब सिर्फ तमिल सिनेमा में ही काम करना चाहती है। साउथ सिनेमा का कोई फिल्ममेकर साउथ फिल्मों में नयनतारा के साथ ऐसा करने की हिम्मत भी नहीं कर सकता, एटली (जवान के डायरेक्टर) भी नहीं। फिल्म जवान के लिए नयनतारा ने 10 करोड़ रुपए फीस चार्ज की थी।

संजयलीला भंसाली से चल रही थी फिल्म पर बात, अब सवालों में कास्टिंग

कुछ समय पहले ही खबरें थीं कि नयनतारा, पॉपुलर फिल्ममेकर संजयलीला भंसाली के साथ एक फिल्म के सिलसिले में बात कर रही हैं। हालांकि फिल्ममेकर के इस बयान के बाद नयनतारा का हिंदी फिल्मों में काम करना मुश्किल लग रहा है।

बता दें कि नयनतारा ने फिल्म जवान से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। फिल्म में उन्होंने ऑफिसर नर्मदा राय का दमदार रोल प्ले किया था। फिल्म में नयनतारा के अभिनय को तो तारीफें मिलीं, हालांकि उनकी और शाहरुख की केमिस्ट्री को क्रिटिक ने नापसंद किया था। बताते चलें कि नयनतारा जल्द ही तमिल फिल्म इराइवन में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के लिए नयनतारा ने 10 करोड़ रुपए फीस ली है। एक फिल्म की इतनी बड़ी फीस लेने वाली नयनतारा पहली साउथ एक्ट्रेस हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो नयनतारा ने जवान के लिए भी 10 करोड़ फीस ली है।

अनुपम खेर ने पूरी की विजय 69 की शूटिंग

अनुपम खेर ने अपने शानदार करियर में 500 से अधिक फिल्मों में काम किया है और कई प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल की है। हाल ही में उन्होंने अपनी आगामी फिल्म विजय 69 की शूटिंग पूरी की। अनुपम खेर ने फिल्म की शूटिंग खत्म करने के जश्न टीम के साथ मिलकर मनाया, जिसकी झलक उन्होंने फैंस को दिखाई। अनुपम खेर ने निर्देशक अक्षय रॉय की आने वाली फिल्म विजय 69 की शूटिंग पूरी की। इसका जश्न उन्होंने केक काटकर मनाया। इंस्टाग्राम पर अभिनेता ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें शूटिंग खत्म होने के बाद पूरी टीम के साथ सेट पर वह जश्न मना रहे हैं। वीडियो में, अनुपम को उन सभी स्टाफ सदस्यों से घिरा हुआ देखा जा सकता है, जिन्होंने फिल्म को संभव बनाने में मदद की। केक पर विजय 69 फिल्म रैप लिखा हुआ था। अनुपम खेर वीडियो में कहते हैं, हर कोई शानदार था। यह सबसे बेहतरीन फिल्म है जिसका मैं हिस्सा रहा हूं। अगर आप मुझसे मेरी 540 फिल्मों में से दस सर्वश्रेष्ठ फिल्में पूछेंगे तो यह निश्चित रूप से उनमें से एक होगी। अनुपम खेर ने अपने सह-कलाकारों, क्रू और फिल्म से जुड़े हर तकनीशियन को भी तहे दिल से धन्यवाद दिया। अनुपम खेर ने वीडियो कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, और यह विजय 69 के लिए एक फिल्म रैप है। यह कितनी अविश्वसनीय, उत्साहजनक और संतोषजनक यात्रा रही है। 40 साल के करियर में और 540 फिल्में करने के बाद मुझे एक फिल्म जो कभी हार न मानने के मेरे अपने दर्शन को बढ़ाती है। मेरे अंदर खालीपन का एहसास है कि शूटिंग खत्म हो गई है, लेकिन मैं इस खूबसूरत फिल्म की अपनी यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। धन्यवाद वाईआरएफ। मेरे प्रतिभाशाली लेखक/निर्देशक अक्षय रॉय को धन्यवाद। अभिनेता ने आगे लिखा, विजय 69 के निर्माण के दौरान आपके प्यार, गर्मजोशी और सराहना के लिए मेरे साथी कलाकारों, तकनीशियनों को धन्यवाद। क्षमा करें, अगर मैंने इस फिल्म के निर्माण के दौरान अनजाने में किसी को ठेस पहुंचाई हो। मेरे लिए विशेष धन्यवाद मित्र चंकीपांडे उस व्यक्ति और उसके द्वारा यहां प्रस्तुत किए गए प्रदर्शन के लिए, सभी को जय।

नागा चैतन्य संग तलाक और अपनी बीमारी पर सामंथा ने तोड़ी चुप्पी

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनेता नागा चैतन्य से अपने तलाक के बारे में हाल ही में बात की। 2021 में अभिनेत्री की शादी नागा चैतन्य से टूट गई। तेलुगु सितारों का तलाक 2021 में सबसे ज्यादा चर्चित विषयों में से एक था। इस साल की शुरुआत में नागा चैतन्य ने पुष्टि की थी कि उनका तलाक पिछले साल हुआ था। हालांकि, अब तक सामंथा और चैतन्य ने अलगाव के पीछे के कारणों के बारे में चुप्पी साध रखी है। अब सामंथा ने कहा कि असफल शादी, ऑटो-इम्यून स्थिति (मायोसाइटिस) और फ्लॉप फिल्में अपने लिए उन्हें ट्रिपल झटके की तरह महसूस हुई।

सामंथा को मिले एक के बाद एक झटके

हाल ही में दिए इंटरव्यू में सामंथा से ने इस बारे में बात की कि जिंदगी के उतार चढ़ाव में किस तरह उनके फैंस इसका हिस्सा बन गए। उन्होंने कहा, जब मैं एक असफल शादी के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थी और मेरा स्वास्थ्य और काम प्रभावित हो रहा था तो यह एक तिहरी मार की तरह था। उस दौरान मैंने उन अभिनेताओं के बारे में पढ़ा, जो स्वास्थ्य समस्याओं से गुजरे और वापसी की या ट्रोलिंग या चिंता का सामना किया। उनकी कहानियां पढ़ने से मुझे मदद मिली। इससे मुझे यह जानने की ताकत मिली कि अगर उन्होंने ऐसा किया तो मैं भी ऐसा कर सकती हूं।

परेशानी से लड़ना जानती हैं अभिनेत्री

सामंथा ने आगे कहा, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि इस देश में एक पसंदीदा सितारा होना एक अविश्वसनीय उपहार है, इसलिए इसके लिए जिम्मेदार बनें, ईमानदार और वास्तविक बनें और अपनी कहानी बताएं। यह हमेशा इस बारे में नहीं होता है कि किसी के पास कितने सुपर हिट और ब्लॉकबस्टर हैं, कितने पुरस्कार जीते गए हैं, परफेक्ट बॉडी है या सबसे खूबसूरत ड्रेस हैं। यह दर्द है, कठिनाइयां, परेशानियां हैं। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि मेरी कमियां इतनी सार्वजनिक हो गई हैं। मैं वास्तव में उनसे काफी सशक्त हूं। मैं जानती हूं कि मेरे पास जो कुछ भी है, मैं उससे लड़ने जा रही हूं और मुझे उम्मीद है कि जो लोग इसी तरह की स्थिति में हैं, उनके पास भी लड़ते रहने की ताकत होगी।

अभिनय से ब्रेक पर हैं समांथा

वहीं बात करें सामंथा की फिल्मों के बारे में तो आखिरी बार वह विजय देवरकोंडा के साथ खुशी फिल्म में नजर आई थीं। वहीं उससे पहले वह पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म शाकुंतलम में नजर आई थीं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। सामंथा फिलहाल अभिनय से ब्रेक पर हैं। वह अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे रही हैं और दुनिया के विभिन्न हिस्सों की यात्रा कर रही हैं।

ट्रांसवुमन का रोल करेंगे आमिर खान के बेटे जुनैद

आमिर खान के बेटे जुनैद खान इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म महाराज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच सुनने में आया है कि वे अगले थिएटर प्ले में एक ट्रांसवुमन का रोल प्ले करेंगे। जुनैद के इस प्ले का नाम स्ट्रिक्टली अनकंवेंशनल है। जुनैद इसमें डबल रोल प्ले करेंगे जिसमें से एक कैरेक्टर ट्रांसवुमन होगा। जुनैद इसे 15 नवंबर की शाम पृथ्वी थिएटर्स में परफॉर्म करेंगे। वो बीते काफी वक्त से थिएटर कर रहे हैं। जुनैद के इस शो को लेकर लेटेस्ट अपडेट यह है कि इसमें उनके दोनों रोल एक दम अलग होंगे। ट्रांसवुमन के रोल में जुनैद यूनीक अपीयरेंस देंगे। इसके लिए वो ट्रेडिशनल फीमेल आउटफिट और विग कैरी करेंगे। वहीं उनके दूसरे कैरेक्टर की डिटेल्स अभी तक सामने नहीं आई हैं। जुनैद अपने डेब्यू फिल्म प्रोजेक्ट को लेकर भी काफी वक्त से चर्चा में हैं। फिल्म का टाइटल महाराज है और इसे यशराज फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। इसके अलावा जुनैद ने अपनी दूसरी फिल्म 'अ लव स्टोरी' की शूटिंग भी पूरी कर ली है।

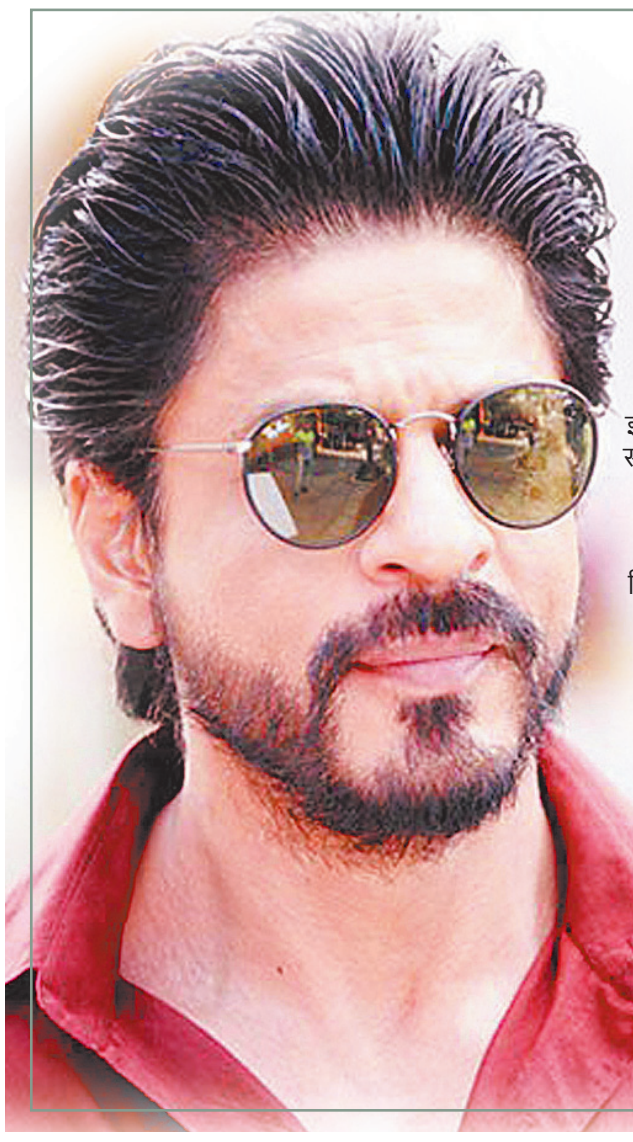

शाहरुख खान ने दी द आर्चीज के ट्रेलर पर प्रतिक्रिया

जोया अख्तर की द आर्चीज का ट्रेलर रिलीज हो गया। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा अन्य लोगों के साथ डेब्यू कर रहे हैं। दर्शकों के साथ इस फिल्म का ट्रेलर सेलेब्स को भी खूब पसंद आ रहा है। इस लिस्ट में अब शाहरुख खान का नाम भी शामिल हो गया है। अभिनेता ने गुरुवार को इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं भेजीं। शाहरुख ने एक्स पर लिखा, कालातीत पात्रों के साथ एक समसामयिक विषय...द आर्चीज को एक कल्पित दुनिया की कहानी जैसा पेश किया गया है। जोया ने फिल्म को बहुत मासूमियत और गुणवत्ता के साथ बनाया है ... शायद हमारी दुनिया का दृष्टिकोण पर्यावरण के प्रति इससे अधिक जिम्मेदार हो सके। इस प्यारी और सार्थक मजेदार फिल्म से जुड़ी पूरी टीम को शुभकामनाएं। द आर्चीच की कहानी देसी रिवरडेल पर आधारित है, जिसमें सुहाना ने वेरोनिका लॉज की भूमिका निभाई है। वह एक ऐसी लड़की की भूमिका में हैं जो अभी यूके से वापस आई है। वह खुशी द्वारा अभिनीत बेट्टी कूपर और अगस्त्य द्वारा अभिनीत आर्ची एंड्रयूज की सबसे अच्छी दोस्त हैं। गौरतलब है कि द आर्चीज लोकप्रिय आर्ची कॉमिक्स का भारतीय रूपांतरण है। आगामी फिल्म का प्रीमियर सात दिसंबर को ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगा। यह जोया अख्तर द्वारा निर्देशित और टाइगर बेबी प्रोडक्शंस द्वारा समर्थित है।

सलमान की फिल्म टाइगर 3 ओमान और कतर में बैन?

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3, दिवाली के अवसर पर यानी 12 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों मे दस्तक दे रही है। टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त वाईआरएफ के जासूसी ब्रह्मांड का हिस्सा है, जिसमें कटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी अहम भूमिका में हैं। हालांकि, अब फिल्म की रिलीज को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। कथित तौर पर एक्शन थ्रिलर फिल्म टाइगर 3 को ओमान और कतर में प्रतिबंधित कर दिया गया है।

टाइगर 3 पर कुवैत अमान में लगा प्रतिबंध?

अक्षय कुमार की ऐतिहासिक ड्रामा सम्राट पृथ्वीराज को कुवैत और ओमान में प्रतिबंध का सामना करने के बाद कथित तौर पर सलमान खान की एक्शन थ्रिलर टाइगर 3 को भी उन्हीं देशों के साथ-साथ कतर में भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। बैन की वजह इस्लामिक देशों और किरदारों का नकारात्मक चित्रण बताया जा रहा है। कथित तौर पर फिल्म के दृश्य तुर्की, रूस और ऑस्ट्रिया में फिल्माए गए हैं, जहां नायक एक वैश्विक आतंकवादी संगठन के खिलाफ आमना-सामना करते हैं। फिल्म में कथित तौर पर कुछ इस्लामिक देशों और पात्रों को प्रतिकूल तरीके से चित्रित किया गया है, जिसके कारण इस पर कुवैत, ओमान और कतर में प्रतिबंध लगा दिया गया है। टाइगर 3 को भारत में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने मंजूरी दे दी है, लेकिन इसे इस्लामिक देशों की सरकारों और सेंसर बोर्ड की आपत्तियों का सामना करना पड़ा है। फिल्मों के निर्माताओं ने अभी तक प्रतिबंध या फिल्मों में कोई बदलाव करने की संभावना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस प्रतिबंध से फिल्मों के विदेशी कलेक्शन पर असर पड़ने की आशंका है, क्योंकि खाड़ी देश बॉलीवुड फिल्मों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार हैं।